

सं० 52]

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 25, 1982 (पौष 4, 1904)

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 25, 1982 (PAUSA 4, 1904)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III--SECTION 1]

उडव न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा आयोग

नर्घ दिल्ली-110011, दिनांक 22 नवस्वर 1982

सं. पी/1814-प्रशा - 11 - - संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जैंड है शेख ने विद्रिश समुनिद्देशन योजना के अधीन इराक सरकार में प्रोग्रामर के पद पर अपनी संविदा निय्कित में उनका प्रत्यावर्तन हा जान पर 15-10-1982 (अपराहन) को संविदा अविध को समाप्ति पर 20-10-1982 (पूर्वाहन) में आयोग के कार्यालय में धरिष्ठ प्रोग्रामर के पद का कार्यभार सम्भान लिया है।

श्री शंख की 16-10-1982 में 19-10-1982 तक की अभिवहन अविध को देग और स्वीकार्य अर्जित अवकाश साम्भा गया है।

य. रा. गांधी अवर सचिव (पशासन) संघ लोदा गोरा शापाग गृष्ट मंत्रालय

REGISTERED

समन्वय निद्शालय (पुलिस बेतार)

नर्इ दिल्ली-3, विनांक 29 नवम्बर 1982

मं. 12012/1/81-प्रशामन--समस्वय निदेशालय (प्लिस बेतार) के सर्व श्री ए. के. चानला, विष्ठ नकानिकी सहायक तथा एम एम एम. लाम्बा, विष्ठ प्रयंक्षण अधिकारी को समस्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अतिरिद्ध सहायक-निदेशक के पद पर बेताराल रहे. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000 द रो.-40-1200/- म 30 अक्तवर, 1982 पूर्वाह्म में ल मास के लिए या रिकित को नियमित रूप से भर्ग जाने तक जो भी पहल हो, तदर्थ आधार पर पदोन्नित दी गई है।

वी. के याचे नियंशका पीलिस दारसंचार

महानिद्देशालया, कोन्द्रीय रिजर्व प्लिस वल नर्द्व दिल्ली-110003, दिनांक 1 दिसम्बर 1982 सं ओ. दा -1211/75 स्थापना—स्थी खरका यहादुर ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप-पृलिस अभीक्षक, के. रि. पृ. बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-10-1982 (अपराह्न) को त्याग दिया ।

सं. एफ. 2/12/81-स्थापना (के. रि. प्. बल)---राष्ट्रपति जी श्री एस. सी. मिश्रा को दिनाक-19-3-1981 से सहायक कमांडेट के पद पर स्थायी रुप में निगवत करने हैं।

दिनांक 2 दिसम्बर 1982

सं. ओ.दो.-1328/76-स्थापना—-राष्ट्रपति, श्री पी. एस. यादव, के. रि. प्. बल के उप-पृलिस अधीक्षक के स्थेच्छा पूर्वक संवा निवत होने की के. रि. प्. बल के रूल 43 (डी) में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को स्वे-च्छिक रूप से सेवा निवृति भेजने की अन्तगत मंजूरी देते हैं।

2. श्री पी.एस. यादव ने उप-पुलिस अधीक्षक 68 वाहिनी के. रि. प्. बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न) को त्याग दिया ।

> ए. की. सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं. 11/12/81-प्रशा-।—-राष्ट्रपति, निम्नलिखितं अधि-कारियों की, जो कि इस समय उनके नामों के समक्ष दिशित कार्यालय में संस्कृत निदशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत हैं, तदर्थ निय्कित की अविध को तारील 31-8-1982 तक की और अविध के लिए विद्यमान शर्ती के अधीन सहर्ष वढाते हैं:—

कं प्रधिकारियों	कार्यालय जहा कार्यारत हैं
सं० कानाम	
1. श्री एम०एल० गुप्ता	जनगणना कार्य निदेशालय उक्षर प्रदेश, लखनऊ ।
2. श्री टी॰वी॰ श्रीनिवासन	जनगणना का येनिवेशालय, तमिलनाडु मदास

सर्वश्री गृप्त और श्रीनिदासन का म्ख्यालय क्रमशः लखनउठ और मद्राम में होंगा ।

> पी. पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निद्देशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व नर्दे दिल्ली-2, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं. प्रशासन-1/कार्यालय आदोश 445— श्रीमान् निदोशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के श्री रामध्वर लाल खन्ना स्थायी अन्भाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनकम 840-1200 में 29-11-1982 के अपराहन से अगले आदोश आने तक नियुक्त करते हैं।

ए. सी. मॉहिन्द्रा संयुक्त निद्देशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डानैन्स फौक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनाक 1 दिसम्बर 1982

स. 53/जी/82—नार्थक्य निवृत्ति आय् (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री पी.एल जालाटा स्थानायन्न एडीशनल डी जी ओ. एफ./ओ. ई. एफ., दिगांक 30 नवम्बर, 1982 अपराहन से मेवा निवृत्त हुए ।

> वी. के. महता निद्याक

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग) (

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1982

सं. ए-32013/2/81-प्रशासन-।। (क)—-राष्ट्रपति, श्री यू. कृष्णन, तकनीकी सहायक (रंगाई) को 10 नवम्बर, 1982 से अगामी आदेशों तक के लिए बूनकर सेवा केन्द्र, कन्नान्र में सहायक निद्शाक ग्रेड [(प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हुई।

> विनय आ अपर विकास आयुक्त (हथक रघा)

उद्योग मंत्रालय

(अधिगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघू उलाग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं ए-19018(22)/73-प्रशा. (राजः)—-राष्ट्रपति, लघ् उद्योग सेवा संस्थान, त्रिच्र के महायक निद्याक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) श्री ए. चिवस्वरम को क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास मे दिनांक 30 अगस्त, 1982 (पूर्वाह्न) सं, अगले आदंशों तक, सहायक निद्याक, ग्रेड-। (सामान्य प्रशा-सन प्रभाग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1982

म 12(691)/77-प्रशा. (राज.)—--राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक मेवा के ग्रेड-3 अधिकारी और इस कार्यालय में उप-निदंशक श्री बी. बी. मैती को इसी कार्यालय में 16-10-1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक तदर्थ आधार पर निदंशक ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण), के रूप में निय्कत करते हैं।

दिनांक 30 नतम्बर 1982

सं. 12(386)/63-प्रका. (राज.)—-राप्ट्रपति, विकास आयक्त (लघ उद्योग), नर्ज दिल्ली के कार्यालय के उप-निद्याक (यान्त्रिकी) श्री के. एम. दरगर को, लघ् उद्योग सेवा संस्थान, पटना में 2-11-1982 के प्पष्टिन से अगले आदेशों तक, निद्यों क, ग्रेड-2 (यान्त्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 12(385)/63-प्रशा (राज)— राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिष्ट के सहायक निविधाक, ग्रेंब-1 (वैद्यत) श्री टी. आर. राजगोपालन को लघु उद्योग सेवा मंस्थान, हैंदराबाद में 6-3-1982 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर उप-निदेशक (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

- सं. ए. 19018(358)/78-प्रशा. (राज.)---विकास आयुक्त (ल. उ.) लघु उत्योग सेवा संस्थान, जयपूर के अधीक्षक, श्री घिवदयाल को उसी संस्थान में 9-8-1982 से 30-9-1982 तक की अविध के लिए सहायक निदंशक, ग्रेड-2 (सा. प्रशा. प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते \mathbf{z}^4 \mathbf{r}
- 2. सहायक निद्धाक ग्रेड-2 (सा. प्रशा. प्रभाग) के रूप में नियुक्त होने पर श्री शिवदयाल ने लघु उद्योग संवा संस्थान, जयपुर में अपना कार्यभार दिनांक 9-8-1982 के पूर्वाहन में सम्भाल लिया और निर्धारित अविधि के समाप्त होने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में सहायक निद्धाक ग्रेड-2 (सा. प्रभाग) के अपने पद का कार्यभार 1-10-1982 के पर्वाहन से छोड़ दिया।

दिनांक 1 दिसम्बर 1982

- सं. 12(530)/66-प्रशा. (राज.), खण्ड-2--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निद्देशक, ग्रेड-1 (आईं.एम.टी.) श्री एस. के. आइजाक को लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में 4-9-1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप-निद्शेक (आई. एम. टी.) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।
- मं. ए.-19018(447)/79-प्रका. (राज.)---राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, वंगलौर के सहायक निद्याल, प्रड-।। (आर्थिक अन्वेषण), श्री की. भी. वर्गीज जो लघु रखोग सेवा संस्थान, त्रिबुर में 20-10-1982 के पूबर्त स अगने आदेशों तक, सहयक गिदंशक, ग्रेड-। (अद्योगिक प्रकास-प्रविक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।
- मं. ए.-19018(577)/82-प्रजा. (राज.)→-विकास आयुक्त (ल. उ.), लघु उद्योग सेंदा संस्थान, बंगलिर के अधीक्षक श्री टी. नटोशन को लघु उद्योग सेंदा संस्थान, त्रिचूर में 30-9-1982 से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (सा. प्रशा. प्रभाग) के रूप में तवर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 19018(597)/82-प्रशा. (राजं.)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के अधीन शासा लघु उद्योग सेवा संस्थान, एजवाल के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी श्री के जोखूना को उसी संस्थान में 2-11-1982 के पूर्वाहन रो, अगले आदेशों तक, सहायक निष्येषक, ग्रेड-। (औ. प्र. प्रशि.) के रूप में निगुक्त करते हैं।

विनांक 6 विसम्बर 1982

सं ए -19018(566)/82---राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के स्थायी लघु उद्योग संवद्धन अधिकारी (वर्ष/पाष्ट्रका), श्री जे. पी. सन्ना को राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, नई विल्ली में हुई प्रतिनियुक्ति से 30-10-1982 (अप-राह्न) से वापस लाँटने पर, लघु उद्योग विकास संगठन में 30-10-1982 के अपराह्न से, अगले आवोशों तक, सहायक

निद्धांक, ग्रेष्ट-। (चर्म/पाध्युका) के रूप में नियुक्त करते हुई।

सी. सी. राय उप निदंशक (प्रशाः)

पूर्ति तथा निपटान महानिद्देशालय (प्रशासन अनुभाग-।)

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं प्र-1/1(224)—पूर्ति तथा निपटान महानिद्शालय, नई विल्ली में स्थायी उप महानिद्शाक और स्थानापन्न अपर महानिद्शाक, श्री जे. सी. भण्डारी जिन्हें दिनाक 1-10-82 (प्याहन) से राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि., नई दिल्ली में मूख्य सलाहकार (विपणन) के रूप में प्रतिनिप्रित के आधार पर नियुक्त किया गया था, निवर्तमान आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 नवस्वर, 1982 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस वालासुबुमणियन उप निदोशक (प्रशासन)

इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

मं० 8708 बी/ए-12025(4-ड्रिलर)/81-19बी— भारतीय भूदैशानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को ड्रिनर के रूप में, उसी विभाग में सं० लो० से० श्रा० की सिकारिश के श्रनुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक श्रत्येक के सामने दशाई गई तिथि से नियुक्त किया जा रहा हैं:--

 ऋं० सं०	नाम व पदनाम	नियुक्ति-तिथि
1	2	3
1.	सर्वेश्री ग्रमित कुमार चौधरी,	
	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)	28-9-82 (पूर्वाह्न)
2.	एच० के० बारूरी,	
	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)	16-10-82 (पूर्वाह्म)
3.	एस० एल० मजुमबार,	
	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)	18-10-82 (पूर्वाह्न)

1	2	3
सर्वश्री		
4. एस०	एस० जंगपंगी,	
	ऽ तकनीको सहायक (ड्रिलिंग)	20-10-82
	, .	(पूर्वाह्न)
5. मलय	नारायण बस्,	
कनिष	ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)	15-10-82
		(पूर्वाह्न)

एस० के० मुखर्जी, महा निदेशक

परमाण उन्जो विभाग

राजस्थान परमाण् विद्युत परियोजना

अण्शक्ति-323303, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

सं. रापविष/09002/रा/(903)82/स्थ./3273--मुख्य

परियोजना अभियंता, राजस्थान परमाणू विव्यत परियोजना द्वारा इस परियोजना के स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''सी'' एव स्थानापना वैज्ञानिक अधिकारी/इ जीनियर एस. बी. श्री आर. बी. मांजरेकर का त्यागपत्र स्वीकार किए जाने के फल स्वरूप श्री माजरेकर ने दिनांक 31-8-1982 के अपराहन में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम . ङो .गाडगील प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

रिएक्टर अन्संधान केन्द्र

कालपावकाम-603102, दिनाक 18 नवस्पर 1982

स. आर. आर. सी./ए-32014/5 82—-रिएक्टर अन्-सधान कंन्र के निदशक उस केन्द्र के अस्थायी दैशानिक सहायक ''बी'' श्री सी. पृथ्वीकामार को 28 अगस्त, 1982 से अगले आदाश होने तक के लिए रुपये 650-30-740-35-810 द रो.-35-880-40-1000 द. रो.-40-1200 के वेतनमान मं स्थानापन्न रूप से वैशानिक अधिकारी अभियंता ग्रेड एस. बी. नियुक्त करते हैं।

> के. वी. सेत्माधवन म्ख्य प्रशासन तथा लेखा अधिकारी

कलपाक्कम, दिनांक 16 नवम्बर 1982

मं. आर. आर. सी./पी. एफ./3808/82/14905— रिएक्टर अन्संधान केन्द्र के निदश्क, नाभिकीय इंधन सम्मिश्र, हैदराबाद के स्थायी वैज्ञानिक महायक ''मी'' तथा स्थानापन वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड ''एम.बी'' श्री एस. वेण्गोपाल को इसी केन्द्र में 31 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक रु 650-30-740-35-810-द रो.-880-40-1000 द रो.-40-1200 के

वंतनमान मो अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस. बी. नियुक्त करते हैं।

> एस । पद्मनाभन प्रशासन-आधिकारी

श्रंतरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई श्रतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 29 नवम्बर 1982

संव्योऽएस०एस०सींऽ/स्था०/एफ०/1(17)—निदेशक, थी० एस० एस० सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्निलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/ इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के ग्रेड में 1 अन्तूबर, 1982 के पूर्वाह्र से स्थानापन्न रूप में श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं:—

ऋम	नाम	प्रभाग/परियोजना
सं०		
	श्री एस० शिष	एस० एल० वी० (सी०)
2.	श्री के० गंगाधरन	प्रार ० एस० मार ०
3.	श्री एम० तंबु	कंप्यूटर
4.	श्रीमती जस्सी ग्राण्डेनी	ए० भ्रार० डी०
5.	श्री हेनरी एस० डी० सिल्वा	ग्म० ई० टी/ टेर्ल्स
6.	श्री बी० श्रीदत्तन	ए० भ्रार० डी०
7.	श्री के० एम० सुकुमारन	ए० पी० ई० पी०
8.	श्री जी० रामु	श्रार० पी० पी०
9.	श्री वी० एन० रवीन्द्रन	पी० एफ० सी०
10.	श्रीमती ए० डी० एल्सी बेबी	ई० एल० एस०
11.	श्रीमती राधामणी वेणुगोपाल	जी० एस० एस/टेर्ल्स
1 2.	श्री जगल प्रसाद	एफ० ग्रार० पी० डी०
1 3.	श्री जी० पी० शशिधरन	एस० एल० बी० (सी०)
	नायर	,
14.	श्री भ्रार० भास्करन नायर	एस० एल० वी० (सी०)
15.	श्री के० गुरूराज उग्राणी	ए० एस० एल० बी०
16.	श्री वी० ग्राई० ग्रलक्सांडर	सी० जी० डी०
17.	श्री एम० विजयकुमार	ए० एस० टो० भ्रार०
18.	श्री पी॰ विजयन	जी० एस० एस/टेर्ल्स
19.	श्री के० पी० गोपीनाथ	क्यू० सी० डी०
	ं पिल्लै	71

कें० पी० म्रार० मेनन, प्रणासन अधिकारी—II (स्थापना) कृते निवेसक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1982

सं० ए.० 32013/3/82-ई० सी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित तकनीकी ग्रधिकारियों को विरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं ग्रौर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेंगन पर तैनात करते हैं :—

ऋं० नाम सं०				वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करनेकीतारीख
1 2				3	4	5
 मर्वश्री						
1. यू० के० सिन्हा	•	•		रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	7-10-1982 (भ्रपराह्न)
2. ए० के० सिंघल	•	•	•	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर	11~10-1982 (पूर्वाह्म)
3. एस० डी० भ्रवस्थी	•	•	•	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर	30-9-1982 (पूर्वाह्म)
4. ए० वी० कृष्ण	•		•	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण ग्रीर विकास एकक, नई दिल्ली	29-9-82 (पूर्वाह्न)
5. एम० एल० धर	•	•		केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण ग्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	27-9-1982 (श्रपराह्म)

दिनांक 7 दिसम्बर 1982

मं० ए० 32013/7/81—ई० सी०—इस कार्यालय के दिनांक 4 जनवरी, 1982 और 30 अप्रैल, 1982 की ग्रिधिमूचना सं० ए० 32013/10/81—ई० सी० के कम मे राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार ग्रिधिकारियों को जो उस समय तदर्थ श्राधार पर विष्ठित संचार श्रिधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 20-9-1982 से श्रीर श्रन्य श्रादेण होने तक विष्ठ संचार श्रिधिकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है:—

ऋं० नाम सं०	तैनाती स्टेशन
सर्वश्री	
1. डी० वी० एस० दहिया	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
2. उमेश कुमार	वैमानिक संचार स्टेशन, विल्ली
3. पी० के० कपूर	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय (मुख्यालय)
4. ए० के० गुलाटी	वैमानिक संचार स्टेणन, कलकत्ता

प्रेम चन्द, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 30 नवम्बर 1982

सं० ए० 32013/4/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रीधकारियों को नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः महीने की श्रवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति किए जाने तक, इनमें मंजो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करने की कार्योक्षर स्वीकृति प्रदान की है :—

सर्वश्ची

	तपत्रा	
1.	पी० एम० गोयल	24-5-1982
2.	एच० एम० फूल	27-5-1982
		(भ्रपराह्म)
3.	मोहद० मुस्तफा	21-4-1982
4.	एल० ए० महालिंगम	22-4-1982
5.	देब प्रसन्ना घोप	30-7-1982
		(प्रपराह्म)
6.	हरीहर प्रसाद	21-4-1982
7.	एल० एम० माथुर	1-5-1982
8.	डी० पी० घोष	30-7-1982
9.	एन० रमेश	21-4-1982

उपरोक्त ग्रधिकारियों की तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति के कारण वे ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दाबा करने के हकदार नहीं होगें ग्रौर नहीं ग्रेड में तदर्थ ग्राधार

पर की	गई	उनकी	सेवा	ग्रेड	में	वर्ष	रयता	ग्रौर	उच्चतर	ग्रेड में
पदोन्नति	की	पावता	कि	प्रयो	जन	ार्घ	गिनी	जाए	गी ।	

जै० सी० गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन

1	2	3
4. Ų	० के० बसु	1-6-1981
5. ए	म०वी० राव	2-9-1981

विदेश संचार सेवा संसर्क, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं ० 12/3/82—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतव्द्वारा निम्नलिखित स्थानापम्न उप परियात प्रबंधकों को खाना 3 में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं:—

ऋंमोक नाम	मूल रूप में उप परियात प्रबंधक की हैसियत से नियुक्ति की तारीख।		
1. 2.	3.		
सर्वं श्री			
1. टी० सी० मेण्डेस	2-8-1980		
2. डी० एस० सांभरिया	1-4-1981		
3. भगत सिंह	1-5-1981		

पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय बोहराद्न, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

सं 16/356/80-स्थापना-। — अध्यक्ष, वन अनु-संभान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहराद्न, श्री देवी सिंह बिष्ट, सहायक कुल सिषव, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय को दिनांक 31 अक्टूबर, 1982 की अपरान्ह से, सेवा निवृतन की आयु होने पर भारत सरकार की सेवा से निवृत होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

सं. 16/356/80-स्थापना-।---अध्यक्ष, वन अनुसंधान एवं महानिष्यालय, देहरादून श्री एसं. एसं. पाणी, कार्यालय अधीक्षक को दिनांक 4 नवम्बर, 1982 की पूर्वान्ह से तदर्थ तथा 22 नवम्बर, 1982 से नियमित रूप से आगामी आदेशों तक सहर्ष सहायक कुल सिचव नियुक्त करते हैं।

रजत क्रमार क्रुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उ त्पाव शुल्क समाहर्तालय,

बंबई-1, दिनांक 25 नवम्बर 1982

स० एस० टी० 2/80-81--केन्द्रीय उत्पादक शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232-ए के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण प्रधिनियम, 1944 की धारा-9 के प्राधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गए व्यक्तियों भौर भिधिनियम की धारा-33 में संदर्भित श्रिधकारी द्वारा ६० 10,000/- या इससे श्रिधक की राशि के लिए विष्डत व्यक्तियों के नाम व पते उपनियम-2 में उल्लिखित श्रन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किए जाते हैं:--

		1—-न्यायालय	के मामले	30 सितम्बर, 1982 को समाप्त तिमाही का विवरण .				
ऋम	संख्या व्यक्ति	का नाम	पता ।	पिधिनियम के किन प्रावधान	ों का उल्लंघन किया गय	दंड-राशि		
1	. 2		3	4		5		
-			, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	—-शून्य				
		1	1विभागीय न्याय-नि	र्णयन				
坊の	व्यक्तिकानाम	पता	श्रधिनियम के प्रावधान या उसके श्रंतर्गत बने नियमों का उल्लंबन किया गया।	न दण्ड – राशि	धारा-33 के प्रांतर्गत न्याय-नि- र्णीत शुस्केय माल का मूस्य, ओ जब्त किया जाना है।	भिधिनियम की धारा 34 के भिधीन के स्वान पर भर्य-दण की राशि।		
1	2	3	4	5	6	7		
	सर्वश्री स्वस्तिक एरेटिङ वाटर वर्क्स	3, गिल्डर लेन लेमिगटन रोड़, बंबई-8	केन्द्रीय उत्पाद शुल् नियमावली, 194 के नियम 9(1)	4		******		

1	2	3	4	5	6	7
2.	सर्वेश्वी राक्ष्येल इण्डस्ट्रीज	ए/20, सिंघ इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, राम मंदिर, रोड़, गोरेगांव (प०) बंबई-62	साथ पठित नियम 44, 45,198, नियम 173—बी, 173—सी, 173—एफ, 173—जी (1), नियम 52—ए के साथ पठित नियम 173—जी(2), नियम— 53 व 226 के साथ पटित नियम—173जी (4)। केन्द्रीय उत्पाद शुरुक नियमावली, 1944 के नियम 9(1), 52ए, 53व 226 के साथ पठित नियम 173—जी (1), 173—जी(2) तथा 173—जी(4)।	रु० 1,60,000/- जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा शुल्क बोर्ड, के दि० 21-7-82 के फा० सं० 194/159/ 82 एयू (ए) के प्रधीन जारी 1982 के प्रपील भादेश सं० 237 के द्वारा घटाकर ४०, 40,000/- कर वी गई।	₹∘ 3,75,610	समाहर्ता द्वारा भिध- रोपित कुल जुर्माना रु० 1,08,000/— (माल की जब्ती के बदले रु० एक लाख का जुर्माना श्रिष्ठ- रोपित किया गया (—) माल को प्रंतिम रूप से छोड़ने के लिए कंपमी द्वारा मिल्पादित बंधपल के शतों के अनुरूप रु० 8,000/— का अर्थवण्ड । रु० 1,00,000/— का अर्थवण्ड । रु० 1,00,000/— का अर्थवण्ड व केन्द्रीय उत्पाद शुरूक स सीमा शुरूक खोर्ड दिनांक 21-7-82 के फ० सं० 194/159/82 ए० के श्रधीन आरी 1982 के श्रपील श्रादेश सं० 236 द्वारा घटाकर रु० 20,000 रु० किया गया।
3.	सर्वश्री न्यू इरा फैब्रिक्स प्रा० लिमिटेड	मुगल लेन, मांटूगा (पश्चिम रेलवे) बंबई—400016	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 52ए व 226 के साथ पठित नियम 9, 47, 53, 173एफ, 173जी (2) तथा	হ∘ 10,000/— হ	1,46,550.80	₹0 30,000/~
4.	सर्वश्री नरेन्द्र वायर स्^{ण्डस्}ट्री ज	5, भारत बिल्डर्स राम मंदिर रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बंबई-400063	केन्द्रीय उत्पादक गुरूक नियमावली, 1944 के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 173—बी, नियम 173—सी, 173—एफ व नियम	रु० 30,000/- जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड के दि० 24-7-1982 के फा० सं० 194/ 157/82 एयू० (ए०)	ह्0 56,921.40	रु० 30,000/- का अर्थसंड-जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा शुल्क बोर्ड के दि० 24-7-82 के फाइल संख्या 194/157/82

1	2	3	4	5	6	7
			` ,			एयू (ए) के श्रधीन जारी 1982 के अपील आदेण सं० 241 द्वारा घटाकर रु० 12,000 किया गया ।

विजय कुमार गुप्ता, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बंबई–1

केन्द्रीय उत्पाद एवं मीमाशल्क समाहत्तालय भूषनेश्वर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

सं. 7/82—कन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय, भूवनेश्वर के निम्निलिखित निरिक्षक (ब. श्रं.) को पदोन्नित पर अधीक्षक, समूह ''बी'', केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क, के पद पर उसको उल्लेखित तिथि से पदोन्नत किया गया है।

अधिकारी का नाम और आदेश की तिथि श्री राधा मोहन पाइकराय——1-10-82

संघमित्रादास

महायक समाहर्ता (म्ख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद व सीमा ग्रुटक भुवनेश्यर

केन्द्रीय जल आयोग

नक् विल्ली-110066, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं. ए-12012/1/81-स्था-पांच (जिल्द-षा)—विभागीय पदांन्नित समिति (ग्रूप-बी) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री शिव कमार शर्मा केन्द्रीय जल आयोग मे तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निवंशक/सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरम (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में कांडर पद पर पदस्थापित), को उसी पद पर रु. 650-30-740-35-810-द रो -35-800-40-1000-द रो -40 1200 के वेतनमान में 9 अगस्त 1982 की प्राह्न से, अगले आदश होने तक, नियमित आधार पर निय्वत करते हैं।

उपर्युक्त अधिकारी, कोन्द्रीय जल आयोग मे अतिरिक्त सहायक निद्येष/सहायक इजीनियर के ग्रेड मे उपरांक्त तारीख से 2 वर्ष की अविधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

3. उपयुक्ति अधिकारी की पदोन्नित माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में पेडिंग सिविल नियम मं 10823 (इडल्यू) के परिणाम के अधीन है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1982

मं. ए-19012/1007/82/स्था-पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री विनोद क्मार मेचीरत्ता, अभिकल्प महायक को अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इजीनियरी) के ग्रेड में रु. 650-30-740-35-810-द गे. -35-880-40-1000-द रो.-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्त रूप में पूर्णत्या अस्थामी तथा तदर्थ आधार पर 25 अक्क्षूबर, 1982 को पूर्वाह्न से एक वर्ष की अविध के लिए

अथवा पद को निधिमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> ए. भट्टाचार्य अयर सिचव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिविशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नयी दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

मं. 27-ई/जे(43)/79-ई सी.2--राष्ट्रपति ने इस विभाग के निर्माण सर्वेक्षक, श्री के. डी. जगवाणी, दिल्ली केन्द्रीय परिमंडल-11, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नयी दिल्ली, के स्वैष्टिक सेवा निवृत्ति के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तद्नुसार श्री के डी. जगवाणी, 30 नवस्बर, 1982 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो जायोंगे।

> नीना गर्ग प्रशासन उपनिद्शाक कृते निर्माण महानिद्शाक

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

मं 1/253/69-इ. मी.-9-इस विभाग के वास्त्विव् श्री मस्यपाल नायर वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 30-11-82 (अपरान्ह) को सरकारी सेवा से निवत हो गर्य।

मं /346/69-र्ड. मी.-9--इस विभाग के वास्त्रिष्ट् श्री जी. एन. राभा वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 30-11-82 (अपराहन्त) को सरकारी सेवा से निवृत हो गर्य।

ए. के. नारंग प्रकासन उपनिद्शेषक

पूर्वि मंत्रालय

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीप्र कलकत्ता, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

मं. जी-318/ए--महानिद्शेक राष्ट्रीय पर्राक्षण गृह, कलकत्ता, श्री के रगराज को सहायक निद्शेक (प्रशासन)

(ग्रेंड ।।) के रूप में, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, मद्रास, शाला मद्राम में, प्रतिनियुक्ति आधार पर, दिनाक 6-10-82 (पूर्वाह्न) स, अन्य आदेश में न निकलने तक के लिये नियुक्त करते हैं।

> ए. बैनजी[ः] उपनिद्योजक (प्रशासन) कृते महानिद्योगक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, ग्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्राप का कार्यालय

कम्पनी अधिनियस 1956 और यूनिको इन्डस्ट्रीयल इन्वेस्टमोट करेला प्राईविट लिमिटोड के विषय में

कोचीन 🕻 दिनाक 15 नवम्बर 1982

स 2551/लिक्वि/560(3)/10515/82—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतद्द्यारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यूनिको इन्डस्ट्रीयलस इन्वेस्टमेन्ट केरला प्राइविंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकर्ल कारण विधित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रभा कीमिकल्स प्राईविट लिमिटोड कोचीन, दिनाक 15 नयम्बर 1982

स. 2592/लिक्सि/.560(3)/10517/82—कंपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्ब्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रभा कॅमिकल्स प्राईविट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कपनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पालई मोटर लिमिटेड कोचीन; दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 921/लिक्बि/560(3)/10520/82—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्ह्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन भास के अवसान पर पालई मोटर लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिर्शत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मलाबार सपैसस प्राह्वेट लिमिटेड कोचीन, दिनांक 15 नवस्वर 1982

सं. 2554/लिक्य/560(3)/10524/82—कपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मलाबार स्पैसम प्राईवंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी । 2.—386GI/82 काणानी आभाग्यम 1956 और पन्डम होलेरेस प्रार्डकेट लिमिट ४ काणीन, दिनाक 15 नवस्वर 1982

स. 2447/लिक्नि/560(3)/10527/82—कपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर फन्डस हॉलिरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएना और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएनी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लम्बेर एण्ड अलैंड इन्डस्ट्रीस प्राइविट लिमिटोड

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

मं . 1517/लिक्वि/560(3)/10530/82—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लम्बेर एण्ड अलैंड इन्डस्ट्रीज प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नेशनल डोयरी एण्ड क्यानिंग कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2514/लिक्वि/560(3)/10534/82—कंपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना बी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर परफेक्ट प्रिन्टर्भ प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विश्वत न किया गया तो रिजिस्टर से काट विया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नेशनल डोयरी एण्ड क्यानिंग कम्पनी लिमिटोड

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

म. 800/लिक्बि/560(3)/10537/82—कपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर नेशनल डेयरी एण्ड क्यानिंग कम्पनी लिसिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कीन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2135/लिक्बि/560(3)/1054/82—-कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) अनुसरण में एतक्ष्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर कीन केमिकल्स प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काड़ दिया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी। कम्पनी अधिनियम 1956 और बोस्कर अनाड*सिंग एण्ड एसन-षयल आयल इन्डस्ट्रीज लिमिटडे कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2348 लिक्ब / 560(3) / 10544 / 82 — कंपनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बास्कर अनाड सिंग एसनषयल आयल इन्डस्ट्रीज लिमिट डे का नाम इसके प्रतिक ल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और ब्राटेक्स प्रार्हवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2980/लिक्य/560(3)/10547/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतदद्वारा यह सूचना दी आती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्राटेक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो राजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी आएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरोणस क्ले एण्ड मिनरलस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2304/लिक्वि/560(3)/10550/82—कम्पनी अक्षिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतदद्वारा यह, सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर आरोणस क्ले एण्ड मिनरलस प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिर्शत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विष्वा चक्रा टार्यरस प्राईवेट लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 2913/लिक्य/560(3)/10553/82—क म्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर विश्वा चका टार्यरस प्राइविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और क म्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के. पन्चापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल। कम्पनी अधिनियम , 1956 और जिंक अक्साईंड इण्डिया प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

सं. 29354/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा स्चना दी जाती है कि जिंक आक्साईंड इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विध-टित हो गई है।

क स्पनी अधिनियम, 1956 और अकस्य क्मार पाल(मानुफाकचारारेस) प्राहविट लिमिटडे के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

सं. 26492/560(5)—कम्पनी अधिपनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि अक खय कुमार पाल (मान्फाक चारारोस) प्रार्डवेट लिमिट डे का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

एस. आर. वी. वी. सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार परिचम बंगाल।

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

सं. एफ--एडी(एटी)/82--श्री एन. सी. चतुर्वेदी स्थायी हिन्दी अनुवादक, आयकर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ जिन्हों तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में, सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक पीठ में दिनांक 15-11-82 तक कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था देखिये इस कार्यालय की अधिमूचना क्रमांक एफ-48-एडी(एटी)82 दिनांक 5-10-1982 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण कटक पीठ, कटक में उसी आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-11-182 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद होतू नियमित नियुक्ति नहीं की जाती, जो भी पहले हो, स्थाना-पन्न रूप में कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एन. सी. चत्वेदी को उसी श्रेणी में नियमित निय्कित के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर पवक्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिमाणित की जावेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्तत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं. एफ-48-एडी(एटी)/82—श्री सुरोन्द्र प्रसाव, स्थायी हिन्दी अनुवादक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्याय-पीठ जिन्हों तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजी-कार के पद पर, आयकर अपीलीय अधिकरण, बंगलौर पीठ, बंगलौर में दिनांक 16-8-82 से 15-11-82 तक तीन माह की अविधि के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना सं. एफ-48-एडी(एटी) 82 दिनांक 5-10-82 का अब आय-

कर अपीलीय अधिकरण बंगलौर पीठ, बंगलौर में उसी आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर तीन माह की अवधि के लिए दिनांक 16-11-82 से नियुक्त किया जाता है या जब तक उक्त पद की नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी पहले हो।

उपयुक्त नियुक्ति तवर्थ आधार पर है और यह श्री एस. प्रसाद को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्त के लिए कोई वाबा नहीं प्रवान करंगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिमाणित की जावंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करंगी।

टी. डी. शुग्ला अध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ अधिसूचना आयकर विभाग

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

सं. 151—श्री आनन्द किशोर रौना, आयकर निरीक्षक लखनक प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग 'ख') के पद पर आफिसियंट करने के लिए रु. 650-30-740-30-810 द रो.-35-880-40-1000 द. रो.-40-1200 के वेतनमान मे पदोन्तत किया जाता है। पदोन्नित पर उन्होंने दिनांक 20-9-82 के पूर्वाहन में आयंकर अधिकारी "एफ वार्ड" इलाहाबाद के रूप में कार्यभार सम्भाला।

सं. 152---श्री सस्य नरायण लाला, आयकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग ''ख'') के पद पर आफिसियेट करने के लिए रुं. 650-30-740-30-810 द. रों.-35-880-40-1000 द. रों.-40-1200 के वेतनमान में पदान्तत किया जाता है। पचोन्ति पर उन्होंने दिनांक 15-10-82 के पूर्वाहन में सहायक नियन्त्रक सम्पद्मा शुल्क, बनारस के रूप में कार्यभार सम्भाला।

धरनी धर आयकर आयुक्त, लखनउठ प्ररूप आईं. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, विनांक 9 नवम्बर 1982

निदोश सं. पानीपत/206/81-82—अतः म्फ्रे, आर. के. भयाना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्ये अधिक है

और जिसकी सं भूमि 21 बीघे 18 विस्वे हैं तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्घ, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिय नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियो. अर्थात् :—

 श्रीमती धर्म देवी विधवा श्री दिवान चन्द नि. देहली

(अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल पुत्र श्री गुरवित्ता मल नि. पानीपत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 बीघे 18 विस्वे तरफ इन्सार, पानीपतं में स्थित है जिसका अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या- लय पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या, 9982 दिनांक 22-3-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्का (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

नारी**स** : 9-11-1982

मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3176--अतः म्भ्रे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000∕- रुत. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 174, पुराना नं. 55 है, तथा जो इदिगाह हिल्स, भोपाल में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण से रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च 1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आयं या किसी धनं या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अंत: अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री हरमीत सिंह वस्त्व सरवार मेहर सिंह व्याय मू.) आम कुलवीपसिंह वस्त्व श्री सरवे सिंह एवं 2.1 गुरदर्शन सिंह वस्त्व मेहर सिंह निवासी-161, ईंबगाह हिल्स, भोपाल।
- (अन्तरक) 2. श्री मोहन लाल वन्द ईश्वरदासजी निवासी-भोपाल। (अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 174, पुराना नं. 55 का भाग है, ई दाब्राह हिल्स भोपाल में स्थित हैं।

> क्षेत्रप्रिय पन्त सक्षम पाधिकारी सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

त्त्री**ब**ः 10-11-1982

माह्य :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयक हैं कि नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 नवम्बर 1982

निव³श सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3177--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वो मंजिला मेंकान हैं, तथा जो जयप्रकाश वार्ड, कटनी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तिसयों, अर्थात् .---

 श्री प्रभुदास वल्द बाधूमल थावरानी निवासी-जय-प्रकाश वार्ड कटनी

(अन्तरक)

2. श्री गुरदासमल थल्द बाधूमल थावरानी निवासी-जयप्रकाश वार्ड, कटनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दो मंजिला मकान, जयप्रकाश वार्ड, कटनी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 12-11-1982

मोहर :

प्ररूपः आई. टी. एन. एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3178---अतः मुभ्ते, वी. के. बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक ह² और जिसकी सं. म्युनसीपाल्टी नं. 159 है, तथा जो चितावद स्थित साजन नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--

(1) 1. न्नणेश नारायण 2. विजय कुमार पिता भववान दास जी निवासी-184 कालबादेवी रोड, बम्बई, महाराष्ट्र

(अन्तरक)

(2) 1. सुनिल क्मार 2. अरूण क्मार सावरमल जी बेताल अज्ञान पालकर्त्ता सागर मल पिता हर-चंद जी, वे नं. 2 पालनकर्त्ता बनेचंद जी पिता हरक चंदजी, 3. सुरोन्द्र क्मार पिता सम्पत-राम, 4. अजय कुमार पिता उगनचंद जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनसीपाल्टी नं. 159, चितावद स्थित साजन नगर में हा।

वी. के. बरनवाल सक्षम पाधिकारी महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, घौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 17-11-1982

मोहर:

प्ररूप आहू . टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

्र**कार्याज्य_{धा} सहायक आयक**र आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवस्वर 1982

निवाँ शास आर्घ ए. सी /अर्जन/भोपाल/3179—अतः वी. के. बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रुपये से अधिक ह[ै]

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो ग्राम रूदलाय तह. हरदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हरदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन,

30 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री जगदीश आत्मख रामलाल
- 2. श्रीमति सीताबाई बेवा रामलाल निवासी-रूदलाय तह हरवा
- 3 श्रीमिति गुलाब बार्ड पुत्री श्री रामलाल नि. मोनखेडी
- 4. श्रीमती इन्दरवार्ड पुत्री रामलाल नि . सानतलार्ड तह . हरदा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाबबाई पुत्री किशन लाल जाट निवासी-रूवलाग तह. हरदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन' की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त 'स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उकत प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सब होगा, जो उस खब्याव में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 128/1 में से 4.047 हैक 1 ग्राम रूदलाय नं. व. 369 है नं. 26 तह. हरदा जिला होशंगाबाद में स्थित है।

वी. के. बरनवाल निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रीब : 17-11-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आहर्र. टी. एन . एस . - - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 नवम्बर 1982

निद्देशि सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3180--अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 174 बी है तथा को इंबगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक सां अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

श्री हरमीतिसिंह पूत्र सरवार मेहर सिंह द्वारा मू. आम कुलदीप सिंह पूत्र सरदार सिंह निवासी-161 इंदगाह हिल्स, भोपाल, 2. स्वर्शन सिंह पूत्र सरदार मेहर सिंह निवासी-161 ईंदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नरोन्द्र करि परनी प्रीतम सिंह निवासी-ई. 3/68 अरोरा कालोनी, भोपाल । (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं. 174 बीं. ईंदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित हैं।

विषिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आयकार आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, भौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---3--386GI/82

तारीख : 11-11-1982

मोहार 🖫

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस०----

न्नायकर प्रधितिष्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के पधोन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निद^रश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3181--अतः मुफ्ते, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के श्रधीन मञ्जन श्राधिकारी को, यह विश्वाम अरमे का कारण है विस्थान सम्पति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- २० में श्रधिक है

और जिसकी सं भूमि सं नं 3/1,3/2,4/1 हैं, तथा जो ग्राम बामगढ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मार्च 1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दृश्यनान प्रतिका से, ऐने वृश्यनान प्रतिकल का परमह प्रतिकत से प्रक्रिंग है भीर प्रश्तरक (प्रग्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिकल, निम्नानिवित उद्देश से उन्त प्रस्तरण सिक्षित में बास्तरिक कर में हथित नहीं किया गया है। ---

- (क) प्रन्तरण मे हुई किसी आप की बाबत उकत ध्विधिनियम के सदीन कर देने के सक्तरक के दायित्व में कमी करने था सससे बचने में सुविधा के लिए; श्वीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या वन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमसी जसोविवार्च पति अंबाराम खाती नि. बालगढ़ सह. देवास ।

(अन्तरक)

2. रामकृष्ण लेंड एंड फायनांस कंपनी दोवास म प्र. तरफें पार्टनर तिलाकेचंद उत्तमचंद गुजराथी नि.-सुभाष चौंक, दोवास ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस मूरा के राजरत में प्रकाशन की तारी वा से 45 बिन की अविध में तत्त्वस्थानी स्पित्तियों पर सूचना की तामील हे 30 बिन की सबिस, जो भी व अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति हारा,
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारोच गे 45 दिन के भीतर अक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया ही।

अनुसूची

भूमि सः नं . 3/1,3/2,4/1 ग्राम बालगढ़ में स्थित हैं।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 11-11-1982

मोहर ः

प्ररूप बाइ ं. टी. एन्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन र्जन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निद^{*}श सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3182--अतः मुभ्के, व विश्रिय पन्त,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक ह²

और जिसकी सं. भूमि सर्वों नं. 6,9/9,9/2 ही, तथा जो ग्राम बालगढ़ में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबल, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुविधा के लिए;

 श्री सिद्धार्थ पिता कन्ह यालाल खाती नि:-बालगढ़ तह. य जिला देवास ।

(अन्तरक)

 रामकृष्ण लेंड एंड फायनांस कंपनी देवास म. प्र. तरफे पार्टन्र तिलोकचंद उत्समचंद गुजराथी नि.-सुभाष चौंक, देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हु ।

अनुसूची

षमीन सर्वें नं. 6,9/1,9/2, ग्राम बालगढ़ में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, खौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाळ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसूरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निमनीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीब : 11-11-1982

मोहरु 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, भोपाल

भौपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3183--अतः मुभ्के, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन संश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि हथावर संगल्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं न 273/3 है, तथा जो ग्राम बावड़या में स्थित है (और इससे उपाबब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 23 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त्विक का ने किया नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिक्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या धनकर घिषिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुधिधा के लिए।

1 . 1 . हीरा लाल

2. अवाराम पुत्रगण बांदाजी गारी

 देवकरण पिता बापू अज्ञान तरफे पालक माता भंवरबाई विधवा बापू नारी समस्त निवासी-शांतिपूरा देवास ।

(अन्तरक)

2. अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यापित बैंक नोट प्रेस देवास पंजीयन कमांक स प द रे 390 द्वारा बुध्यक्ष आमकुमार व्यास नि - बैंक नोट प्रेस देवास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रश्नंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, थो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील खैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि सर्वे नं. 273/3, ग्राम बावझाया में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अंग, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील : 17-11-1982 मोहरु प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3184--अतः मुझे, देविप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. म्यू. गृह क. 31 है, तथा जो हीरामल राष्ट्र, उज्जीन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !:----

- 1. १. श्री शांतिलाल शाह आत्मज श्री सङ्कलाल शाह निवासी-फ्रीगज, उज्जैन ।
 - 2 संजय
 - 3 नीरज
 - मिहिर अवयस्क पुत्रगण श्री गुणवंत अध्यापक सरपरस्त एवं पालनकर्ता माता श्रीमती दिव्यावेन, निवासीगण माधवनगर, उज्जैन। (अन्तरक)

2. 1. श्री कोशारीमल आत्मज श्री कन्हैयालालजी

2. बाबूलाल आत्मज श्री केशरीमलजी खंडलेवाल, निवासी-29 बेगमपुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पार सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यु. गृह का. 31 जिसमां फॉक्टरी थांड और फॉक्टरी कम्माउण्ड बने हुए हाँ, जिसका निर्मित क्षेत्र 192.78 वर्ग-मीटर तथा कम्पाउण्ड क्षेत्र 1897.53 होकर, जिसका कुल क्षेत्रफल 2090.31 वर्गमीटर हाँ। हीरामल रोड, उज्जैन में स्थित हाँ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, **चौथी** मन्जिल, टी. ट<u>ी.</u> नगर, भोपाल

तारीख : 11-11-1982

भाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भांपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3185~~ अतः मुझो, दोवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / -रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि ख. नं 1163,1164 है, तथा जो ग्राम टिकारी तह. बैतूल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बैतुल मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मार्च, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एंसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और्/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

 श्री जवाहर बल्द रतीलाल गुजराती निवासी-बेत्ल।

(अन्तरक)

- 2. 1.श्री पन्नालाल वल्द रामलाल गांथवाल
 - 2. भवरचंद 3. अभय कुमार वल्द दीपचंद गर्ग
 - 4 मू . ग्यारसी बाई जौजे भवरचंव गर्ग
 - 5 सुभाषचंद 6. राजेश कुमार
 - प्रवीण कुमार वल्द भवरचंद गर्ग निवासी-बैतूलगंज तह. बैतूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि खं. नं. 1463,1164, ग्राम टिकारी सह. व जिला बैतूल में स्थित हैं।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकोर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीस : 11-11-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आई. ए. मी./अर्जन/भोपाल/3186---अतः मुझे, देविप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 29 है, तथा जो मालवीय नगर, त्यू मार्केट, भोपाल में स्थित है (और इसमे उपा- बच्च अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती कीवशी दोवी खादीवाला पत्नी श्री कन्ह, यालालजी निवागी-जेल रोड, भोपाल।

(अन्तरक)

 श्रीमती गीता बांगड़े पत्नी गांजिन्दरामजी निवासी-29 मालवीय नगर, भोगाल।

(अन्तरिती)

को यह समना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसची

्ष्लाट नं. 29 व उस पर निर्मित बुकान, मालवीयं नगर, भोपाल में स्थित हैं।

> देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री विलिंडग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रील : 11-11-1982

मोहर 💠

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्दोश सं आर्इ ए. सी /अर्जन/भोपाल/3187--अतः मुभ्ने, बोवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परतात् 'उत्तत प्रधिनियम' कहा गता है ।, की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिम बाजार मृत्य 25,000, प• से सक्षिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 13, स. नं. 1014/43, 1015/ 1 है, तथा जो जयप्रकाश वार्ड, कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मह्य से कम के वृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आमकर भ्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधितियम, या धन-कर भ्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री प्रभुवास कल्द नाधूमल सिन्धी, नि.-जयप्रकाश वार्ड, नई आबादी, कटनी।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश लाल वल्द शोभराजमल सिन्धी, निवासी-गुरूनानक वार्ड, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरितृको अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्र पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्लाट नं '13, स. नं : 1014/43, 1015/1, नर्द आबादी, जयप्रकाश वार्ड, कटनी में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, **पांधी मन्जि**ल, टी टी. नगर, भोपान

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीब : 12-11-1982

मोहर:

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-खु (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निदर्भेश स. आई ए. सी /अर्जन/भोपाल/3188—अत मुफ्ते, दोवप्रिय पन्त,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी स मकान है, तथा जो गिलया दाई का मोहल्ला, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 31 मार्च 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दशयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिचित में बास्त-विक क्य ते सिधत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की नावत उक्त निध-किनव के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए; जौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, ध्वन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

1 श्रीकान्सीस्वरूप जैन आस्मजश्री बाब्राम जैन निवासी-शीतलामाताकाबाजार, इवरिं। (अन्तरक) 2 श्रीचन्द्रकातजीजैन आस्मजश्रीकान्तीस्वरूप जैन

श्री चन्द्रकातजी जैन आत्मज श्री कान्ती स्वरूप जैन निवासी-गुलिया दाई का मोहल्ला, ललवानी प्रेस के सामने, भोपाल ।

(अғ्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सपित्त के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

एक तीन मजिला मकान, गुलिया वाई का मोहल्ला, ललवानी प्रेस के सामने, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी टी नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4---386GI/82

तारीख 11-11-1982 मोहर: प्ररूप भार्ष. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्दाण सं आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3189--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बालिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 39 है, तथा जो गोनिन्द गार्डन, रायसेन रांड, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 मार्च 1982

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अपरारिधियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्मिनिसित उद्योग्य में उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के वनुसरण मैं, भी, उक्त सभिनियम की भारा 259-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- श्री सतीश कुमार पुत्र ओं कार नाथ ब्वाय मु. श्राम सूरेश कुमार पुत्र ओं कार नाथ, भोपाल। (अन्तरक)
- 2. 1. रमेश कुमार
 - सुरोग कुमार पृत्रगण आंकार नाथ निवासी-चार इमली, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त उम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनीभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रांचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूषी

एक किता प्लाट नं. 39, गोविन्द गार्डन, रायसेन रोड, भोपाल में स्थित हैं।

> देयेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 11-11-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद^{क्}श सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3190--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 15, खं नं 1014/43,1015 है, तथा जो जयप्रकाश वार्ड, बटनी में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यिणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रिजस्ट्री-करण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मार्च 1982 को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एसे एश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात अधिक हैं और अंतरिक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नम्नलखत उद्देश्य से उक्त अन्तरणि लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौद्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के सभीन, निम्नतिवित अपिक्तिमुं, सर्थात्ः— 1. श्री प्रभुदास वल्द बाधूमल सिन्धी निपासी-जयप्रकाश वार्ड, नई आबादी, कटनी ।

(अन्तरक)

 श्री ब्रजलाल वल्द शोभराजमल सिन्धी निकासी-गुरू-नानक वार्ड, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बाधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्तर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगी।

स्पब्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 15, ख. नं. 1014/43,1015, नर्ह आबावी, जयप्रकाश वार्ड, कटनी में स्थित \mathbf{g}^4 ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयहर (निरक्षिण) अर्जन र्जज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 12-11-1982

मोहारु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदर्भेश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3191---अत मुभ्के, क्षेत्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,0007-रा. से आवक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 14, खं. नं. 1014/43,1015 है, तथा जो जयप्रकाश बार्ड, कटनी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सारण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री प्रभुदास बल्द बाधूमल सिन्धी निवासी-जय प्रकाश वार्ड, नई आबादी, कटनी ।

(अन्तरक)

2. श्री परमानन्द वल्द शाभाराजमल सिन्धी निवासी-गुरू नानक वार्ड, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के संजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गंजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिखित्त में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 14, स्व. नं. 1014/43,1015, नर्क आजावी, जयप्रकाश वार्ज, कटारी में स्थित हैं।

विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रीब : 12-11-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निवर्षेश स. आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3192--अंतः मभ्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. म न 24/864 हैं, तथा जो लक्कर, ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपाबत्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक स्तं अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्विक सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- . अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. रामचन्द्र राव पूत्र स्व. सरदार विस्वकः राव
 - 2. श्री मानसिंह राव पुत्र-सदीव-
- श्री उदयसिंह राव प्त्र-तदौव नि. बाई साहब की परेड़, लक्कर, ग्वालियर
 - 4 श्रीमती मृद्ता राजा भोसले विधवा स्व. राजा साहब जससिंह राव भोसले नि -1094, माड'ल कालोनी, पूना (महा.)
 - 5. श्री सो. लक्ष्मीदोवी वायस पत्नी श्री बशवंत सिंह बायस, निवासी—उज्जीन ।

(अन्तरक)

2. श्री गणपतराम प्त्र श्री लाला झागीराम अरोरा निवासी—फालके बाजार, हनुमान नगर, लक्कर ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों प्रस्मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

काम सं

मकान नं 24/864, डिलाइट टाकीज के पास, नई सड़क, लक्कर, ग्वालिगर में स्थित है।

देवेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकार आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रीख : 10-11-1982

मोहर् 🔏

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निवर्षा सं. आर्ष: ए. सी./अर्जन/भोपाल/3193--अत: मुभ्ते, देविप्रिय पन्त, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसको सं. भूमि खं. नं. 78 है, तथा ओ ग्राम अगारिया चीपड़ा, जिला रायसेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी के कार्यालय, रायसेन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्रीमती उषा कप्र पत्नी श्री यशवंत सिंह कप्र निवासी-3/9 एम . ए . सिटी कालेक, भोपात । (अन्तरक)
- 1. श्री भोपाल सिंह पृत्र राजा राम
 सलेक चंद जैन पृत्र हुक मचंद जैन, निवासी--दोनों - आनंद नगर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि स. नं. 78, ग्राम अगारिया जीपज़ा, तह. रायसेन में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रीब : 11-11-1982

मोहर 🕄

प्रकप बाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निवर्षेश सं. आर्षः ए. सी. /अर्जन/भोपाल/3194——अतः: मुफ्ते, वोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि खं. नं. 79 है, तथा जो ग्राम अगाया भीपड़ा, तह. रायसन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, रायसन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 मार्च 1982

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री जार्ज होनरी बेन्डर हार्झ जन पुत्र श्री नेसतर बेन्डर निवासी - बैरिसिया रोड़, भोपाल द्वारा मू. आम हीने की हीसियत से डाक्टर यशवंत कप्र 3/9 एम. ए. सिटी कालेज, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री हुकुमचंद् जैन पुत्र श्री धरम सिंह व मुन्नी देवी बेबा रहतुमल जैन, निवासी-आनंद नगर, भोपाल ।} (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स. नं. 7.9, ग्राम अगारिया चौपड़ा, तह. रायसेन में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारी**च**ः 11-11-1982

मोहरः।

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस.---

जासभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदर्भेश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3195--अतः मुभी, दोवप्रिय पन्त,

धायकर प्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- ६पथे से प्रधिक है

और जिसकी सं . सर्वों नं . 7/1,21 है, तथा जो ग्राम सलैया पहरहाई में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31 मार्च 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के उत्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत धिक है धीर अन्तरिक (अन्तरिकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्त- विकल से के बिक से के बिक नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत उक्त अधि-नियम के सजीन कर वेने के सन्तरक के बाबिस्त में कमी करने या शक्त सचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को सुधीन, निम्नुजिधित स्विकत्यों, अर्थित :-- । श्री-लाला दीवानचंद ट्रस्टो दीक्षान <mark>निवास, 2, जैन</mark> मदिर रोड, न**ई** दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स एस. एन. संडरसन (मिनिरल्स्) लिमिटोड । दोशबन्धु गुप्ता रोड, नई विल्ली-110055। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विक को भीतर उपक स्थावर संपर्तित में हित्ववृष्ट किसी अन्य व्यक्ति वृशारा अभोहस्ताकारी के पास दिलाखा में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

ग्राम सलैया पहरहाई, तहसील मुखारा में स्थित निर्मित संपत्ति जिसका सर्वों नं . खसरा नं . 7/1,21 है। अन्तरिती की ओर में सत्यापित फार्म नं . 37-जी के अनुमार इस संपत्ति में भूमि के अतिरिक्त भवन कार्यालय व स्टाफ क्वाटर्स, गांदाम, क्ए, लेबर क्वाटर्स व किल्ल्स है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विव-रण अंतरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं . 37-जी में निहित है।

दैवेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीब : 12-11-1982

मोहरु 🛭

प्रसप धाई•टी•एन•एस•--

न्नायकर यिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवर्षेश सं आर्घः ए. सी /अर्जन/भोपाल/3196--अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से श्रधिक है

और जिसकी सं. सम्परित है, तथा जो वार्ड नं. 11 एवं 13 मैहर, तह. मैहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्स्य, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 मार्च 1982

का 16) के अधान, 31 माच 1982 को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भाषिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफत का देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में बास्तविक कृत से कृषित वश्ची किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पिंध-नियम के सभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उक्षसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या ग्रन कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाय ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री लाला दीवान चंद ट्रस्ट, दीवान निवास, 2, जैन मंदिर रोड, नई दिली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एस. एन. संडरसन (मिनिरल्स) 1, देशवंधी गुप्ता रोड, नद्दे दिल्ली-110055।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी प्रन्य स्थित द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी हरण: ---इनमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रवित्यम के भ्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्परित (बिल्ट अप) वार्ड नं 11 एवं 13 मेहर, तह मेहर, जिला-सतना में स्थित है। फार्म नं 37-जी में निहित सूचना के अनुसार इस सम्परित में भूमि के अतिरिक्त भवन है जैसे गेस्ट हाउस, सर्वेन्ट्स क्वार्ट्स, निवास, दो कूप, फौक्टरी मय गोदाम, कार्यालय वर्काशप, स्टोर्म आदि। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण अंतरिती की ओर से सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षान प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5---386GI/82

तारीख : 12-11-1982

मोहर:

प्ररूप आई, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 नवम्बर 1982

निदर्भा सं आई. ए. सी /अर्जन/भोपाल/3197--अत: मुभ्ने, विविप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे ख. नं. 113/1,114/1 है, तथा जो मझगवन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक) अंतरकों (और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उददेश्यों से उक्त अंतरण लिखिया मे वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम प्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

 श्री लाला दिवान चंद ट्रस्ट, दीतान निवास, 2, जैन मंदिर रोड, नई दिली।

(अन्तरक)

 मैसर्स एस. एन. सडरसन (मिनिरल्स्) लिमिदेड 1, देशबंधू गुप्ता रोड, नई दिल्ली-110055। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हैं के किसी
- (क) इस मूचना के राष्ट्रा में प्रकाशन की तारील से 45 वि भीता अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्ध कि अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकारी।

स्पर्दाक्तरण — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बिल्ट अप संपत्ति ग्राम मक्ष्मगवन, तह. रघुराज नगर, जिला-सतना में स्थित हैं। सबी लसरा नं 113/1, 114/1 फार्म नं 37-जी मी निहित्त मूचना की अनुसार इस संपत्ति में भूमि की अतिरिक्त, भवन व स्ट्रक्चर्स यथा कार्यालय, लेबर क्वार्टर्स, गोदाम चार किल्न्स आदि है। यह वह स्थावर संपत्ति हैं जिसका विवरण अंतरिती की और में सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज, भोपाल गंगोत्री विस्तिया, चौथी मंजिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 12-11-1982

मोहार:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदर्शिसं अर्धि ए. सी./अर्जन/भोपाल/3198---अराः मभ्रे. दोवप्रिय पन्त. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी स_ुफील्ड नं 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/2, 573/3 एवं 588/ । है, तथा जो विदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनू-राची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), र जिस्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्ब्ह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, 4 मार्च 1982

को पूर्वीक्त मम्पित्त के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंग अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यो से उक्त अन्तरण लिखिल मे वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कं लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकार अक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न्हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान मे स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री होमन्त कामार उर्फा बक्रीप्रसाद पुत्र बृह्मदत्त पंसारी निवासी--95 ताम्बाकाटा, वम्बर्ध। (अन्सरक)
- श्री ओमप्रकाश पुत्र मुझीलाल अरांरा एव अन्य निवासी--2 इन्डस्ट्रीयल स्टेट, विविधा। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेग ।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

अमुसुची

भूमि जिसके पुराने नंबर 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/2, 572/3 एवं 588/ 1, में है और जो जिदिशा में स्थित है। यह वह स्थायर सम्परित है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37-जी. में निहित हैं। फार्मन 37-जी. में र्निहत स्चना के अनसार यह स्थावर संपत्ति चिदिशा में बलकटर के कार्यात्य के निकट स्थित हैं। सब-रजिस्ट्रार बम्बई प्रस्तुत फार्म नंबर 37-एच. में निहित सूचना के अनुसार इस स्थावर संपत्ति के अन्तरण से संबंधित डाक्युमेट, सब-रॉजिस्ट्रार बम्बई के कार्यालय मे पंजीकृत हुआ है।

> क्षेत्रप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्कत (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल गंगांत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 12-11-1982

मोहर:

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 नवम्बर 1982

निदंश स. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3199—अतः मुझं, वी. के. बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी स कार्पोरंशन न. 35 एवं 36, मकान का अश हैं, तथा जो सराफा वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिरही-

ह, तथा जा सराफा वाड, जबलपुर म स्थित ह (जार इसस उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजरट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 मार्च 1982 को पूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्सरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् .--

- श्री अब्बास ह्सैन, मोहम्मद ह्सैन शब्बीर ह्सैन पुत्रगण एवं श्रीमती मै मुनाबाई विधवा पत्नी स्व. अब्दाल कादर आफ मउजगंज वार्ड, धमोह। (अन्तरक)
- श्रीमती राधादोवी पत्नी श्री रामगोपाल अग्रवाल 192, कातवाली वार्ड, जबलपूर ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इममे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो , उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर निगम मो स्थित मकान नं. 35 एवं 36 का भाग जो सराफा वार्ड, जबलपूर मो स्थित हैं और नजूल प्लाट नं. $89_{,1}$ ब्लाक नं. $48_{,1}$ सराफा वार्ड, जबलपूर मो निर्मित किया गया है।

बी. के. बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चांथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख 17-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्दाश मं. आर्द्दः ए. सी./अर्जन/भोपाल/3200---अतः मुझे, बी. के. बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स. कार्पोरोशन न 35 एवं 36 सकान का भाग है, तथा जो सराफा वार्ड, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्गणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अंतिगतियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः— श्री अस्त्रास ह्र्सैन मोहम्मद ह्र्सैन, शब्बीर ह्र्सैन पुत्रगण एव श्रीमती मेमूना बाई विधवा पत्नी स्व. श्री अब्दुल कादर आफ मउन्नंज, दमोह।

(अन्तरक)

 श्रीमती सूमित्रा देवी पत्नी श्री रामनारायण अग्रवाल का मकान नं. 35/36, सराफा वार्ड, जबलपूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 धिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

नगर निगम में स्थित मकान न . 35,36 का भाग जो सराफा वार्ड जबलपुर में स्थित हु और नजूल प्लाट न . 89, ब्लाक न . 48 सराफा बार्ड , जबलपुर में निर्मित किया गया है ।

वी. के. बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाज

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन .र्स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्दोश सं आई. ए. सी /अर्जन/भोपाल/3201--अतः मुझो, बी को बरनवाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुक्त से अधिक ह^{*} और जिसको म प्लाट नं. 3/1 है, तथा जो सिविल स्टोशन वार्ड, रायप्र मो स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्या-लय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 मार्च 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया :---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री शक्ति प्रसाद राय एवं अन्य, पिता श्री रिवन्द्र प्रसाद राय, निवासी—सिविल लाइन्स, रायप्र।
- 2. मार्डन सहकारी गृह निर्माण संस्थान समिति, रायप्र। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्बो और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं. 18, प्लाट नं. 3/1, सिविल स्टोशन वार्ड, रायप्र में स्थित हैं।

वी. के. बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टी. टो. नगर, भोपाल

ता**रीख**ः 17-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन . एम ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 तवम्बर 1982

आई. ए सी./अर्जन भोषारा/3202--अतः मुझे, वी. के. बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने आ कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित जाजार मल्य 25,000/- रत. मे अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क 2069/1 है, तथा जो विदिशा मो स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्मृष्टी मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा म , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) हो

अधीन, मार्च 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िक्वास करने का कारण है कि यथाएवें किए संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियो) के बीच एंसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उद्श अन्तरण निषित में वास्तियक रूप में किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने टर्ड अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भे सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थातु: ---

श्री सीताराम पत्र काशीराम सैना निवासी-लाहा बाजार, विदिशा।

(अन्तरक)

श्री राकेश कमार पत्र श्री मृलचंदजी जैन निवासी-अन्दरं किलां, विदिशा।

(अन्त**िरती**)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स्य) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

भूमि क्रमांक 2069/1 कम्बा विदिशा में स्थित हैं।

वी. के बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रीज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी टी. नगर, भोपाल

तारील : 17-11-1982 मोहर:

प्ररूप आईं.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निदर्भेश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3203---अतः मुझे, वी. के. बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पक्चातू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है। और जिसकी सं भूमि कमांक 2069/1 है, तथा जो विदिशा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम 20 मार्च, 1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्पास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित । आर मल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल की पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उदत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने मे स्विथा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सीताराम पुत्र श्री काशीराम निवासी-लाहा बाजार, विदिशा।

(अन्तरक)

 श्री राजन्द्र कामार पुत्र श्री मूलचंदजी जैन निवासी-किले अन्दर, विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 2069/1 कस्बा विदिशा मे स्थित है।

थी. के. बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोंत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारी**स** : 17-11-1982

भोहर :

प्ररूप आह^र.टा.एन.एस. --- -------आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जगर्गज, भाषाल

भोपाल, दिनाक 17 नवम्बर 1982

निर्दाश में आर्ह ए. सी./अर्जन/भाषाल/3204--अत मुझे, बी के बरनवाल, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित राजार मुख्य 25,000/- रू.. सं अधिक **ह**ै और जिसको स भूमि कमाक 2069/1 है, तथा जा विदिशा में स्थित हैं (और इसम उपाबद्ध अन्सवी में और पर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील 24 मार्च, 1982 को पूर्वीवन संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहीं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वाकत संपत्ति का उत्ति बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमप्न प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिदान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) केबीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गरा है :--

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरो नचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—386GI/82

 श्री सीताराम पृत्र श्री काशीराम मेगा निवासी-लाहा वाजार, विदिशा।

(अन्तरक)

 श्री पुरुषोत्तमलाल पुत्र श्री विरधरीलाल अरांता। निवासी-गुरू नानक कालांनी, विदिष्ण। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुटारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्त स्थातर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भीम क्रमांक 2069/1, कम्बा विदिशा में स्थित हैं।

वी. के. बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिलिंडग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख 17-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वन (निरीक्षण) अर्जन रंज, भाषाल

भोपाल, दिनाक 18 नवस्वर 1987

निर्देश सं. आई ए सी /अर्जन/भोपाल/3205--अत मूझे, बी. के बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें: इसके परचात 'उद्भत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्हास करने का <mark>कारण है</mark> कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित दाजार प्रत्य

25,000 ∕- रुः. से अधिक हैं

आरे जिसकी मं भृति का 128/1 ही, तथा जो ग्राम रूबलाय मं स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसन्धी मा और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, हरदा मं", रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 30 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से इतम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उत्तित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान पनिकाल के पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एंमे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उद्धा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गरा है ---

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आय की ब्रानस, उल्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण , मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. श्री जगदीश शात्मा रामलान
 - 2. श्रीमती सीताबाई वया रामलाल निवासी-रूबनाय
 - ग्लावबाई पृत्री रामलाल जाट निवासी-मानवंडी
 - श्रीमती सुन्दरबाई पृत्री रामलाल जाट निवासी-सानलवाई तह. हरदा।

(अन्तरक)

मनोज कमार नाबा बल्द रामविलास बली मां सी रोवाबाई पत्नी रामविलास जाट. निवासी-स्दलाय तह हरवा।

(अन्तरिका)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्तु शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भृमि का 128/1, ग्राम स्दलाय, तह हरदा में स्थित

बी के. बरनदाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण) अर्जन रंज, भापाल गगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नाराख : 18-11-1982 मोहर:

प्ररूप आईंटी.एन.एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

भाषाल, दिनाक 18 नवम्बर 1982

निदांश स आई ए सी / अर्जन/भोपाल/3206--अत मूझ, बी के बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/-रु स आधिक हैं। और जिसकी स. भूमि ख न. 145/1 है तथा जा ग्राम म्दलाय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुगृची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 30 मार्च, 1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याकत संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृष्यभान प्रतिकल म एस दृष्यभाग प्रतिकल के पन्दह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिविक रूप स किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उसम बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निषितित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गणंश आत्मज शिवराम निवासी-स्वलाय, तह, हरदा जिला होशगाबाद।

(अन्तरक)

2 शी कीताश आस्मज उगराजी निवासी-स्वलाय, तह् हरदा, जिला-हाशगाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्न नं. 145/1 में से 8.097 हैंक्टोयर, ग्राम स्दलाय, तह. हरदा, जिला होशगाबाद में स्थित हैं।

> वी ं के बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोषाल गगावी विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भाषाल

तारील 18-11-1982 माहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ं अर्जन र्ज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदंश न. ए. पी. नं. 3626—अतः म्भे, जे. एल. गिरथर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकांट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

(1908 को 16) क अधान, तारास माच 1982 को पूर्वीयत संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीयत संपरित का उनित बाजार मूल्य, उन्मकें दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अनतरक (अन्तरको) और अनतरिती (अन्तरितियों) के बीच के एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य में उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनीयम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— श्रीमती आजावन्ती विधवा श्री वलैती राम बासी भगवन्ती निवास मोगा रोड, कोटकपूरा।

(अन्तरक)

- 2. श्री असिवन्दर कौर पूत्री श्री अजमेर सिंह प्रौजीडॉट म्यूनिसीपल कामिटी कोटकपूरा और टीनू पृत्र जा. रामेश कटारिया वासी बांसल स्ट्रीट कोटकपुरा। (अन्तरिती)
- 3. जैमा उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनको बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितंबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हों।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तार्गित मा 45 दिन की अवधि या तस्मवधी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जादी मां भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वत व्यक्तियों मो स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनसची

र्व्याक्त तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न . 1 दिनांक भार्च 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोटकपूरा ने लिखा ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारी**ब** : 2-12-1982

प्ररूप आई.टी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

हार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (गिरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, 10 नवम्बर 1982

निवाश नं. 3490—अतः मुभी, जो. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचं की अनुसूचि में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

का पूर्वीक्त सर्पात्त के उचिन बाजार मूल्य में क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तर्कों) और अनतिरती (अन्तरितियों) के बीच के एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण म हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तयो, अर्थीत् —-

- श्रीमती पार्वती विधवा श्री लालचन्द, श्री हाकम राय, मृप्त्र श्री लाल चन्द और श्रीमती प्रकाश रानी प्त्र श्री लालचन्द्र वासी गली नं . 15 मण्डी अबाहर। (अन्तरक)
- 2. श्री जगवीश चन्द्र स्पूत्र श्री नत्य राम वासी मकान नं. 2058 एम. सी. ए. गली नं. 15, मण्डी अबोहर ।

(अन्तरिती)

- अौर कि उपरोक्त नं 2 में लिखा है।
 और श्री अक्षय क्मार सप्त्र श्री बद प्रकाश वासी गली नं 11 अबाहर।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध मा क्रांड भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूनना की तामील स' 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीतन भा हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्कत

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उत्तम अधाय में दिया गया हैं।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं. 4084 विनांक मार्च 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा हैं।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 10-11-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, 30 अक्तूबर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3491—अतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 - रु. से अधिक हो

और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सें वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अनतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री शामलाल पुत्र श्री राम कवार वासी गली नं.
 मंडी अबाहर ।

(अन्तरक)

- 2. श्री रकेश कुमार पुत्र श्री हरबन्स लाल वासी गली नं 3, मकान नं 1062, अबोहर (अन्तरिती)
- उनैसा कि उज्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपास के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्सवती व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपितित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उत्थत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा जो उत्त अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 245 दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजिस्ट्रोक्ति अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-10-1982

मोहरः

परूप आर्थ टो एन एम --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्न (निरोक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्थर, 30 अक्तूबर 1982

निदेश न ए पी न 3492--अत मूक्ते, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की जारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपन्त, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्मूची में लिखा है तथा जो अबाहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में पर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य अबाहर में र्गजस्ट्रीतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अपीत 1082

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित जानार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच के एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बातस, उप्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में सविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियो, अर्थात् —

 श्री शाम लाल पत्र श्री राम कवार वासी गली न 5, मण्डी अबाहर ।

(अन्तरक)

2 श्री वया नन्द पत्र श्री रमेशवर दास वासी गली न 3, कृष्णा नगरी, अबोहर ।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उत्परन 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जा व्यक्ति सम्पत्ति म रूचि रसता है (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सपहित के अर्जन के िनाम कार्यवाहिया करता ह*ू*।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूबोकत व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपितर मा हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और गदो का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अनाय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 310 दिनाक अप्रैल, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे एल गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारी**ख** 30-10-1982 मोहर प्ररूप आहे. टा.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

जालन्धर, 30 अक्स्बर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं 3494---यनः मुभ्ते, जे. एल गिरधरः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फाजिलका में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिलका में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस अप्रैल 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्तों के संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, रास्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधितियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियस, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग को, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् .--

 श्री राम लाल प्रा श्री भगतान भिंह ासी फाजिलका (द्वारा श्री हरजीत सिंह प्त्र संतोख सिंह वासी फाजिलका)

(अन्तरक)

- 2. श्री राज कामार पृत्र सद्यालाल वासी फाजिलका।
- जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मा रूचि रसता है (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबष्ध है).

को यह मृचना जारी करको पूर्विक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**्**।

उक्त सपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवशी त्यितिनारों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुइारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर संपतित में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पन्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं. 402 दिनांक अप्रैल 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका में लिखा है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीव : 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालनभर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निविश नं ए. पी. नं 3502--यतः म्भी, जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत्पए से अधिक है। और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची मे लिखा है तथा जो वरीजाना में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के.अधीन, मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतु-रिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट्न नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

भत अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--7-386 GI/86

- श्री मलिक्यात सिंह, ईन्बर जीत सिंह सप्त्र सूरत सिंह वासी गांव वरीआना तहसील जालन्धर मूसितयार आम राज क्मारी प्त्री श्री सूरज सिंह (अन्तरक)
- मैसर्ज भारत कौमिकलम और मन्-फौकंचरिंग वर्कस 383 न्यू जवाहर नगर जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकेटणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

सम्पत्ति जमीन 4 कनाल जो गांव वरीआना में स्थित है जैसा कि विलख नं० 7952 दिनौंक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जुन रोज, जालन्धर

ता्रीख : 4-11-1982

प्ररूप आइं. टी. एन्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निवंश नं ए. पी. नं 3503—यतः मुभ्ने, जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार म्ल्य

25,000/- रत. से अधिक हैं

25,000 न रा. स जायपा हु और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा हु तथा जो मक्सूदपुर में स्थित हु (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हु), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक ख्रुप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री शंकर दास पृत्र अन्तरा सिंह द्वारा जोगिन्द्रपाल अनरल अटोरेनी गांव बलन्दप्र तहसील जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी हरवन्स सिंह मं. नं. 10 मुहल्ला नं. 7 जालन्धर कौन्ट । सतिन्द्र अरोड़ा प्त्र सिलक राज 55/आई. ए. ओल्ड जवाहर नगर जालन्धर और राम गोपाल प्त्र शाम लाल मं. नं. 10 मुहल्ला नं. 7 जालन्धर कौन्ट और दीवार सिंह प्त्र नरेश सिंह 52/ चीमा नगर, जालन्धर ।

3. औसा कि उपरोक्त नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आं व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल 12 मरले जो गांव मक्सूदप्र में स्थित है जैसा कि विलेख नं 7341 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिर**धर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन र्जे, जालन्धर

नारीख : 4-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निदंश नं ुषु पी. नं 3504--यतः मुक्ते, जे एल ु

गिर्धरु,, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संख्य जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो

और जिसकी संख्य जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मिलपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

16) के अधीन, तारीख मार्च 1982 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल् से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से जकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री पुरण सिंह पुत्र प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह वासी गांव मिळपुर तहसील जालन्थर ।

(अन्तरक)

2. दी पंजाबी बाग हाऊस बिलडिंग कोपी रोटिव सांसायटी लि. द्वारा श्री मोहिन्द्र सिंह सक्तेटरी, 496, सूरज गंज, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त नं 2 में तिला है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरीं
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्परित जमीन 1 कनाल 9 मरले जो मिठापूर में स्थित हैं जैसा कि विलेख नं 7480 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालन्धर

ता**रील** : 4-11-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3505---यतः म्फ्रे, जे. एत. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिमे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मिठापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मं सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- 1. श्री सोहन सिंह पुत्र प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह गांव मिळपुर तहसील, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी पंजीबी बाग हाउस बिलडिंग सोसायटी लि. लिमिटडें द्वारा श्री मेहिन्द्र सिंह मक्टेरी 496, सूरज गंज जालन्थर ।

(अन्तिरिती)

- 3. जैसा कि उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई आंक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्परित जमीन 2 कनाल 13 मरले जो गांव मिळप्र में स्थित हैं ज़ैसा कि विलेख न 7481 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 4-11-1982

प्ररूप आई टी एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निद्येश नं ए पी न 3506--यत मुक्ते, जे एल गिरधर. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अनसची में लिखा है तथा जो मिळापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल मे, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

- 1. श्री स्वर्ण सिंह पृत्र प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह बार्सा गांव मिठापुर तहसील जालन्धर । (अन्तरक)
- 2 दी पजाबी बाग हाउन्तर बिल्डिंग सोसायटी लि. दुवारा श्री मोहिन्द्र सिंह सकर टेरी 496 सूरज गंज जाल्बन्धर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जां व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्तुची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल, 14 मरले जो गांव मिठापूर मो स्थित है जैसा कि विलेख नं 7482 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराँ (1) के अभीनं, निम्नलिखित क्यंक्तियो, अर्थात् ---

तारीख : 4-11-1982

मोहर ः

प्रकृष् भार्च . टी . एन . एस . .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

नि**द**ोश नं. ए. पी. नं. 3507—अतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची मा लिखा है तथा जो गांव वरीआना मो स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मो वर्षिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982

16) के अधान, माच, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) करनरण से हुइ. किसी लाय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दासिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को सिए; बाँद/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने मे सृविधा को किए;

बतः अथः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्युनितयों, अधृति :— श्री लाल चन्द एत्र बहूलू राम, वासी 615 माडल टाउनन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. जै भारत ट्रोडिंग, कोपोरोटिंग राईस मिल्स, कप्रथला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी कें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 10 कनाल जो गांव वरीआना में स्थित है जैसा कि विलंख नं. 7795 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1982

प्राक्ष आह. ती एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निदोश न ए पी न 3508--यत म्फे, ज एल गिरधर.

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अन्सूची में निला है तथा जो गाव बरीआना में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च 1982

को पूर्वेक्सि सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक सूप में किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने वा उससे बचने मो सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् '---

1 श्री लालचन्द प्त्र बृहलू राम, वासी 615, माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2 मीमर्सराधा ट्रोडस, कपृत्थला मण्डी।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर न 2 मं लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपित हैं)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदेष् हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह**ू**।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उच्य स्थावाा सपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मपित जमीन 10 कनाल जा गाव गरोआना मा स्थित हो जैसा कि विलेख न 7950 दिनाक मार्च, 1982 का रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया हो।

> जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीस : 4-11-1982

प्रकप शाई• टी॰ एन॰ एस॰⊸--

प्रायकर बंधिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के बंधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्थर जालन्थर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

दिनांक 4 नवस्बर 1982

निविध नं. ए. पी.नं. 3509---यतः मुक्ते, जे. एल.

गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा को गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक अप से कियत नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जुन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविक्षा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, गिस्निलिबिय व्यक्तियों, वर्षात् ह श्री जगत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्थर।

(अन्तरक)

 कोल जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरिदयाल सिंह वासी तोपसाना रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबष्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भोतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा:
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारी ख से 4 व दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढदी करण:---इरां प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों ता, जा जनस श्रष्टि-ंतियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी पर्य होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

संपत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 7302 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जानन्धर में लिखा गया।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 4-11-1982

मोहर :⊦

प्ररूप आर्इ टी एन एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निदश न ए पी न 3510--यत म्भे, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

आर जिसकी स जैसा कि अन्सूची में लिखाहै तथा जा गाव कि गरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया ——

- (ख) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तिया, अर्थात् .—— 8—386GI/82 श्री जगत सिह पुत्र हरी सिंह वासी गांव कि गरा तहसील जालन्थर।

(अन्तरक)

2 श्री कोल जोगिन्द्र सिह प्त्र श्री ग्रिवियाल सिह वासी तोपसाना रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

3 जैसाकि उत्परन 2 में लिखाहै। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगम संपत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

श्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

मनुत्त्वी

सपित जमीन 2 कनाल जो गाव कि गरा में स्थित हैं जैसा कि विलेख न 7342 दिनाक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारील 4-11-1982 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निदंश नं ए. पी. नं . 3511---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं जैमा कि अनुसूची मे लिखा है तथा जो गांव किंगरा मे स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से द्वक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .— श्री जगत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव किंगरा सहसीस जासन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमरजीत कारे पस्नी कोल जोगिन्द्र सिंह, वासी तोपखाना रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवष्थ् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पिस में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं 7303 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता विकारी जालन्धर में लिखा गया।

भे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीख : 4-11-1982

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

विनांक 4 नवम्बर 1982

निवोश नं. ए. पी. नं. 3512--यतः मूर्फे, ज. एल. गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पति फल के लिय अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वाप कर के का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर प्रतिशक्ति अ भ्रष्टिक है और मन्तरक (भ्रन्तरको) भीर भ्रम्तरितं। अन्तरित्य। के बीच ऐसे भ्रन्तरक के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण सिचित में बास्तविक इंग म क्षियन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या छससे बचने में सर्विधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसित्ति व्यक्तियों, सुर्थात् ह

- श्री अगत सिंह पृत्र हरी सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्भर।
 - (अन्सरक) कोल जोगिन्द सिंह वासी
- श्रीमती अमरजीत कार पत्नी कोल जोंगिन्द्र सिंह वासी तोपसाना रोड, पटियाला। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदेश् है)

को यह सूचना जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो म ग्रविध बाद प समाप्त होती हो, के मोतर पूर्वीक व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति होता.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पंप्रकाण को नारीख 45 विने के भीतर उक्त श्याट सम्पत्ति में हितन कियो प्रस्प क्यांकन द्वार हो। स्वरूप र ्यांख में किर जा नहीं

स्वरुती दरण ३—-इ.ना बजुबन गक्ष्या प्रीर रण्का, तो उक्त प्रभा नियम कं प्रध्याप्य २०-कं में रिस्थािका है, इ प्रयोगी तो रर प्रद्यार विद्यागत व

अवस्त्री

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 7343 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, जालन्थर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस : 4-11-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

मायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निद्योश नं. ए. पी. नं. 3513--यतः मुक्ते, जो. एला. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वृत्रने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए धा, ष्टिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अधीत:—-

1. श्री रणबीर सिंह पुत्र बहाबुर सिंह और अमरजीत सिंह, सुरजीस सिंह सपुत्र रणबीर सिंह वासी नकोवर राँड, (नजदीक नकोवर चौंक), जालन्धर। माप्त हरजिन्दर सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौर पत्नी सुखदोब सिंह वासी 23-एल, माडल टाउन्न जालंभर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपक्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितववध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविषय भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविष, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव ख्रला में स्थित ही जैसा कि विलेख नं. 7409 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा गया।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

ता्रीख: 4-11-1982

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निवंश नं. ए. पी. नं. 3514—यतः मूसे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं. जैसा कि अन्मूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरातियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री कुलदीप सिंह, वरिन्द्र सिंह सपुत्र कैपटन अमलोक सिंह गोतरा, वरितश भवन तरुना रोड देहराबून।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण: --- इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अमुसुची

संपत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं 7360 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्रतिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।——

तारीब : 4-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निद्शेष नं. ए. पी. नं. 3515—स्यतः मुभे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उर्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक **है**

और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1982

को प्वंक्ति सम्पिट्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अ्थीत् :——

- श्री हरीपाल सिंह पृत्र उजागर सिंह वासी किंगरा तहसील जालन्धर।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती सुदर्शन पत्नी ब्यास दोव शर्मा वासी गांव दुलहेरा जिला उत्ना।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता ही कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यबाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा किं विलेख नं. 7852 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीकर्ला अधि-कारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 4-11-1982

भोहर :

प्ररूप आहु⁵.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3516—यतः मुभ्डे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो गांव कि गरा में स्थित ही (और इसमें उपायद्य अनुसूची में और पूर्ण क्प से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (१) यन्तरण में हुई जि.मी अ। की बाबस, उक्स अधिरियम के अधीन कर दंगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मृविधा के निए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएाने मा सविदा के लिए;

अतः अब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती दिवन्द्र कार्र कोहली पत्नी मनमोहन सिंह द्वारा मुखितियार-ए-आम, गूरमुख सिंह पुत्र जथा सिंह वासी 15-डी, माडल हाउज्म, जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सूदश भाटिया पत्नी सूरिन्द्र भाटिया वासी 241, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 म लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (श्रह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल 17 मरले को गांव किंगरा में स्थित हैं। जैमा कि विलेख नं 7439 दिनांक मार्च, 1982 को जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जानन्धर, दिनाक 6 नवम्बर 1982

निद्येश नं, ए. पी. नं, 3517---यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से बिधक **ह**ै।

और जिसको स. जैसा कि अनुसुची से लिखा है तथा ओ जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च, 1982

को प्योक्ति संपत्ति के उचित गाजार मृल्य से कम के उत्त्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उत्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सविधा के लिए; वरि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकटनही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों वर्षात् ः —

- 1. श्रीमती उपदेश क्मारी उर्फ उदश क्मारी वासी शास्त्री नगर, म न . 670, भखादामप्रा, जालंधर।
- 2. श्री ग्रदेव सिंह प्त्र ग्रदियाल सिंह वासी म नं 670, शास्त्री नगर, भखादामपुरा, जालन्धर।
- जैसाकि उत्पर गं. 2 मे लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदेध् हैं) को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधियातत्संबधी ब्टिक्तियों पर सुचनाकी सामील से 30 दिन की बविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-कर्मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं≀

अनुस्ची

सम्पत्ति म . नं . 670 मूहल्ला शास्त्री नगर, भखादोमप्रा, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं . 7376 विनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, जालन्धर

तारीख : 6-11-1982

भोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवस्बर 1982

निद्येश नं ए पी नं. 3518--यत म्फे, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अन्मूची में लिला है तथा जो टांडा रोड जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती रूप रानी पत्नी श्री शिव लाल अग्रवाल वासी लक्ष्मीपुरा, जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

 मैंसर्स स्टील कार्पोरशन आफ पंजाब, टांडा रोड, जालंधर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी। ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों उर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 7566 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीय : 12-11-1982

मोहर 🖺

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवरेश नं. ए. पी. नं. 3519---यतः मुझे, जो. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अन्सूची मे दिया गया है तथा जो कोटकप्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री अवाहर सिंह, लाल सिंह सपुत्र श्री रामचन्त्र, सुन्दर कार पत्नी सोहन रिांह, उद्यम सिंह और गुरबचन कोर स्पुत्र तथा प्त्री श्री जीवन सिंह वासी गुरुद्वारा बाजार कोटकपूरा, तहसील फरीदकोट।

(अन्तरक)

 श्रीमती सोहन देवी पत्नी श्री राम गांव बेरी वाला, तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

व्यक्ति तथा संपत्ति जैमा कि धिलेख नं 4512 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीदकोट ने लिखा \mathbf{g}^{\bullet} ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

सारी**स**ः 12-11-1982

प्ररूप आहर . टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निक्षेश नं. ए. पी. नं. 3520—यतः मूझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्यावर मंगित, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं. जैमा कि नीचे की अनुसूची में दिया गया है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किमनिलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत छक्त बाबि-नियम के अधीन कर देने के अण्तरक के दायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किमी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय मायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्षीन, निम्नीसिंसत् व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री अमर सिंह और होरा सिंह स्प्त्र श्री रामचन्द वासी गुरूद्वारा बाजार, कोटकपूरा।
 (अन्तरक)
- श्री श्री राम सप्त्र इन्द्र सिंह वासी बेरी वाला तहसील मृक्तसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवबध् हैं)

को यह सूचना चारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिंख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिआदित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 4544 विनांक मार्च, 82 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, फरीक्कोट ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जालन्धर

तारीख ः 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3521--यतः मूर्फो, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्मल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसको बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अभूस्तयों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिधा के सिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- श्रीमती सतनाम कौर विधवा श्री मोहन सिंह वासी मृहल्ला सतनाम पुरा, फणवाडा।
 (अन्तरक)
- श्री जवाहर लाल पृत्र श्री पशारी लाल वासी लोहा मण्डी, फगवाडा।
 (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2965 दिनांक मार्च, 1982 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाडा ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

ता्रीख : 10-11-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस्.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निवंश नं. ए. पी. नं. 3522--यतः मूर्भे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरेर जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची मं लिखा है तथा जो फगवाडा मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप मं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख मार्च 1982

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नृहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री रिवन्द्र पाल सिंह पूत्र श्री सूरिन्द्र सिंह वासी मूहल्ला सतनाम पूरा, फगवाडा। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शीला चड्डा पत्नी श्री प्रशोत्तम लाल यासी लोहा मण्डी, फगयाडा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितववध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिसित में किये जा सकेंगे।

स्मव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

संपित्त तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 31 दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, फगवाडा में लिखा ह⁵।

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 10-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3523--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में मिथन है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रिवन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह वासी मुहल्ला सतनाम पुरा, फगवाडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती शीला चड्डा पत्नी श्री प्रशोत्तम लाल बासी लोहा मण्डी, फगवाडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं।

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्थन् के विए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 141 दिनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा ह⁸।

> जे. एल. गिर**धर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{प्}ज, जालन्धर

तारीब : 10-11-1982

मीहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3524--यतः म्फ्रे, जे. एल. गिरधर,

मायकर म्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से पिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

 श्रीमती प्रकाश कौर विभवा श्री स्रिन्द्र सिंह वासी सतनाम प्रा फगवाडा।

(अन्तरक)

- 2. श्री गुरिवयाल पुत्र श्री संत सिंह वासी फगवाडा। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हि, क्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3013 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीब : 10-11-1982

प्ररूप गाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्पालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3525—स्वतः मूझी, जो. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अन्मूची मं िलखा है जो सीरकी बाजार फिरोजपूर मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मं और पूर्ण स्प सं विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्य-लय, फिरोजपूर मं रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च, 1982 को प्वांक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्रपूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मुखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिख्त व्यक्तियों, अधीत् :—

 श्री खरोती लाल पुत्र बहोती राम वासी-सीरकी बाजार, फिरोज पुर

(अन्तरक)

 प्यारे लाल पुत्र धुनी लाल वासी मृहल्ला ढोलनीयावाला, फिरोज पुर सीटी।

(अन्तरिती)

 जैसा ि उपर नं 2 में हैं और पन्ना लाल वासी सीरकी बाजार, फिरांज पुर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रलता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया हैं [8]

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7649, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोज पुर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील 10-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3526--यतः मूझी, जे. एल. गिरधर,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीन मार्च, 1982

(1908 का 16) के अधीन तारील मार्च, 1982 को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवयमान प्रतिफल से, एसे द्रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--1 —386GI/82

 श्री विजय कुमार जी ए
 श्री मंगल संन स्पृत्र हरी नारायण वासी हादिया बाद, फागवाड़ा।

(अन्तरक)

 विनता द्गील पत्नी श्री चतरजन सेन वामी हादिया बाद, फगवाडा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जा व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधांहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन' की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंबे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, को छक्त घिक नियम के घड़याय 20-क में परिमाधित हैं वही अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2956, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाडा ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारींख : 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नयम्बर 1982 निदेश नं. ए. पी. नं. 3527—यतः मझे, जे एल

गिरधर, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा

जो फगवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपावट्ध अनुसूची में आरे पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या- लय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

(1908 का 16) के अभीन, तारीख अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाजित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री विजय क्ष्मार जी. ए.
 श्री मंगत सेन स्पूत्र श्री हरी नारायन, हासी हादिया बाद, फगवाडा।

(अन्तरक)

 श्री चतरंजन संन स्पृत्र श्री हरी नारायन और श्रीमती विनिता बुग्गल पत्नी श्री चतरंजन सेन, वासी हादिया बाद, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियें जा सकेंगे।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्परित जैसा कि बिलेख नं 76, **दिनांक** अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा ह⁸।

> जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आमुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 12-11-1982

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 सवम्बर 1982

निदंश नं ए. पी. न : 3528--यतः मूझे, जे एल. गिरंधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिला है तथा जो हरिदयाल नगर, जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च, 1982 का पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूळे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय को शबट, उक्त शिभियत, के शभीन कर दोने के अन्तरक के वायत्व में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

मृतः मंग, उक्त विधिनियम कौं धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री मदन मोहन मलहाँत्रा सुपूत्र श्री नथ्थू राम जालन्धर मारफत जोगेन्द्र सोहन कपूर। (अन्तरिती)
- 2. श्रीमती प्रेम सध्यारा पत्नी श्री हरचरण सिंह वासी है. जे. 245, बहार बाग, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं .7886, दिनांक मार्च ,1982 को रिजस्ट्रीकरण अधिकारी, जालन्धर ने लिखा ${
m g}^2$ ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्रीाधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजे, जालन्धर

ना्रीस : 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तुर्कार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्येष नं. ए. पी. न. 3529--यतः मुझे, जे एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो नेताजी पार्क, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तीवक हम से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिशा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- श्री प्रेम कूमार पृत्र हरबन्स लाल वासी 16 नेताओ पार्क, जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्री मदन लाल पुत्र नेवराज वासी 213/5, सैन्द्रल टाउन, जालन्थर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रस्ता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन कीं अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7668, दिनाक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर मे लिखा गया है।

> जं. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982 मोहर : प्रारूप बाइ .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदंश नं ए. पी. नं 3530--यतः मुक्ते, जे एलं गिरधर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है 'तथा जो नेताजी पार्क, जानन्धर में स्थित है (और इसमें उपान्वस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्घ, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती जनक रानी पत्नी प्रेम कामार वासी 16 नेताजी पार्क, जालन्थर।

(अन्तरक)

- श्रीमती श्रिमला भाटिया पत्नी श्री मदन लाल भाटिया वासी 213/5 सैन्यूल टाउन्न, जालन्ध्रर। (अन्सरितौ)
- जैमा कि उत्पर नं. 2 मों तिखा है।
 (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रस्ता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब हुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एम लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय .20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 927, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्रीधकारी सहामक आमकर औयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जानन्थर

ता**रींब** : 12-11-1982

त्रुष्य बाही हों हो एक , पस , -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

,भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

्रिटिश नं. ए. पी. नं. 3531---यतः मुक्ते, जे. एल. विरुधर

भागकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो जो दिलकुश मार्किट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को प्वांकत सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृश्वेंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नृतिस्थित उद्देष्य से उक्त बन्तरण विश्वत में वास्त-रिक कप से किथा नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के जल्करक के दायित्व में कमी करने वा उससे जलने में सुनिधा के जिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में कृतिभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) के अधीन निस्नृतिवित व्यक्तियों, जुर्मात्:—

- श्री बीर सिंह, सतीबीर सिंह, रघवीर सिंह, दलबीर सिंह, संतोख सिंह सपृत्र श्रीमती जीत कौर विधवा रणवीर कौर, तजिन्द्र कौर, जसबीर कौर, सितन्द्र कौर, बेटियां गियनी शंकर सिंह वासी 74 गार्डन कालोनी, जालन्धर ।
 (अन्तरक)
- श्री वरिन्द्र पाल सिंह पुत्र गुरबस्था सिंह वासी डा. हरबन्स करि, रोलवे रोड, नवां शहर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- वद्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखिस मों किए जा सकोंगे।

स्थाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पना हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7879, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील : 12-11-1982

प्रकृष वार्यः दी. पुनः पुनः ------

आयुकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश नं ए. पी. नं 3532--यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृब्धा के लिए; जीद/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नुतिखित व्यक्तियों, अर्थात है—- श्री यश पाल पुत्र वजीर चन्द
 वामी बस्ती गुजा, जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. । श्री हरबन्स लाल चांपरा पुत्र चरणदास
 - 2. कमल देव पुत्र शिव दिता
 - 3. बलदेव राज पुत्र जीवन मल
 - 4. वेद प्रकाश पुत्र केंद्रार नाथ
 - कुसम लता पत्नी विपन शर्मा वासी बस्ती गुजां, जालन्थर।

(अन्सरिती)

- जैसा कि ऊपर नं. 2 मो लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस तुबना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए वा सकींगे।

स्यष्टीकरण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्**यी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7811, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

ता्रीब : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवोश नं. ए. पी. नं. 3533--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारो 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारोख मार्च, 1982 में पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः वस् उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के जभीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मलिक सिंह पृत्र सुवा सिंह व्वारा श्रीमती शान्ति दोवी वासी गांव सनसरपुर, तहसील जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्री लाल जी सिंह पुत्र आई. टी. राम प्रशाद वासी एफ. एम. 100 माडल हाउन्स, जानन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उज्पर नं. 2 मो लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मो सम्पत्ति हैं)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7863, दिनांक भार्ष, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 12-11-1982

प्ररूप माहै. टी. एन. एउ -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निंदोश नं ए पी न 3534--यत म्भे, जे. एल गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी मं. जैसा कि अन्मूची में लिखा है तथा जो जानन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाइद्ध अन्मूटी मं और पूर्ण रूप में विधान हैं), रिजम्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानन्धर में रिजम्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी कड़ने वा उससे बचने में सृतिभा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री मलिक सिह पृत्र गुवा सिंह द्वारा श्रीमती शान्ति दवी वाभी गांव सनस्पर्, सहसील जालन्धर।
- 2 श्री दहीरजी दोवी पत्नी लाल जी सिंह वासी एफ एस 100 माडल हाउन्स, जालनगर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधांहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं. 7887, दिनांक मार्च, 1982 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन: जिम्मानिखित व्यक्तियों, अर्थात— 11—386G1/82

तारीय : 12-11-1982 मोहर : प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश नं. ए. पी. नं. 3535--यतः मुक्ते, जे. एल. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपितत, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुक. से अधिक हैं और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो पारस राम नगर भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय भटिन्डा में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् :---

 श्री हजूर सिंह पुत्र बीर सिंह वासी हजूरा बस्ती बमाला रोड, भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्री रोहित गृता अडोपेटिड पुत्र मथरा दास, जगजीत सिंह पुत्र भजन सिंह उर्फ बुद्ध सिंह गांव नैं की कला बी.आई.टी. रानी उर्फ माया वेथी पत्नी मुकन्द लाल भटिन्डा। बिमला रानी बेटी श्री राम, भटिन्डा। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में निखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति मे रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितववष् है)
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पछि करणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7428 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया हैं।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारी**च**ं: 12-11-19**82**

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3536--यतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

आपकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' अहा गया है), की प्रारा 288-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्वात्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

आर जिसको सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कि मन्ति सित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, का, जिन्हें भारसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में स्थिधा के सिए;

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनूसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्धात :— श्रीमती परियन्दर काँर पत्नी जसवन्त सिंह वासी भटिन्डा।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुखदेव कार पत्नी मोहिन्द सिंह वासी भटिन्छा। श्री हरनाम सिंह पृत्र जीवन सिंह वासी गांव सरदाूल गढ़।

(अन्तरिती)

- 3. औसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपित्त में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके दार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितववध् हैं)

को बह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृषना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

संपति तथा व्यक्ति औसा कि विलेख नं. 75.50 दिनांक मार्घ, 1982 को रिजस्ट्री कर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर म्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब 🖰 12-11-1982

महिर:

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

िनिदोश नं. ए. पी. नं. 3537—स्वतः मूक्ते, जं. एल. गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रां. जैसा कि अन्सूची मं लिला है तथा जो भटिन्डा मं रिथत है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप मं विणित है), रिजरट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मं रिजन्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च 1982

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों जिन्ह आस्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--

1. श्री भगवान सिंह प्त्र मदन सिंह, मुल्तियार-ए-आम बंटा भरपूर सिंह वासी कोठी अमरपूरा बैंक साईड थरमल कालोनी भीटन्डा।

(अन्तरक)

2. श्री जगजीवन सिंह पृत्र गुरतेक सिंह

(2) प्रकाश देवी पत्नी गणेश दास पुत्र पूर्ण सिंह

(3) बलविन्द्र सिह पुत्र अमरजीत गिह

(4) परदुभान सिंह पूत्र शिव सिंह

(5) अजीत कार पत्नी परद्भान सिंह्

(6) हरबन्स सिंह पृत्र परद्भान सिंह,

(7) हरिजिन्द्र कौर पत्नी जमवन्त सिंह

(8) सुसवन्त सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, वासी भटिन्डा । (अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर न . 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

 जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच हुं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 756) दिनांक मार्च, 1982 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्<mark>डा में लिखा</mark> गया ह³।

> जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

दारीय : 12-11-1982

प्ररूप आई.टी एन.एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदोश न ए पी. न. 3538—यतः मूक्ते, अं. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

आर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हूँ (और इसस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दर्ध स उक्त अन्तरण लिमिन में वास्तिक छ्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् %—— श्री भगवान सिंह प्त्र मदन सिंह मुस्लियार-ए-आम पुत्र नरिन्द्र सिंह गाव कोठी अमर्प्रा, बैकसाइंड कर थरमल कालोनी भटिन्डा ।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रमीत सिंह प्त्र शेर सिंह, मिस्तियार सिंह प्रत्र केहर सिंह अभरजीत कौर पत्नी स वर्ण सिंह, कालदीप सिंह पुत्र ग्रबंख्या सिंह, हरीमन्दर कौर पत्नी कालदीप सिंह, सरोज ग्प्ता पत्नी गियान चन्द्र, असवन्त सिंह पूत्र गियान सिंह सूक्षा नोमला पत्नी मौजः आर एन खोसला भटिन्डा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

4. जां व्यक्ति सपत्ति मो रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके द्वारों मो अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबदध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध, किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगस ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7561 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्रकृप बाह्र .टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-वें (1) के अधीन सूचना

शारत परकार

कार्यांच्य, सहायक बावकर बायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रोज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्येष नं. ए. पी. नं. 3539---यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियमं' कहा पया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उप्तित वाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विधित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर् रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वन्तरंत्र से हुई किसी नाग की बावत, उक्त वीष्ट्रीतव्य की वृत्रीय कह दोने के वृत्तरक के दायित्य में कभी कहने वा उसने वृत्रमें में स्विधा के लिए; बाह्र/वा
- (थ) ऐसी किसी नाम ना किसी जुन या जम्म जास्तिनी की, जिन्हें भारतीय नाम-कर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विया की स्थित

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री भगवान सिंह पृत्र भदन सिंह मृस्तियार-ए-आम पृत्र भूपिन्द्र सिंह गांव कोठी अमरपुरा, भटिण्डा (अन्तरक)
- 2. श्री राजकामार पुत्र सरूप चन्द वासी गांव जोडिकयां लक्ष्मी दोवी पत्नी रिजन्द्र कुमार, भटिन्ड। (अन्सरिती)
- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित, के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यपू:---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्ध किसी वन्य व्यक्ति वृवारा वृथ्हिस्ताक्षरी के पास सिहित में किस वा स्थीने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभोषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7560 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन <u>र</u>ोज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

्धक्प माई॰ टी॰ इन॰ एड॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवहेश नं. ए. पी. नं. 3540—यतः मूओ, जे. एल. गिरधर, भागकर अणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके परजान 'उनन अधिनियम' कता गया है) को धारा 269-ख के अधीन सखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्व 25,000/- र॰ से प्रधिक है और जिसकी सं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपायव्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में निणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, मार्च 1982
को पूर्वोक्त समाति के उचित बामार पूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बामार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गम्बर्
प्रतिक्रत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रत्तरकों) और अम्बरिती
(प्रम्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उद्देश अन्तरण सिक्षित में
वास्तिक कर ने तथा नहीं किया गया हैं:~-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबन सनन बिधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के शिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

श्रतः अकः उक्त ग्रिश्चिनियम की भ्रापः 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त ग्रिश्चिनियम, की भ्रापः 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मिलसी राम पृत्र बीरबल वास वासी बैंक बाजार, भटिन्छा।

(अन्सरक)

 श्री विजय कामार और पतन कामार सप्त्र हांस राज वासी भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के सर्थन के शिक्ष कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पनि के अर्वत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वध्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिचाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेखें नं. 7498 विनांक भार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्धा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीम : 12-11-1982

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्शेष न. ए. पी. नं 3541--यत मभ्ते, जे एल गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिका ही को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अन्मूची मं लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्किक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उनत आध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में करी करने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रस्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922- का 11) या उनत भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिनी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अप्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री नरिन्द्र सिंह पृथ भगतात सिंह वासी कोऽी अमरप्रा बैकसार्डड थरमल कलोनी भटिन्डा ।
- श्री समकोर सिह प्य ग्रमीत सिह और बलवीर कार पत्नी स्रजीत सिह टासी गाव उठबार तहसील मानसा जिला भटिन्डा, वरिन्द्र सिह प्य स्लब्देव सिंह वासी पक्का कला तहसील भटिन्डा और ग्रतेज कार नेटी बलवन्त सिह वासी गांव सेन् तहसील मलेरकोरला और ग्रजेत सिह प्य भजन सिह तासी गांव बुरज करना तहसील जगरान।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 म लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवदध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ; जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे!

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धाध-नियम, के श्राष्ट्रयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 7436 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्हा में लिखा गया है।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीय 12-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निदश नं. ए. पी. नं 3542--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हाँ

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (श्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12—386GI/82 श्री प्रम क्रमार पुन हरा राम श्रामी म नः २८।६ पष्टिता वाली गली, भटिन्द्या।

(अन्तरक)

- श्री अनय का्मार पुत्र कारे सेन पुत्र रघ्मल वासी लूधियाना। (अन्तरिती)
- 3 जैमा कि ऊपर न 2 म लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके दारं में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सपित्त तथा व्यक्ति जैसा कि चिलेन न . 7341 विमांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जं. एल गिरथर सक्षम प्राक्तिकारी महायक भायकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जानन्धर

तारील 12-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्या नं. ए. पी टं. 3543—यत म्फे, जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और

भटिन्डा मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप मो बॉणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उदल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री भगवान सिंह पृत्र मदन सिंह पृत्र गियान सिंह, मुस्तियार-ए-आम बेटा सुरिन्द्र सिंह, दासी-कोठी अमरपरा. (बैकसार्धन जाफ थरमल कलानी) भटिन्छ। (अन्तरक)
- 1. श्रीमती सरनजीत कौर पत्नी स्खपान सिंह दहिलीवाला
 - (2) महिन्द्र सिंह पुत्र नर ण सिंह
 - (3) शाम सुन्दर भाटिया पुत्र भाना राम
 - (4) हरजीत सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह
 - (5) बलद व सिंह पुत्र सोहन सिंह
 - (6) गुरजीत कार पत्नी गुरमीत सिंह
 - (7) अनीता गायल पत्नी अमर नाथ
 - (8) गुरदीकसत्र सिंह पूत्र प्रीतम सिंह कोपारोटिय जगीर सिंह मलही प्रसीड ट, अकाल सहाय कोपारेटिय हाउनस बिल्डिंग स्कोयटी लि. ओल्ड होसपिटल, सीटी भटिन्डा ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपीत है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति मो रूपि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारो मों अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति मों हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे**ं दिया** गया है।

अम्सूची

संपरित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7357 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिन्डा मे लिखा गया है।

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीम : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-ष (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरोक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवंश न. ए. पी. नं. 3544——यतः मुभी, जे. एतः गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विश्वास करने का

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करन हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवीं) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तिक कर में हिया गया है -

- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क्ये एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित स्युक्तियों वर्धात् :--- श्री अजमेर सिंह, पृत्र बृटा सिंह, मेहना चाँक, भटिन्छ।

(अन्तरक)

- श्री भान चन्द्र पुत्र बलैंसी राम, वासी गांव काटकता, तहसील भटिन्डा
 - (2) राज क्मार पुत्र राम प्रताप, धासी बूरी, जिला संगरूर

(अन्तरिती)

- (3) रमेश कुमार पुत्र गिरिधारी लाल, वासी राम-परापल
- (4) अनुभारग पानी अजय कमार वासी, रामप्रा-फल
- (5) दर्शन क्मार पुत्र बनारसी बास, वासी राभ-प्राफ्ल
- (6) दवारकी देवी पत्नी तेज राम, वासी रामप्रा-फुल
- (7) सिमला देवी पत्नी दर्शन कामार, वासी राम-
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- जो व्यक्ति संपत्ति मं रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7356 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिन्डा में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख ' 12-11-1982 मा**ह**ि प्ररूप आ**र्द. की. ए**न. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निद्यान ए पी न 3545---यत मुक्ते, ज एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पृषांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— श्री अवतार सिह पुत्र गुरदेव सिह, मृस्टियार-ए-आम गृरदेव सिह, गाव विरक खुरद, तहसील भटिन्डा।

(अन्तरक)

- थी मुस्तियार सिह प्त्र पाला सिह, बासी भटिन्डा। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर न 2 मं लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सपत्ति है)

4 जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पृवाक्तिस संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पन्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 7263 दिनाक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, भटिन्डा मे लिखा गया है।

> ज एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज, जालन्धर

तार**ौल** 12-11-1982 मो**ह**ार 🛭

प्रक्षप । धाई० टी । एन । एस ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवंश नं ए. पी. नं 3546--यतः म्भे, जे. एल. गिरक्षर.

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं. जैसा कि अनुस्ची मं लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुस्ची मो और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भटिन्डा मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उनके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और शक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की भागत उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग की उपभाषा (1) के अभीम, निम्नतिश्वित व्यक्तियां, अधित् ।:---

 श्री कोहर सिंह पुत्र भोला तिहं, कोबुलिस्ट स्ट्रीट, भटिन्छ।

(अन्सरक)

- 2. श्रीमती भगवान कार पत्नी जागिन्बर सिंह, बिमला रानी, बंटी विलायती राम, भटिन्छा। (अन्तरिसी)
- 3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् हैं)
 को यह तूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शरू परता है।

उन्त सन्पत्ति के प्रजंत के सन्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 7258 विनाय मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, भटिन्डा में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्थन द्रांगा, बालन्थर

तारीच - 12-11-1982

मोहर 🥴

त्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्धा नं ए. पी. नं 3547—यतः मुफे, जे एल निर्धर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. मे अधिक हैं

25,000/- रु. स आधक है, और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बिटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स विभिन्न ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदेडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

के अधीन, तारीस मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उच्यत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- श्री अजैब सिंह पृत्र चतार सिंह वासी गांव पहुर मण्डी।

(अन्तरक)

 श्री हस्बरण सिंह पुत्र गुरदोव सिंह, करमजीत कार पत्नी हरचरण सिंह कापोरोटेव गमदूर सिंह, गुरा नानक कोल्ड स्टोर, बीबीवाला रोड, बठिंडा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा जमीन जैसा कि विलेख नः 7242, दिनांक मार्च, 1982 का रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी, बर्टिडा में लिखा गया है।

जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (किरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

गारांख : 12-11 1982

प्ररूप बाईं० टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मर्थान मुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3548---यतः मुक्ते, जं. एलः। गिरभर्

प्रायकर प्रशिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रिविचम' नहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वा त्रार मृस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

गर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बिठिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिठिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त संपत्ति के चित्र बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल का चल्चह प्रतिशत से घानक है भीर मन्तरक (घन्तरकों) धीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेक्यों से उच्त घन्तरण लिखित में बानक्षक रूप से किया नहीं किया गया है। --

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त आधि-नियम के शक्षीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसी निसी जाय या कियी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए।

कत्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अर्जन सिंह पुत्र चतार सिंह वासी गांव पहुर मण्डी। वरनाला रोडि,

(अन्तरक)

 श्रीमती सुखिमन्द्र कौर गमदूर सिंह बहनाला रोड विष्ठिष्ठा कोपोरोटिव गुरु नानक कोल्ड स्टोर, बिछंडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भाषीप :--

- (क) इस गूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की कवान मा तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवान, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त काक्तियों में से किमी क्यक्ति दारा;
- (ख) ५स सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्वक किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे ।

स्वब्दीकरण :----दसर्ने प्रयुक्त शब्दों और वर्जों का, को उच्चत अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं; वही प्रयु तीया को उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7220, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बठिडा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निद्येश नं. ए. पी. नं. 3549−⊷यतः मभ्ने, जे गिरधर, अगय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिडा में स्थित हैं (और इससे उपाबदध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठिंडा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उकत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री इन्दिर सैन पृत्र मिलार चन्द अखापिटिध पृत्र गमह्या लाल, मुस्तियार-ए-आम, रोणृ बेटी इन्दिर सैन, बठिडा।

(अन्तरक)

 श्री अमरजीत सिंह पृत्र गुरदियाल सिंह, हरचन्द सिंह पृत्र अरजन सिंह, प्रीथयाल सिंह पृत्र कुन्दन सिंह, गीला रानी विधवा आशअमर नाथ वासी विठिडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मों सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7215, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बर्टिका में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्थर

तारीच : 12-11-1982 मोहर :

प्रकथ बाहुँ टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- प (1) के सधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रजि, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश नं ए. पी. नं 3550--यतः म्भे, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से **अधिक हैं**

और जिसकी सं. जैसा कि अनस्ची में लिखा है तथा जो बठिडा में स्थित है (और इसँमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठिडा में रजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दष्ट प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

13 -386G1/82

- 1. श्री केहर सिंह पुत्र भोला सिंह कामूनिस्ट स्ट्रीट, सिरकी बाजार, बठिंडा।
- 2. श्रीमती सुखविन्दर कार पत्नी विकार जीत सिंह, गुरचरण सिंह पुत्र कान्दा सिंह, मुरिन्द्र कुमार पुत्र हरदेव सिंह, जगदीश कुमार पुत्र हरदेष सिंह, प्रभा रानी पत्नी कृष्ण लाल, जसबीर काँर पत्नी बलदंव सिंह, कृष्ण लाल पुत्र किशोर चन्द, बठिंडा ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्योक्त सम्पत्ति में राचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मे 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस स्थाना को प्राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बवध किसी अन्य ध्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया 🐉 🗓

अभूस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7195, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बर्ठिडा में लिखा गया है.ै।

> जे. एल, गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीखं : 12-11-1982

प्रकप बाई• टी• एन• एस०----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

ं निद्येष नं. ए. पी. नं. 3551—–यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में निवा है तथा जो बठिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यानय, बठिडा में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उचिन बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर प्रन्तरक (भग्तरकों) भीर प्रन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रजीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के िए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, पा धन-कर प्रधिनियम, पा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनान में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नन्द सिंह पुत्र राम सिंह विजंडा।

(अन्सरक)

 श्री गुरबंघ सिंह गिल, तहसीलवार, वासी म. नं. 525, उरदन इंस्टिंट, माडल टाउन, बिटिंडा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्सि, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति के हितनद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--हममें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उकत अधि-नियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7188, विनांक मार्च, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्षी अधिकारी, बठिंडा में लिखा गया है।

> र्ज. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्र**क्ष्य धाई**• डी॰ एत• एस•----

भायकर भृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा ३**६९-म (1)** के **प्रधीन सूच**ना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन राँज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

निवरेश नं, ए. पी. न. 3552--यतः मुभ्ने, जे. एल. गिरधर,

श्रीय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रीवकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूण्य 25,000/- रुपये से घषिक है

और जिसको सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बिठिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिठिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

में पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐस प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त प्रक्रिनियम के प्रजीत कर देने के प्रस्तरक के दाविस्त में करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए धौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की; जिन्हें भारतीय ग्रामकर अग्निनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, मा धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अतः, अनः, चन्त अधिनियम, की धारा की 269ना के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बादा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, प्रकृति :---- श्री अजैब सिंह पृत्र चतार सिंह वासी पहुर भण्डी।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुखमिन्दर कार पत्नी गमदूर सिंह मारफत गुरु नानक कोल्ड स्टोर, बठिंडा।

(अन्तरिती)

3. जीसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त भन्तरित के प्रबंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मबिध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी मबिध बाः में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7351, विनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बठिडा मे लिखा गया है।

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारौन : 12-11-19**82**

प्ररूप भाव : टी. एन. एस.----

आयकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवरेश नं. ए. पी. नं. 3553--यतः मुक्ते, जे. एलं. गिरधर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा हुँ तथा जो मोगा मोहला सिंह में स्थित हुँ (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से विजित हुँ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) ई प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन निम्निक्षिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती नन्द कौर िध्धवा सुरिन्द्र कारे मोहिन्द्र कीर और बलिवन्दर सिंह, बेटियां श्री पूरत सिंह वासी बस्ती गोडोवाला, मोगा।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र चौधरी पुत्र नैरोण बास, मणजीत गुजराल पत्नी सतपाल, हरी कृष्ण धर्मा पुत्र क्वी वियाल, गुरक्तिन लाल पुत्र लखु राम, सरोध सरकेवा पत्नी अविनाध चन्द्र, हरी मोहन सिंह पुत्र दलजीत सिंह, वेद प्रकाश पुत्र बन्सी लाल, जवाहर नगर मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वांक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उन्त, निभागियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7942, दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम शाधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीन : 12-11-1982

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

िनिष`क्षा नं ए. पी. नं 3554—~यतः मूर्फे, जे एल. गिरधर,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो मिठापूर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण सों, में उक्त अधिरियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्मिनिस्त व्यक्तियों अर्थात्:--- श्री अरजन सिंह पुत्र दवान सिंह वासी गांव मिळपूर तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्रिन्द कौर पत्नी बलदेव सिंह और अमरीक सिंह पुत्र उभम सिंह वासी गांव मिळपूर तहसील जालन्भर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग सं सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उत्रत रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 7998 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

जे. एत. गिरंधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रोज, जालन्धर

ता**रीड**ः 12-11-1982

मोहार 🕄

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्या नं ए. पी. नं 3555---यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं असा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो मिटापूर तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में सृविधा के सिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए भा, कियाने में सुनिभा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्द व्यक्तियों, अधीत् हि—

1. श्री धरम सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी मिठापूर तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री सुचा सिंह पुत्र करतार सिंह वासी मिठापुर तह-सील जालन्थर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के गोतर उकत स्थावर सम्मति म हिंग किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 7659 दिनांक मार्च , 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ऱ्रेज, जालन्धर

तारोख : 12-11**-**1982

मोहर ः

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3556—स्यतः मुक्ते, जे. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैरा ि अनुसूची में लिखा है तथा जो मिठापुर जालन्थर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्या-लग जलन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मार्च 1982

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एसे धृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (शन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्देश से उपन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बाधित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री धर्मा सिंह पृत्र सुन्दर सिंह वासी मिळप्र तहसील जानन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री बद्ध राम प्त्र करतार सिंह वासी मिळप्र तह-मील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रुवता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की अर्गण से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिनर्गा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्वेंकिंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपित्त में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं दिनांक सार्च, 1982 को रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी जानन्धर में निका गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

नारीख : 12-11-1982

माहर:

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नयम्बर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3557—स्यतः मुक्ते, जे. एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /-रा से अधिक है

डो ास ी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो हर दक्ष गार, गरहा में मिश्या है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

करे पूर्वो वत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिरामें, अर्थात् :--

शी प्लार सिंह प्घ श्री हरो सिंह, गरहा सैल्क और जी. ए. हरजिन्दर कौर पत्नी श्री पसार सिंह।

(अन्तरक)

 श्री करनैल सिंह पृत्र श्री रतन सिंह, गांव गुरा, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्यी

भम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 7834 विनांक भार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल गिरधर सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

तारीख 12-11-1982 मोहर : प्ररूप आहें, टी., एन., एस,,,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवोश नं. ए. पी. नं. 3558--यतः मुक्ते,

जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैमा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो हरियाल नगर, गरहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

का प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--14—386GI/82

श्री पक्षार सिंह पूत्र
 श्री हरी सिंह,
 गांव गरहा, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

- श्री करनैल सिंह प्त्र श्री रतन राम, गांव गुरा, तहसील नकादर जिला जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जीसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त, संम्पत्ति के अर्जन के लिए 'कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7477 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीब : 12-11-1982

प्ररूप आहुरं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरोधण)

अर्जन रंज, जालनार

जालन्थर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3559--यतः म्फे,

जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें) इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- र_{ा.} से अधिक हैं।

और जिसानी रा. जैसा कि अन्तम् की में लिखा है, तथा जो हरिद्याल नगर, गरहा से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मधी सो और एणे का से विधित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालक्षर से रिजस्ट्रीकरण अधिकारी ग्री कार्यालय, जालक्षर से रिजस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांत संपर्त, 1982

को पृष्ट बित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृषीं तत संपत्ति का उजिल बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्हितियों एक्टेंट्य से जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्हितियों वहाँ नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बानर, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- श्रीमती हरजिन्दर काँर पत्नी श्री याखर सिंह ब्वारा श्री जी. ए. परवार सिंह, गांव गरहा, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री करनैल सिंह पृत्र श्री रतन राम, गांत ग्रा, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पृयों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हो।

एक्स सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोदित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षित्रियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7684 विनांक मार्च, 1982 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्थर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्रकप आई• टी• एन• एस०--

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालान्यर

जालन्धर, दिनांक 12 नगम्बर 1982

निदश नं ए पी न 3560---यत म्फे, जे एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स. जैसा कि अन्सची में लिखा है, तथा जा जालन्धर में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, दिनाक मार्च, 1982

का प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्त्रों केत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा कर जिन्हें,

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थाक्त :-- श्री निरंजन सिंह पृत्र
 श्री जीवा सिंह, वासी
 ई. एस. 248, नकादर राइ, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री अनील क्मार पृत्र किदार नाथ, वासी 23-सी, माडल हाऊस, जालनाग।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नः 2 मी लिसा है।
 - 1. श्री बलदंव राजानी एण्ड कम्पनी
 - श्री ग्रदियाल सिंह व
 राम आसरा, ग्राचानक ढ़ावा।
 - 3. डा. जी. एस. जोहल व कर्म चन्द।
 - 4. श्री रमेश कामार।
 - 5. श्री राज कामार वधन सिह।
 - 6. श्री देस राज व बांके लाल।
 - 7. श्री विजय का्मार व बांके लाल।
 - 8 श्री पियारा सिंह व राधे श्याम। वासी ई. एस. 248, नकोवर रोड, जालन्थर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति ही)

4 जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके दारों में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसदाद्ध हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्त्रा के राज्यव भे प्रकालन की नारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पान लिखिन में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

अन्स्**भी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलय नं 7912 दिनाक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया **ह**ै।

> जे एल गिरधर सक्षप पाधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीस 12 11-1982 मोहर : प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदांश नं. ए. पी. नं. 3561~~यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मो वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को प्रवेक्ति सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री इन्दिरजीत सिंह प्त्रं जीया सिंह वासी ई. एस. 248 नकांदर रोड, जालन्धर ।

(अन्सरक)

 श्री किदार नाथ पुत्र गिरधारी लाल वासी 23-सी, माडल हऊस, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ए. पी. न. 3561 र्स्वश्री

- 1. बलदेव रुवानी एड कम्पनी
- 2. ग्रदिपाल सिंह व राम आसरा ग्रसानकढ़ाबा ।
- 6. वस राज व बांके लाल।
- 4. रमेश कुमार।
- राज कामार वधन सिंह ।
- 6. दोस राज व बांको लाल।
- 7. विजय कुमार व बांके लाल
- 8. पियारा सिंह व राधे क्याम ।

वासी ई. एस. 248 नकोदर रोड आलन्धर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मर्व्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्जसा कि विलेख न . 7942 दिनांक मार्च , 1982 को रिज-ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में तिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

नारील : 12-11-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदंश नं ए. पी. न. 3562--यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अरे जिसकी मं जैसा कि अनूसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अन्सूची में और और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिको, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री निधान सिंह प्त्र जीया सिंह वासी ई-एस 248 नकांदर रोड जालन्थर ।

(अन्सरक)

2. श्री दीपक क्रमार प्त्र किदार नाथ वासी 23-सी माडल हाउन्स जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ए. पी. न 3562 र्स्व श्री

- 1. बलदेव रुवानी एंड कम्पनी
- 2. ग्रदिपाल सिंह व राम आसरा गुसानकढ़ाबा
- 3. डा. जी. एस. जोहल व कर्मचन्द ।
- 4. रमेश क्मार।
- 5. राज कामार वधन सिंह
- 6. देस राज व बांके लाल।
- 7 विजय कमार व बांके लाल
- पियारा सिंह व राधे श्याम
 वासी ई. एस. 248 नकांदर रोड जालन्धर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसन्ति

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 7942 विनांक मार्च, 1982 को रिवस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

ना्रीब : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यातर, महायक आयवर आयवत (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवस्बर 1982

निदांश न ए. पी. नं. 3563—स्वतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु ने अभिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अन्मूची मं लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में तर्णित है), रजिट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जालन्धर मं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय मार्च 1982

को पूर्वीक्त गम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बम्नतियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः क्राय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधाय (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री दीपक संठ एय राम ल्ग्या श्रीमती शुकला संठ पत्नी राम ल्बया वासी आर. एल. संठ कोपोरंटव, बाजार शंक्षा जालन्थर ।

(अन्सरक)

- 2. नरनकर आई टी. ओ. ई जिनयरिंग वर्कास, जी. टी. रांड, गोरया, जिला जालन्धर । (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर न. 2 मो निखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पन्ति में हित**बद्ध है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करता हूँ।

अनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिक्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि निलंख न 7505 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीस : 12-11-1982 मॉहर:

प्ररूप वार्षं. टी. एन. एस . - - - - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्देश न ए. पी. नं 3564---यत सभी, जे. एल. गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इरामे उपाबद्ध अनस्ची में और एर्ण रूप में बर्णित तै), रिजट्रीकर्गा अधिकारी के कार्यालग जालन्थर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन, तारील मार्च, 1982

को पर्नोक्त मम्पित्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमि दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रार प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फन, निम्नलिमिन उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों इवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् '——

- १ श्री दीपक संट प्य राम ल्वया शीमती श्कला संठ पत्नी राम ल्वया वासी बाजार शेला जालन्थर ।
 (अन्तरक)
- 2 नरनव्य आर्ड टी यो इन्जियरिंग वर्कांस जी टी. गड जालन्थर ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 म लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं किच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रिंग किसी सन्य व्यक्ति दुवारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अर सकेंग ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख न 78 विनाक अप्रैल 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जानन्तर सा निका गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982 मोहर .

प्ररूप कार्ड. टी. एम. एस.-----

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवस्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3565--यतः म्भे,

जे. एल. गिरधर,

नायकार निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕-,रतः से अभिक ह

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मे लिखा है, तथा जो गांव मिठापूर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबस्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1982 को पूर्वाक्त संपत्ति को उक्तित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उत्दर्भय से उक्त अन्तरण निवित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गवा है ः---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, मौर/वा
- (व) ए'ती किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

क्य: क्य, जनत विधियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिधित स्थितमाँ, अर्थात्:---

1. श्री सवर्ण सिंह, वासी गांव मीठापुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्रीहरबन्स सिंह, श्री अजीत सिंह सुपुत्र श्री कर्म सिंह, वासी मिठापुर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. ओ व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति भे हितबद्ध है)

को यह सूचनाजारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधनियम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7360 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा गया है ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.--

आयंकर भीवित्रियम, 1961 (1961 का 43) को भारा १५५०-१ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गंज, जानन्थर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

शिदाश न ए पी. नं 3566—स्वत म्फे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हो कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैंसा विष्ठ अन्सूची में लिखा है, तथा जो माइल टाउन्न, होशियारपुर में म्थित है (और इसस उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबता. उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोन के जन्तरक के दर्शियत्व में कभी करने या उसम बचन में सुविधा के लिए ब्रॉर/मा
- (ख) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा कार्य.

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीर निम्नानिश्चित न्यक्तियों अधित :-15--386(1 82 श्री अमर सिंह पृत्र
श्री मस्तान सिंह, वासी
बगाना, पी. एस. फगवाडा,
जिला कपूरथता।

(अन्तरक)

- 2. श्री अजीत सिंह जिखा प्त श्री हजारा सिंह, वासी 5 सतल्ज मार्कीट, जी. टी. शोड, जालस्थर। (अन्तरिती)
- 3. जैमा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्द्रभ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5069 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारप्र में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

माहर :

प्रमण आहाँ टो एन एम -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदाेश नं . ए . पी . नं . 3567—यतः म्फे, जे . एल . गिरधर ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है, तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजम्ट्रीकरण अधिगियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उसस बचन में स्विधि। के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था किया जाना चाहिए था, स्थियान प्रीमिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिरियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः ---

श्री टोक सिंह पृत्र
 श्री जंग सिंह, वासी
 गांव कोतीवाल, तहसील भटिंडा ।

(अन्तरक)

 श्रीमती नराजन कार बेटी श्री अमर सिंह एव श्री करतार सिंह, वासी भटिषा।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारी सं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नः 7339 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया **ह**ै।

> जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी. सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}जे, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्ररूप आहर्.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

ብር ነ 1 ሚኒ/ር

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रांज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 3568--यतः मूक्ते,

जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैमा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य से कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण -, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) र अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री टेक सिंह पृत्र
 श्री जंग सिंह, वासी गांव कोतीवाल, तहसील भटिंडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती निरंजन कारे बंटी श्री अमर सिंह पूत्र श्री करतार सिंह, वासी भटिंडा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारं मं अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्फन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस स्ध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7501 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्रक्प नार्डं. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **घारा 269-घ (1) के अधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्धां न ए पी नं 3569—यत म्भे, जे एल गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और

भटिडा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए; और/या

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात .—— । श्रीबूटा सिंह पुत्र श्रीकुन्बा सिंह, वासी भटिंडा।

(अन्तरक)

श्री भगत सिंह प्त्र श्री बहाद्दर सिंह, म्यूनिसिपल कमीश्नर कोपार्राटव्हा, बहलीवाल झासपोर्टी, नजदीक कमल सिनेमा, भटिंडा, और श्रीमती रोता पत्नी श्री दर्शन क्मार, म न 476, उरबन इस्टिट, माइल टाऊन, भटिंडा।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर न 2 म लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जा व्यक्ति सम्पत्ति मा रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितवब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलस र 7537 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा स[ा] लिखा गया है।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

तारील 12-11-1982 मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आपकर अस्विन्यमः (95) (1951 की 14) की सार्वित्र विकास

भारत मरकार

कार्यालय सहायक अध्यकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन गज, जालन्धर

जालन्भर, दिनाक 12 नगम्बर 1982

निद्धान ए पी न 3570—यत म्कें, ज एल गिरथर, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम

ध्सक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 20,9-ब न जर्न एक्षम प्राथ प्रशंका या प्रियम करने के कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ राज्य अधिक ही

और जिसकी सं जैसा कि अनुसची मा लिखा है, तथा जा भटिड़ा मा स्थित है (और इसस उपाबद्दश अनस्ची मा जीर

पूर्ण रूप स निष्यत है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, भटिडा के रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 टी 16)

के अधीन, दिनाक गान, 1982

को पूर्वोक्त सपरित के उचिन बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचिन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफात में, एस दश्यमान प्रतिफात का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के प्रीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियन उद्देश्य में उक्त अन्तरण में लिखिट वास्तिक रूप म को थान नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण म हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के गोयत्व म तक। अपन । उसके क्षेत्र में मूं। कोलए और या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य अग्निया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नियम को लिए,

अत अब, उक्त आधिनियम को धारा 269-ग को अन्सरण भा, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:---- । श्री जचन सिंह पृत्र श्री क्-स्यासिंह, बासी भटिडा।

(अन्तरक)

2 श्रीमनी राटा सिंह पत्नी श्री दर्शन क्यार, और श्रीमनी नीलम सिंह पत्नी श्री स्परन्द्र प्रकाश, वासी म न 476, उरवान इस्टिट, माइल टाउन, भटिंडा।

(अन्तरिसी)

- 3 जैसा कि उत्पर न 2 म लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)
- य जा व्यक्ति सम्पत्ति मा रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों मा अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मा हिनबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके प्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा त्यक्ति जैसा कि विलस न 7538 दिनांक मार्च, 1982 का रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा म लिखा गया है।

जे एल गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

तारीय 12-11-1982 मोहर .

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निदंश न ए पी न 3511---यत मुक्ते, ज एल गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रु से अधिक है

और जिसकी म जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सूबिभा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

> श्री बाब सिंह प्त्र श्री सवर्ण सिंह, वासी चन्दसर बस्ती, भटिंडा।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री दिवन्द्र कामार पूत्र श्री कश्मीर सिंह, वासी गाव काूल, जिला भटिंडा,
 - (2) श्री फकीर चन्च प्य श्री लाल चन्द, वासी बुदलाडा मण्डी,

- (3) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश, वासी बदलाडा मण्डी,
- (4) श्रीमती अगराज कौर पत्नी श्री नयैंब सिंह, वासी गाव किंगराम, तहसील फरीदकांट,
- (5) श्रीमती गुरदियाल कार पत्नी श्री कल्ववन्त सिंह, वासी भटिडा,
- (6) श्री गुरनाम सिंह प्त्र श्री ग्रद्धे सिंह, वासी गाव जोगानन्द, जिला भटिङा,
- (7) श्री प्रेम क्मार प्त्र श्री साखी चन्द, वासी भटिंडा,
- (8) श्रीमती रणजीत कार पत्नी श्री हरदियाल सिंह, वासी गाव बेगनवाला, जिला भटिंडा,
- (9) श्रीमती गुरदीप कार पत्नी श्री माहिन्द्र सिंह, वासी गाव जलबहोरा।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उत्पर न 2 म लिक्षा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)
- 4 जा व्यक्ति सम्पत्ति मं रुजि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे मं अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हाँ।

भन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख न 7712 दिनाक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस 12-11-1982 मोहर

प्ररूप आर्द्द टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नथम्बर 1982

निद^{क्षे}श र पी न 3572--यत म्भे, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी स जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो भटिड़ा मा स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिड़ा मो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं, किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के सिए, और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- 1 श्रीहरबन्स सिंह प्त्र श्रीहरी सिंह, वासी

(अन्तरक)

श्री दर्गा द्वास पूत्र श्री हस राज, श्री अमरीत लाल प्त्र श्री मोहन लाल, श्री नवल किशोर प्त्र श्री सेवा लाल, श्री अजय क्यार प्त्र श्री किशन कमार, वासी भटिका।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति मम्पत्ति में रुचि रसता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्द्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राज्यक्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में में में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तियां.
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्तित जैसा कि विलेख न 7731 दिनाक मार्च, 1982 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया है।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

सारील 12-11-1982 मोहर प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद³⁶श नं. ए. पी. न. 3573---यत मुक्ते, जे. एल. गिरक्षर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-त. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्मूची म लिखा है, तथा जो भटिड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिड़ा में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के जिए सौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में न्रिया से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- । श्री हरी सिंह एव श्री काला सिंह, बाभी भरिजा।

(अन्तरक)

 श्रीमती स्खजीत कार पत्नी श्री ग्रदीप सिंह, एडवाक्तेन, वासी गांग बीसीआना, नहसील भटिंडा।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति स् रुचि रुवता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार सं अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हिनबद्द्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाहियां शुरू करता हुई।

उक्त मुम्पिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाकत व्यक्तिगों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्**ची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विल्प्य नं 7732 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीतर्ना अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर स्थाम पाधि । र पहासा अवस्य प्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन राज, जालन्धर

लागील . 12-11-1982 मोहर ' प्रकष भाषं• टी• एत• एस•---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवस्वर 1982

निद्धां नं. ए. पी. नं. 3574---यतः मृभ्ते, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गांधिकारों को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति जिलका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का खाँचन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐम दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितयों) क बीच ऐस भन्तरेण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचिन हे हेश्य मे उक्त भन्तरेण निखिन में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण में हुउ किया ग्राय को बावत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायक्त में कमी करने या उसमे बचने में मुबिधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्वित्यम, या त्रन-कर श्रिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

सतः जय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के जन्हरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा /1) के अधीन निम्मलिसित व्यक्तियों, अधीत् :— 16—386GI/82 श्री रिजन्द्र सिंह पृत्र
 श्री शरम सिंह, दासी
गांव जोदपुर रोमाना, तहसील भटिखा।

(अन्तरक)

 श्री सुरजीत सिंह,
 श्री जगजीत सिंह,
 श्री गुरबेच सिंह सुपूत्र
 श्री निहाल सिंह, बासी भटिखा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उना समात्ति के प्रजेत के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पवटीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सक्षि -नियम के व्यव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो अम अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7734 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस : 12-11-1982

प्ररूप माई.टी.एन,एस. ------

अगरकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के घन्नीन सूच**ना

भ-रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

निद^{न्}श नं. ए. पी. नं 3575---यतः म्_रके, जे. एल. गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकन अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका खिचन बाजार मूहर 25,000/- दे से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में सम्मितक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में इंदिकिसी प्राय की बादत उपन आदि। नियम, के घ्रधीन कर देने के न्तरक के बाबिस्थ में कसी करन या उपमें चचने में सुविधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसा किनी आर रा किमा धन या खण्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकटनहीं किया गया था या किया जाता खाहिए था, ख्रिपाने में मृविधा ह लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री अजमेर सिंह प्त श्री बृटा सिंह, वासी मंहना चौक, भटिङा।

(अन्तरक)

(1) श्री दोगी वयान,
 श्री रहप चन्द,
 श्री नन्द किशोर स्पृत्र

श्री संतराम, वासी जैतो मण्डी.

- (2) श्री ओम प्रकाश प्य श्री सन्त राम,
- (3) श्रीमती शान्ति वंधी पत्नी श्री साध्राम पृत्र श्री संत्र राम, वामी जैतो मण्डी,
- (4) श्रीमती माग देवी पत्नी श्री लक्ष्मण दास पूत्र श्री सहेज राम, वासी बुदलाडा, तहमील मानमा, जिला भटिका।

(अन्तरिती)

- असा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय बें दिया गया है।

अन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7737 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा गया हैं।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

ता**रीख**ः 12-11-1982

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्थर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्दोश स ए. पी. नं. 3576—यतः मुक्ते, जंएल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा भटिन्डा मो स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और एर्ण कर मा विजित है), राजिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री भगवान सिंह पुत्र मदन सिंह मूब्तियार-ए-आम भृपिन्द्र सिंह पुत्र वासी कोठी अमरपुरा (वैकसाईड थरमल कलोनी) भंटिङा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री तरणवीर सिंह पुत्र परदामन सिंह
 - (2) अमरजीत करि पत्नी गुरमील सिंह
 - (3) रोशम सिंह पुत्र चनन सिंह
 - (4) मैजर सिंह पुत्र बचन सिंह
 - (5) अमरीत बाला पत्नी ओमप्रकाश
 - (6) बरजिन्दर सिंह पुत्र नंरग सिंह वासी भटिन्डा । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रसता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहरताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क म परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 778? दिनांक मार्च 1982 को राजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भटिन्डा मे लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

नारीख : 12-11-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवर्षेश सं. ए. पी. नं. 3577—स्तः मूक्ते, अरे. एल. गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित हैं), रिजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सतपाल जिन्दल पुत्र पियारा लाल म्खितयार-ए-आम परमात्मा देवी उर्फ प्रमोद लता गाव भीसी जिला भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती भगवान कौर पत्नी रणजीत सिंह वासी गांव रोमाना अलबेल सिंह तहसील फरीदकोट । (अन्तरिती)
- औसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन सची

संपति तथा स्यक्ति जैसा कि विलेख 7783 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्री कर्सा अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है। णे. एल. गिरधर

ज एल । गरेवर संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

तारीख: 12-11-1982

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवाश सं. ए. पी. न. 3578---थतः मूर्फो, ज. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जे भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिय में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया नया है:- -

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाजन, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किमी भाग या किसी छन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- श्री सतपास जिन्दल पृत्र पियारा लाल मृश्लियार-ए-आम परमात्मा दोवी उर्फ प्रमोद लता वासी गांव भीसी तहसील भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्री मोहिन्द्र सिंह, बलबीर सिंह सप्त्र बृद्ध सिंह गांव मिट्टू खेड़ा तहसील मुक्तसर जिला फरीवकोट (अन्सरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दवागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों की, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धन्स्थी

सपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 7784 दिनाक मार्च , 1982 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एस. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीच . 12-11-1982 मोहर .

प्रकप भाइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, बिनाक 12 नवम्बर 1982

निद्येश स ए पी न 3579—स्वत मुक्ते, ज एल गिर**धर**.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रह. से अधिक है

अरि जिसकी स. जैसा कि अनुसूची मो लिखा है तथा जा भटिन्छा मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप नो विणत है), रिजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मारिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दास्य स उक्त अन्तरण लिम्ल म वास्पविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आ धीनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे वभीन, निम्नकिषित व्यक्तियों अर्थातुः-- श्री अजमरे सिंह पृत्र बूटा सिंह बासी मेहना चाँक भटिन्छा।

(अन्तरक)

श्रीमती राज रानी पत्नी अशाक क्मार (अन्तरिती)

(2) मोहन लाल पुत्र मुन्शी राम

(3) विद्यावती पत्नी मोहन लाल

(4) अमरजीत सिंह अरोडा पुत्र बलबीर सिंह

(5) बरिन्द्र कुमार शर्मा पुत्र गगा राम

(6) शकुन्तला रानी पतनी विजय क्यार वसरा वासी भटिन्डा।

(7) करनैल सिंह रतन पुत्र जगीर सिह

(8) जसबीर कार परनी केरनैल सिह्रेरतन तमी गांव तखान वाला तहसील माँगा।

3 जैसाकि उत्परन 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सपत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे मं अधाहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगैं।

स्पव्यक्तिरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

सपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख न 7793 दिनाक हार्ब, 1982 को रजिस्ट्री कर्सा अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है। जे एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

तारी**ख** 12-11-1982 मो**ह**रः

प्रारूप भाई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निदोश स ए पी न 3580--यत मूभ्हें, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अनुसूची में लिखा है नथा ज भटि-डा में स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचिन वाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अन्तरने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

1 भगवान सिंह पुत्र मधन सिंह म्बितयार-ए-आम पुत्र भूषिन्द्र सिंह वासी कोठी अमरापरा (बैंक साइड थरमल कलानी) भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2 श्रीसृरिन्द्रकनुमारपुत्रसाहनलाल
 - (2) कृष्ण कुमार पुत्र कुन्दन लाल
 - (3) पवन का्मार पुत्र जगन नाथ
 - (4) रमेश कामार पृत्र जीवा राम वासी भटिन्डा। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्परन 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)
- 4 जा व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णेक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सपित तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख न 7848 दिनाक मार्च, 1982 को रजिस्ट्री कर्ताअधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस 12-11-1982 मोहार प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निविधा सं. ए. पी. नं. 3581--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिलपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख मार्च 1982

का पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्रा) एरेसी किसी आय या किसी धन या अम्य अपस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-अ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सुजान सिंह पुत्र गुरबचन सिंह राखी मुस्लियार-ए-नाम जानकी दोबी परनी बलयन्त सिंह वासी कामार डुबी जिला धनबाद (बिहार) ।

(अन्तरक)

श्रीभाग सिंह पुत्र सुचेत सिंह वासी इब्ल्यु-23, ग्रेटर कौलाशाल्यु बहेली।

(अन्तरिती)

- 3. औसा कि उत्पर न . 2 मे लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशनुकी तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किसी ज्न्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वदिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रा

संपत्ति तथाव्यक्ति जैसाकि विलेख न . 7864 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया **ह**ै।

> जे एत. गिरभर प्राधिकारी सक्षम सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज. जालन्धाः

ना**रीख** 12-11-1982 मोहर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदोश सं. ए. पी. नं. 3582---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मों लिखा है तथा जो भटिन्छा मों स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप मों विषत हैं), रिजट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---17---386GI/82 श्री स्जान सिंह पुत्र गुरबचन सिंह राखी मुस्तियार-ए-आम सतवंत कार पत्नी आगिया सिंह जसविन्दर सिंह पुत्र हरबंस सिंह वासी कुमार अ्बी जिला धन-बाद (बिहार) ।

(अन्तरक)

 श्री भाग सिंह पुत्र सूचेत सिंह वासी डब्ल्यू-23, ग्रेटर कैताश न्यू दोहली।

(अन्त**िरती**)

3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसुची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 7865 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्<mark>डा में</mark> लिखा गया ह[ै]।

> जे. एन. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

नारी**ल** : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 नवस्बर 1982

निविशे सं. ए पी न 3583--यतः मुभ्ते, जे. एल. गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुज से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे उसरण के लिए ते पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की गायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

असः अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :--- श्रीमती शीला देवी पत्नी प्रीतम चन्द पुत्र लाल चन्द वासी भटिन्डा।

(अन्तरक)

2 श्री प्रदीप कुमार मलहोत्रा पृत्र श्री क्ष्य चन्द्र कोपोरेटिव रोसेला रेस्टोरेट नजदीक रेलवे स्टोशन भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उज्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (ब्रह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबय्थ है)

को यह स्पना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यों

सपित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7918 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यात्य जैतों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या जन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

 श्रीमती कृपाल कार बेटी संत सिह पृत्र गूरमृख सिंह वासी, जीतो।
 (अन्तरक)

2. श्री सुखजीत कौर पत्नी हरचन्द्र सिंह पृत्र शेर सिंह वासी गाव समाध भाई तहसील मोगा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

 आं व्यक्ति सम्पत्ति मं रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 1836 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक बायकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन निम्नीजीक्त व्यक्तियों, जर्मात् :——

तारीस : 12-11-1982

प्रकप आई० ही० एन० एस०----

भायकर विश्विषय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के यधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्येश सं. ए. पी. न. 3585---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपमें से धिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कायालय जैतो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

. को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की महाँ हैं और मुक्ते यह विषयास मून्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की धायित्व में कभी करने या उसले बचने में सुविभा के लिये और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन जन्म जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वय, उसत मिनियम, की भारा 269-ए के बनुसरण में, मैं, उसत निभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बभीन निम्मलिस स्थितियों जभौत् :--- श्रीमती गुरिवयाल कार बंटी संत सिह पुत्र गुरमुख सिंह वासी जैता।

(अन्तरक)

2. श्री हरचन्द सिंह पुत्र शरे सिंह पुत्र दीवार सिंह वासी गांव समाध भाई तहसील मोगा । (अन्तरिती)

- 3. औसा कि उत्पर नं. 2 में निसा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त अमरति के पर्वेत है अम्बर्ध में होई मा प्राक्षेत:-

- (क) इप सूजना के राजपत में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की धवधि या तरसंबंधो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम के भन्नाय 20-क में परिधाकित है, वही अर्थ होगा, जो उस अञ्चाय में दिया गया है।

बन्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 1864 विनांक मार्च , 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहामक जामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालस्थर

तारीच 12-11-1982 मोहरू प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

निवोश सं. ए. पी. नं. 3586---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से स्वतः अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर वचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितो दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अस, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्रीमती वलजीत कार विश्ववा सत सिंह पुत्र ग्रम्थ सिंह वासी जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री हरचन्द सिंह पृत्र कोर सिंह पृत्र दीवार सिंह गाँव समाध भाई तहसील मोगा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में कवि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तक कि विधिनयम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मू भी

संपरित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1865 दिनांक मार्च 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैता में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीव : 12-11-1982

मोहरु 🖫

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 नवम्बर 1982

निदंश सं. ए. पी. नं. 3587--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरक्षर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जैतों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारील मार्च 1982

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, जियान म सुविधा के लिए:

 श्रीमती हरिदयाल कारे पत्नी संत सिंह पुत्र गुरमन्य सिंह वासी जैता ।

(अन्सरक)

श्री हरचन्द सिंह पृत्र कोर सिंह पृत्र दीदार सिंह वासी समाक्ष भाई तहसील मोगा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीस स'
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिलब्र्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गसा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख नं . 1866 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे. एलं. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ता**रीख**ः 12~11-1982

मोहर .

प्ररूप आर्च . टी . एन . एस . -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अजीत सूचना

सर्ग सरनार

कार्यालय, महायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवंश मं ए पी. नं. 3588--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

बायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पत्रम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/-वन से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैसों में स्थित हैं (और इससे उपाइद्देध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक म्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ितिमी प्राप्त किसी धन या धन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनायं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया राजा चाहिए था, छिपने में सुविधा के निका

कतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्। --- श्रीटेक सिंह पुत्र संत सिंह पुत्र गुरमुस सिंह वासी जैता।

(अन्तरक)

 श्री हरचन्द सिंह पुत्र कोर सिंह पुत्र दीदार सिंह भाव समाध भाई तहसील मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 मी लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मी संपत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पित्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश्विनयम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 1867 दिनांक मार्च 1982 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे. एस. गिरशर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

नारीय : 12-11-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3589—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गुरदेव सिंह पुत्र संत सिंह पुत्र गुरमुख सिंह निवासी जैतो।

(अन्तरक)

- 2. श्री हरचन्द सिंह पुत्र शेर सिंह पुत्र दीदार सिंह निवासी समाध भाई तहसील मोगा। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो ठ्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में 'से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1868 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3590—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त-विक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित ध्यिक्तयों, अर्थात् :---18—386 GI/82 श्री हरनेक सिंह पुत्र संत सिंह पुत्र गुरमुख सिंह यासी जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री हरचन्द मिह पुत्र णेर सिह पुत्र दीदार सिंह वासी समाध भाई तहसील मोगा, मार्फन आर० के० बादम एण्ड कम्पनी चारटड कोन्टार्टेस कमरा नं० 2 पलोर नं० 9 तार देव एयरकडीशन मार्केट तारदेव रोड. वस्बे।

(अन्तरिती)

2. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 1869 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो मे लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3591—यतः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूती में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवरवास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री निदान सिंह पुत्र जय सिंह वासी ई०-एस० 248 नकोदर रोड़ जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री दीपक कुमार पुत्र केदार नाथ वासी सी०-23 माडल हाऊस जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- 3. (1) श्री बलदेव रुबानी एण्ड कम्पनी।
 - (2) गुरदयाल सिंह व राम आसारा गुरुनानक ढाबा।
 - (3) डा० जी० एस० जोहल व कर्मचन्द।
 - (4) श्री रमेश कुमार।
 - (5) श्री राज कुमार व धन सिंह।
 - (6) श्री देस राज व बार्के लाल।
 - (7) विजय कुमार व बाक लाल।
 - (8) श्री प्यारा सिंह राधे हेयाम।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 252 दिनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3592—यतः मुझे जे० एस० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अप्त. अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री ईन्दर सिंह पुत्र जय सिंह वासी ई०एस०-248 नकोदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री कपिल देव पुत्न केदार नाय, वासी सी०-23 माडल हाऊस जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है तथा निम्नलिखित हैं

- (1) बलदेव रूबानी एण्ड कम्पनी।
- (2) श्री गुरिवयाल सिंह व राम आसारा गुरुनानक ढाबा।
- (3) डा० जी० एस० जोहल व कर्मचन्द।
- (4) रमेश कुमार।
- (5) श्री राज कुमार व धन सिंह।
- (6) श्री देस राज व बांके लाल।
- (7) श्री विजय कुमार व बाकों लाल।
- (8) श्री पियारा सिंह व राधेश्याम। वासी ई० एस० 248 नकोदर रोड़ जालन्धर।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 254 दिनांक अप्रैल, 1982 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज जालन्धर

तरी**ज**ः 16-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3593-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख स्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियो, अर्थात् .—— 1. श्री नरंजन सिंह पुत्न जय सिंह वासं। ई०-एस० 248 नकोदर रोड, जालन्धर

(अन्तरक)

2 श्रा अनोल कुमार पुत्र केदार नाथ वासी सी०-23 मार्डल हाऊस जालन्धर।

(श्रन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है निम्नलिखित हैं

- (1) मैसर्स बलदेव रूबानी एण्ड कम्पनी।
- (2) श्री गुरदियाल व राम श्रासारा गुरनानक ढाबा।
- (3) डा० जी० एस० जोहस व कर्मचन्द।
- (4) श्री रमेश कुमार।
- (5) श्रा राज कुमार व धन सिह।
- (6) र्था देस राज व बांके लाल।
- (7) श्र विजय कुमार व बांके लाल।
- (8) श्री पियारा सिंह व राधेण्याम। वार्स। ई० एस० 248 नकादर रोड़ जालन्धर। (बे व्यक्ति, जिनके ग्रिधिभोग में मम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारेमे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना क राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 254 दिनांक ग्राप्रैल, 1982 को रजिस्टोकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निर्देश स० ए० पी० न० 3594--यत मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्राकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख मार्च 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अतरक (अतरको) और अतरिती (अतिरितियो) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उदद स्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.——

- (क) अतरण से हर्द्द किसी आयं की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- 1 श्री लक्ष्मण सिह् पुत्र ठाकर सिंह वासी जिंदयाला। (धन्तरक)
- 2. श्री भूरसैन जोगता पुत्र पुरन चन्द (प्रोपर्टी ड लर) हिन्द समाचार स्ट्रीट जालन्धर।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण — इसमा प्रयक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7371 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज, जासन्धर

तारीख 16-11**-198**2 मो**ह**र प्ररूप आईटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3595----यतः मुझे जे० एल० गिरघर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बठिडा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बठिडा में रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अत्र, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रा बंत राम पुक्ष शारा राम बटिडा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमतो हरमिन्दर पाल ढिलो पत्नी जरनैल सिंह बठिडा। 1/2
 - (2) श्रीमती ग्रमीता चीमा पत्नी भूपिन्त्र पाल सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह वासी बॉटेडा। (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानका है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7159 विनांक मार्च 1982 को रजिट्रीकर्सा ग्रिधिकारी बठिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 12-11-1982

प्रेरूप और्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पो० नं० 3596—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय बठिंडा में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार ख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरितों की गई है और मुक्ते यहिवदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ज्ञान सिंह पुल श्रर्जन सिंह गांव भगवान गढ़ बठिडा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती दर्शन कौर पुत्री चान्य मिह वासी गांव विर्क खुर तैह० बठिडा।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्राघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है) को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

कार्यवाहियां करता हां।

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममस ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7174 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्रीक्टर्ता प्रधिकारी बर्ठिडा में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

নাব**েজ** 16-11-1982

प्रकप बाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर व्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जासन्धर, दिनांक 16 नवस्वर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3597—यतः मुझे, जे० एल० विरश्चर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि धनुपूची में लिखा है तथा जो बिंडडा में स्थित (श्रौर है इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बिंडडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने से सूविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

भतः अय, उथन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- .1. श्री कुलवेत राय पुत्र वलैती राम वासी मोगा। (श्रन्तरक)
- श्री गुरदेव सिंह पुत्र करतार सिंह वासी गाव अकनवालः तहसील मोगा।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृवांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इत्से प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क सें परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7256 दिनांक मार्च, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी (बठिंडा में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

मोहर 🖫

प्रकप बाई • टी • एन • एस • —--

श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269 च्च (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3598—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर

वायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बिंठडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बठिंडा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मुल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : ---19-386 GI/82

- 1. श्री दर्शन कुमार उर्फ सुदर्शन कुमार मितल कोपरेटव मितल फरनीचर हाऊस सिरकी वाजार बठिंडा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दीना नाथ पुत्र किशोर चन्द गुरदेव सिंह पुत्र पगार सिंह बठिंडा।

(ग्रन्नरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

का यह सचना जारी कर के पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए एसव्द्वारा कार्यवाष्ट्रियां कारता हुं।

उन्त सम्पति के कर्बन के संबंध में होई भी आक्षेप !----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धविष, जो री धविष बाब में समाप्त होती हो, क भीयर पूर्वोका वर्गकायी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्यन्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में हिए रा मकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याप 20-斬 परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो श्रध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7637 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्दीकर्त्ता प्रधिकारी बठिडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० नं० ए० पी० नं० 3599—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो कादीयावाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती ग्रदम कौर विधवा प्यारा सिंह वासी गांव काविया वाली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिवराज ग्रगर पन्नी चमनलाल ग्रगर पुत्र साधू वासी कडियावाली तहसील जालन्धर ग्रौर चमन लाल ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना **जारी करके** पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां **शुरू कर**ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7455 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

शरूप आइ .टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3600—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो काडीया वाली जालन्धर में स्थित हैं (ग्रोर ५ससे उपायक ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया पया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिम मिस्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री दिदार सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी गांव कडिया-वाली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शिवराज श्रगर पत्नी चमन लाल वासी जवाहर नगर जालन्धर श्रीर चमन लाल ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में विया गया है।

वन्स् ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7456 दिनांक मार्च 1982 की रजिस्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरध.र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० ए० पी० न० 3601—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कादियावाली जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिंश्त उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिंश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —— श्री संतोख सिंह पुत्र पियारा सिंह वासी गाव का दिया-वाली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिवराज पत्नी चमन लाल ग्रगर न्यू जवाहर नगर जालन्धर। (ग्रोर चमन लाल कादीया-वाली)

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०.7458 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

गारीख: 16-11-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी०नं० 3602—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कादीयावाली जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दीदार सिंह पुत्र प्यारा सिंह नासी गांव करिया-वाली।
 (ग्रन्तरक)
- श्रीमती शिवराज ग्रगर पत्नी श्री चमन लाल ई० टी० सी० न्यू नगर जवाहर जालन्धर ग्रोर चमन लाल कादीयावाली।

(अन्तरिती)

- 3, जैसा कि ऊपर 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा हैं।

अनुस्थी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7926 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जै० एल० गिरधर संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

ि निर्देश सं० ए० पी० नं० ३६०३—यतः मुझे, जे० एल०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कादीया-बाली जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्ने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री संतोख सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी गांव कर्डिया-वाली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिवराज श्रगर पत्नी चमन लाल ई० टी० सी० वासी न्यू जवाहर नगर जालन्धर श्रौर धमन लाल कादीया वाली।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7927 दिनांक मार्च 1982 की रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

नाराब : 16-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए०पी०नं० 3604—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बठिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निः लिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री निहाल सिंह निवासी बठिडा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शाम लाल पुत्र चरणजी लाल पुत्र जोती राम श्रीमती कान्ता देवी पत्नी श्री शाम कोपरेटिय मास्टर शाम लाल कोर्ट रोड़ नजदीक न्यू बस स्टैंड बठिंडा।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7401 दिनांक मार्च, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी बठिंडा में लिखा गमा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3605—यतः मुझे, जे०एल० गिरधर

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बठिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रो मेजर सिंह निहाल सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी गाव वहीं गिल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरंजन सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र मुक्तन्द सिंह बठिंडा 2/3 प्रजैब सिंह पुत्र हरचन्द सिंह 1/3 वासी बिटंगे।

(भ्रन्तरती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 7525 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी बठिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आहु[‡]. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश मं० ए० पो० नं० 3606—यत मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मलौट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मलौट में रिजस्ट्रींकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई तै भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अग्निनयम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम 192? (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 209-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ह अफ़ीम निम्नलिखित व्यक्तिमी श्रर्थातः— 20—386 GI/82 शः मंगत राए पुत्र तुलमः दास पुत्र गोपं। चंद,वासी श्रबोहर वार्ड नं० 3, तहर्मः ल फाज्लिका, जिला फिरोजपुर।

(श्रन्तरक)

2 जमपाल सिंह पुत्र इन्दर सिंह, वामी विरक खेडा, तहसील मुक्तसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० दो में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति मे कचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिनबद्ध है)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
 दितकद किसी मन्य व्यक्ति ग्रारा, मधोहरूताक्षरी
 के पाम निकात में किए जा सकेंगे

प्रकाशिकरण :-- इसमें प्रयुक्त जान्दों भीर पदों का, को उन्त प्रक्षितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहों ग्रम होगा जो उस ग्रम्थाय में दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2624 दिनाक मार्च 1982को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलीट मे लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर भक्षम प्राधिकारः महायक आयक्त अधुक्त (निरक्षण) स्रजनरेज, जालन्धर

नार।ख 17-11-1982 मोहर प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. -----

भागकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रंभीन स्वना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982 निर्देश सं० ए० पा०नं० 3607----यतः मुझे, जे० एल० गिरुधर.

सायकर सिंपित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कारे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूच। में लिखा गया है तथा जो मलौट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय मलौट में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृत्य से कम के ध्वमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कि संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे ध्वयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उक्वरेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप म कथित नहीं किया गया है:---

- (म्क) अन्तरण सं हुम किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के किए; बौह/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उना अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुदिधा के लिए:

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सरसवता पुर्ता तुलसी दास, वार्स। वार्ड नं०
 प्रबोहर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नष्ठात्तर सिंह, थाना सिंह पुत्र बलविंदर सिंह, वार्स। विरक खेड़ा, तहर्स!ल मुक्तसर।

(भ्रन्तरितः)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पित्त हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए हा सक्ती।

स्थळिकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उत्सत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

मनुसूची

सम्यक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2644 दिनांक मार्च 1982 को रिजस्ट्राक्ती अधिकारी मलौट में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 17-11-1982

मोहरः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 17 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3608—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि शनुसूचा मे लिखा गया है तथा जो मलौट में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची मे श्रौर पूणरूप से वर्णित है), रजिस्ट्राक्ती श्रधिकारों के कार्यालय मलौट में रिजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह⁷ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रा जुगशण सिंह पुत्र अर्जुन सिंह वर्ष मलीट गांव लीग इ तहसाल दबवाली जिला सिरसा।

(अन्तरक)

 श्री गुरबचन सिंह पुत श्रीया सिंह श्रीर चरनजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह वासी मलौट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में सिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि ग्खता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उ्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3608 धिनांक मार्च 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मलौट मे लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जाल**न्धर**

सारीखाः 17-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई ुटी. एन्., एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3609---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूबि से लिखा है तथा जो मलौट में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार। के कार्यालय मलौट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्डि/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- गुरजन्त सिंह दर्शन सिंह पुत्र मान सिंह गांव मलोट।
 (ग्रन्तरक)
- श्री गुरचरन सिंह पुत्र मुख्यतार सिंह वासी खुडिया गुलाब सिंह तहसील मुक्तसर।
 (ग्रन्तरिती)

3. जैसा के ऊपर नं० 2 में लिखा है।

- (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह राम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, भी भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2722 दिनांक मार्च 1982 को ॄरिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मलोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारी**ख**: 17-11-1982

प्रारूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज , जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 17 नवम्बर 1982

निदेश म० ए० पी० 3611—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलौट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्प में बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित को गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, एसे दृश्यमान प्रतिफान के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री कृष्ण कुमार पुत्र तुलसी दास वासी वार्ड नं० 3 ग्रबोहर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगपाल सिह पुत्र इन्दर सिह ग्रौर नछीतर सिह ्थाना सिह, पुत्र बलवीदर सिह वासी विरक खैरा तहसील मुकतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पित्त हैं)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेम्साक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरों।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 2625 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी मलौट में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जासन्धर

तारीख : 17-11-1982 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 17 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3610--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त घिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जबः, उत्ततः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उत्ततः अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सुधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, वृधीत् क्रि— 1. श्री भगवान सिंह पुत्र मदन सिंह मुख्यतार-ए-भ्राम डीभरपूर सिंह, कोठी भ्रमरपुरा, पीछे धर्मल कोलोनी भटिण्डा।

(भन्तरक)

- 2. (1) नछतर सिंह पुत्र नाजर सिंह
 - (2) श्री रिजन्द्र सिंह।
 - (3) श्रीमती शांति देवी पुत्नी रती राम।
 - (4) नवल किशोर पत्नी राम कुमार।
 - (5) श्रीमती दीपक रानी पुत्री पी० ग्रार० सिंह।
 - (6) श्री भिपन्द्र सिंह पुत्र नरायण सिंह।
 - (7) श्री नीलम भाटिया पूत्र बालकृष्ण भाटिया।
 - (8) श्रीमती परसीन कौर पत्नी बलदेव सिंह भटिण्डा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के प्रजेत के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीत सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकती।

सम्बद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त ख्रम्बां और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विशासया है।

अनसची

्रव्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7913 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्वर

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

आयक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवस्थर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3612—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण िलिख में बान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किमी भ्राय का बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीत चर बेते के खन्तरक के बायित्व में कमी करते या उससे बचने में मुविधा के लिए; वौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भाषकर भिक्षित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं तिथा यथा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रशिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, दक्त प्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- चोख्राम पुत्र हीरा लाल वासी सिरकी बाजार, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

- (1) म्रनिल कुमार भ्रम्रवाल पुत्र देव विरात भ्रम्भवाल वासी जगराभ्रो।
 - (2) श्री राम धन धीर पुत्र गुरवियाल मल धीर अगराश्रो।
 - (3) श्री प्रवीप कुमार शर्मा पूत्र केवल कृष्ण शर्मा।
 - (4) श्री वेद प्रकाण ग्रौर सुरिन्द्र कुमार पुत्र हेम राज।
 - (5) श्री परणोतम लाल, दर्शन कुमार, रमेश कुमार श्रीर कृष्ण कुमार पुत्र ग्रात्मा राम।
 - (6) श्री परशोतम लाल पुत्र ग्रात्मा राम ।
 - (7) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी बनारसी दास वासी भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं !

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, णो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7869 of March, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्रकप् काइ. टी. एन्. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3613—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (थ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णिन है), र्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/सा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्री बाबू सिंह पुत्र सवरण सिंह मीना मोहल्ला भटिण्डा मुख्यतार-ए-आम पुत्र मेजर सिंह। (अन्तरक)
- श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी सुखमहिन्द्र सिंह भई का पासर, (2) कुसम लता पत्नी सभाष गर्ग।
 - (3) श्रीमती सीता देवी पत्नी प्रेम कुमार।
 - (4) श्रीमती सरफी देवी पत्नी तोर्थ राम बासी मानसा मण्डी।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 13 दिनांक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 17 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० 3614—यतः मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. मे अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क्क) अन्तरण से हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा क्रेलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 21—386 GI/82

- 1 श्री विजय कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत ओम प्रकाण सोम चन्द, अमरीक सिंह रोड, भटिण्डा। (अन्तरक)
- 2 श्री हज्रा सिंह पुत्र श्री णेर सिंह, वासी गांव धोवियाना मटिण्डा।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7491 महीना मार्च 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज जालन्धर

नारी**ख**ं 17-11-1982

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवस्बर 1982

निर्देश सं० 3615—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य

25,000/-रत. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो विटण्डा में स्थित है (और इससे उपायस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विटण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, सारीख मार्च 1982

को पूर्वोंक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी शायकी वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

जतः अध, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को स्थीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विजय कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत मैं० ओम प्रकाश सोम चन्द्र, अमरीक सिंह रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

 श्री हजूरा सिंह पुत्र श्री शेर सिंह वासी गाँव धोबियाना (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7552 महीना मार्च, 1982 के रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी, बठिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3616—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बिटण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वा कर संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण भेः, मैंः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निर्मालिखत व्यक्तियों, अर्थात् .— श्री विजय कुमार पुत्र श्री बीवान चन्द मार्फंस मैं० ओम प्रकाश सोम चन्द, अमरीक सिंह रोड़, भटिण्डा।

(अन्तरक)

 श्री हजूरा सिंह पुत्र श्री गेर सिंह, वासी गांव धोबियाना (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पित्त है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति, व्यार, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्रची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1260 महीना मई, 1982 के रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी भिठिण्डा में लिखा है।

> जे० एल**० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जाल**न्धर**

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप माई० टी∙ एन∙ एस∙---

मायकर प्रश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3617—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि हवाबर महाति. जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो जो बठिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्सरित की वह है धोर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रविक्त से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्यरकों) और अन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्बरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित एड्रेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, प्रक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त संधिनियम, या अन-कर पिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाव में सुविधा के निए;

श्रतः अव, उनते श्रधिनियमं की धारा 269-गं के धनुतरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकार व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री विजय कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत मै० ओमप्रकाश सोमचन्द, श्रमरीक सिंह, रोड, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

 श्री हजूरा सिंह पुत्र शेर सिंह, वासी गांव धोवियाना, भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2ं में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

वनत सम्बत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचनां के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, औं भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरणः --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्व होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1268 महीना मई 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 नवस्बर 1982

निर्देश सं० 3618—या: मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या ही:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितु व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विजय कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत ग्रोम प्रकाश सोम चन्द , ग्रमरीक सिंह रोड़, भटिण्डा। (ग्रन्तरक)
- श्री मन्दिर सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह, वासी धोवियाना, (भटिण्डा)।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

व्यक्ति तथा संित्त जैसा कि विलेख नं० 7553 महीना मार्च 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3619—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भिटिण्डा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय भिटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से किश्त नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री विजय कुमार पुत्र दीवान चन्द मार्फत मै० श्रोम प्रकाश सोम चन्द, ग्रमरीक सिंह रोड़, भटिण्डा। (श्रन्तरक)
- श्री मन्दिर सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह वासी गांव धोवियाना (भटिण्डा)।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननतची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1258 महीना मई, 1982 के रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, भटिण्डा में लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्ध र

तारीख: 17-11-1982

प्रकप बाद्दं .टी .एन .एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सक्षयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश मं० 3620—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, हक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः —

श्री विजय कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत मै० श्रीम प्रकाश सोम चन्द , श्रमरीक सिंह रोड़, भटिण्डा।

(म्रन्तरक)

2. श्री मन्दिर सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह वासी गांव धोवियाना (भटिण्डा)।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पृष्ठों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7492 महीना मार्च 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आई. टी. एनः, एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3621—यतः मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा है जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैं भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रा विजय कुमार पुत्र श्रा दोवान चन्द मार्फत मै० श्रोम प्रकाश सोम चन्द, श्रमरोक सिंह रोट्, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मन्दिर सिंह पुत्र हज्**रा सिंह वासी गांव धोवियाना** (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी।
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1269 महीना मई, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> त्रे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 17-11-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

न्नाय हर प्रवितियम, 1961 (1951 का 43)की धारा 269**प**(1) के **भगीत गुव**ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3622---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनत प्रिमियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के जधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूण्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में जिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नाराख मार्च 1982

को पूर्वोक्त एम्पान के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अध्यक्त) और भन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे भन्तरक के लिए तय पाया क्या प्रतिक फल निम्नविधित उद्देश्य से उसके बन्तरक जिल्ला का वास्तविक छप में अधिन नहीं किया गया है ——

- (क) प्रस्तरण ये हुई किसी धाय की बाबत जबन समि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में अभी करने था उसके जबने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन ना अन्य बास्तियों को, जन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किना जैसा या या विका जाना चाक्षिण का, दिवान में सुविधा के निए;

बतः, अव, उक्त आंधिनिमान का धारा 269-म के अनुसरण में, के उक्त आंधिनियम की घार! 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---22—386 GI/82 श्रा विजय कुमार पुत्र श्रा दावान चन्द मार्फत म० श्रोम प्रकाश सोम चन्द , श्रमरोक सिंह रोड़, भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

2 श्रा हाकुम सिंह पुत्र हजूरा सिंह वासी गांव धोवियाना (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचिया जारी करक पुर्वोचन प्रमानि के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पंपत्ति में हितकक किसी प्रत्य व्यक्ति कारा प्रयोहस्ताक्षरी के पत्य लिकित में किए जा सकाँगे।

स्पब्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्ता ग्रीर पदों का, जो उच्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7493 महीना मार्च, 1982 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी,भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर प्राक्षम प्राधिकारां महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 17-11-1982

प्ररूप आहर्ष. टी. एन: एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश संव 3623—यतः मुझे, जेव एनव गिरधर, बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० जैमा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारं के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारंख मार्च 1982

- को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिचित उद्देश्य से उचत अंतरण शिवित में धास्तिक रूप से किंग गया है:——
 - (क) जनसरण से इर्इ किसी भाय की बाबत उक्त अभि-नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के बायिस्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : --- श्री विजय कुमार पुत्र था दावान चन्द मार्फत मैं० ग्रीम प्रकाश सोम चन्द, ग्रमराक सिंह रोड़, भटिण्डा।

(भ्रन्तर्क)

2. श्री हाकम सिंह पुत्र हजुरा सिंह, वास गांत्र धे।दियाना (भटिण्डा)।

(भ्रन्तरितः)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्मत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील क्षे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जां सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

व्यक्ति तथा सम्प्रत्ति जैसा कि विलेख नं० 7554 महीना मार्च, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजन रेज, जालन्धर

तारांख: 17-11-1982

प्रसप भाई. टी. एन्. एस.----

नायकर अभिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज जालन्धर जलन्धर, दिनांक 17 नवम्बर1982

निर्देश मं० 3624—-प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कते, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. म अधिक है

श्रीर जिलका मं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूच, में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रिधिशारा के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, ताराख मई, 1982

को पूर्वा कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निषय के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री विजय कुमार पुत्र दोवान चन्द मार्फत मैं० श्रोम प्रकाण सोम चन्द, अमरीक सिंह रोड़ भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हाकम सिंह पुत्र हज्रा सिंह वासी गांव **धोवियाना** (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके फ्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सभ्यत्ति में हितवझ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के क्वांन के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित कड़ किसी अन्य क्वित द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 1259 म**ह**ाना मई, 1982 के रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकार, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

नाराख: 17-11-1982

माहर:

प्ररूप आहर् ् दी. एन. एस. - - - - --

अध्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक् म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3625—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा की श्रनुसूर्वा से लिखा है तथा जो भिटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रिजस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भिटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, ताराख मई 1982

को पूर्वो क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को अधीन शिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विजय कुमार पुत्र दीवान चन्द मार्फत मै० ओम प्रकाश सोम चन्द , अमरीक सिंह रोड़, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री हाकम सिंह पुत्र हर्जूरा सिंह, वासी धोवियाना (भटिण्डा)।

(अन्तरिती)

जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

मनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1267 महीना मई, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-11-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एएसआर/82-83/326---यतः मुझे, आनंद सिंह, आई आर एम

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारङन कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है). राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को प्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरातियों) वो वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक उसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्ति व्यक्तियों, अर्थान् :---

 श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चंद वासी कटड़ा आहुलू-वालिया अमृतसर आपओर मुखतारआम मिन जानब फर्म रमेश एण्ड कम्पनी फार।

(अन्तरक)

2. श्री राम रखा मल और राम लाल कुलदीप सिंह पुत गुरदिस सिंह वासी सामने टैलीफोन एक्सचें अ अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपह्ति के अर्जन के संबंध में कोई नाक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्सत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अवस्थी

1/2 भागप्लाट नं० 36 जो न्यू गारडन कलोनी अमृतसर में है एरिया 246.50 व० ग० है जैसा सेल डीड नं० 1172/ 15-4-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख: 2-11-1982

प्रकृप भाई • टी ॰ एन ॰ एस ●-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982 निर्देश सं० एएसआर/82-83/327—यन: मुझे, आनंद सिंह, आई० श्रार० एस०

आत्रकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269 व ने अभौन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट टी० पी० स्कीम नं 53 है तथा जो कणमीर एवनय अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1982

को पूर्वों बत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिचत्त से बिचक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कारति के कीच एसे अंतरण ही लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कारति नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री रेशम सिंह पुत्र नंद सिंह वासी विजे नगर द्वारा ओम प्रकाश कालीया पुत्र हरी चंद वासी मोहन नगर अमृतसर मुखतारआम।

(अन्तरक)

 श्री राम प्रकाश अरोड़ा मदन लाल अरोड़ा राज कुमार अरोड़ा कुशन गोपाल अरोड़ा पुत्रगण काहन चंद पिवन कुमार अरोड़ा पुत्र राम प्रकाश सतया वती अरोड़ा पत्नी काहन चंद अरोड़ा अमृतसर। (अन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 से कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्गत्ति है)

और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को **गह सूजना जारी करके पूर्वों**क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारोख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

नगसची

एक भूमि का प्लाट 273.33 व० ग० जो तुग बाला कशमीर एवनूय अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21318/12-3-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख: 8-11-82

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 नवस्बर 1982

निर्देश सं० ए०एस०आर०/82-83/328—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० म्रार० एस०

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो वेरका श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियां, अर्थात् :-- श्री अमरीक सिंह प्रगट सिंह वलबीर सिंह पुतान गुरचरन सिंह गांव वेरका द्वारा अमरीक सिंह और रतन लाल भाटिया अटानी।

(अन्तरक)

- 2. श्री केवल कुमार बांके बिहारी पुत्राव दयाल चंद वासी जोड़ा पीपल गली देवी वाली अमृटतसर। (अन्तरिती)
- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति) है)
- 4. और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)
 को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त घब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1318 व०ग० जो वेरका, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 20962/2-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टा.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एएसआर/82-83/329—यसः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कमामीर एवन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्त निक्वितियों व उद्देश्य से उच्च जन्तरण चिवित् में वास्तिवक कप से क्रिथत नहीं किया गया है ए---

- (क) जन्तरण से हुइ किन्सी नाव की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृतिधा के लिए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रेशम सिंह पुत्र नंद सिंह वासी विजेनगर अमृतसर। (अन्तरक)
- श्रीमती सुमन अरोड़ा पत्नी मंत कुमार बासी चोक फुलांत्राला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अ**धोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**वद है)**

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नमा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 263.5 व० ग० जो बटाला रोड टी० पी० स्कीम नं० 53 कशमीर एवन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21542/16-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिह आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीखा: 8-11-1982

मोहर 🙏

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

अनुसर्दर, विशेष ७ स्वस्थर 1562

निर्देश सं० एएसआर/82-83/330—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कगमीर एवनयू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवों कत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिवात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के यायित्य में कमी करनेया उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निनिमित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 23—386 GI/82

- श्री अनीत सिंह पुत्र रेशम सिंह वासी विजय नगर अमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती संतोश रानी पत्नी रमेण कुमार वासी हाथी गेट अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अमुसुची

एक भूमि का प्लाट 333.7 व० ग० जो बटाला रोड़ टी० पी० सकीम नं० 53 कशमीर एवनयु अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 2.1540/16-3-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एएसआर/82-83/331—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कशमीर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में., उक्त अधिनियम की भारा 269म की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मोहन लाल पुत्र हनुमान प्रणाद वासी अलाहाबाद अब कटाड़ा चरत सिंह अमृतसर ।

(अन्तरक)

- 2. श्री सुनील कुमार गांधी पुत्र श्री मदन मोहन गांधी कूचा तथा मल कटड़ा चरल सिंह अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- और कोई

(वहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पाम जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक भूमि का प्लाट 204 वर्ष गर्पा वटाला रोड पेटरोल पंप के पीछे अमृतसर में है जैसा सेल डीड नंर्पा 22440/ 29-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारी**व**: 8-11-1982

प्ररूप आहर्रे. टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निर्देण सं० एएसआर्/82-83/332---यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खान मिलक, गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1982

में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मंं, मैं,, उक्त अभिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिस्नित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री देसा सिंह पुत्र वछावा सिंह गांव खान मलिक तहसील जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र देसा सिंह वासी गांव खान मिलक तहसील जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी दे पास तिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि 24 कनाल जो गांव खान मलिक गुरदासपुर में है जैसा स्नेल डीड नं० 8056/29-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/333:—यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खान मिलक, गुरदास-पुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के खिनत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त हैं थ्रौर अस्तरक (प्रस्तरकों) थ्रौर अस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य से अस्त अस्तरण लिखित में जास्तिक हर में किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत छक्त श्रिष्ठिल नियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के सिए । और/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उस्तः प्रश्चितियम की घारा 269-व के धनुसरण में, में, उस्त प्रश्चितियम की घारा 269-व की उपवास (1) को अभीतः, निम्नजिसित व्यक्तिस्मों, अधितः— (1) श्री देसा सिंह पुत्र विष्ठावा सिंह गांव खान मलिक नहसील जिला गुरदासपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह पुत्र देसा सिंह बासी गाँव मिलक तहसील जिला गुरदासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 मे कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त समाति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर :--

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

मनस्यों

कृषि भूमि 24 कनाल जो गांव खान मलिक गुरदासपुर में है जैसा सेल खीड नं० 8057/29-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

नारीख : 7-11-82.

प्ररूप आर्ड्ः टी. एनः, एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/334'—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कंडियाल बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, लारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम को बाबत धक्त अधिनियम के घधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए ;

प्रत: पन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रमुखरूव में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, भर्मात् :---

(1) श्री म्रासा सिंह पुत्र मधर सिंह बासी गांव कुतबी नंगल तहसील, बटाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० हाइवे टरेजरर्ज जी० टी० रोड़, बटाला द्वारा यरिन्द्रजीन सिंह ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर्के प्वॉक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकतयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 3 कनाल 3 मरले जो गांव कडियाल तहसील बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 7326/मार्च, 1982 रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतमर ।

नारीब : 6-11-**8**2-

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रमृतसर/82-83/335:—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह, म्राई० म्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड़. श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मोनिका पुत्री हीरा लाल वासी बंबई द्वारा रुसतम ग्ररदेशर बोगा वासी हाइउ मारकीट, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह पुत्र करम सिंह वासी जंडियाला भमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेद्वार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ईस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्कारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 239 व० ग० जो राधा स्थामी रोड़, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 22141/24-3-82 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

ना**रीख**: 8-11-82.

प्रकृष ग्राई० टी० एन० एम० --

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धारीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्र<mark>र्णन रें</mark>ज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 नवस्त्रर1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/336:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० श्रार० एस०

भायकर प्रधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो नयू ग्राउन्ड कालोनी अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिये अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश से उनन अन्तरण कि बिजत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री वेद प्रकाण पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा, पाह्नसूबालिया श्राप श्रीर मुख्स्यार श्राम मै० रमेण एण्ड कम्पनी, राम रखा श्रीर राम लाल के लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र सिंह पृत्न डा० गुरजीत सिंह 107 लारिंस-रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सुबना जारो हरके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्स्यी

एक भूमि का प्लाट 250 व० ग० जो न्यू ग्राउन्ड कालोनी ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21205/8-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> त्रानन्द सिह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

तारीख: 8-11-82

प्ररूप आई टी एन, एम, ----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/337---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सै अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी सरकुलर रोड़, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

- को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे एह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से घोषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे ग्रन्तरम के तिर तय पाया गरा प्रतिफत, निम्तलिखित उद्देश्य से उका ग्रन्तरण लिखित में वाहराजक का से कथि। नहीं किया गया है।——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आर को बाबद, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिट में कमी: करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या भन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उड़त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा अकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने पे मृथिका के लिए;

भ्रत: भ्रव, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवादः (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री वेद प्रकाण, पूरन चन्द वासी कटड़ा, झाहलूबालिया श्रमृतसर श्रीर श्राप मुख्तारश्राम मै० रमेश एंड कंपनी राम रखा मल श्रीर राम लाल ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती प्रेम लता पत्नी राम प्रकाण केवल कृशन पुत्र राम प्रकाश संगीता देवी पत्नी केवल कृशन वासी श्रमृतसर बी० के० दत गेट ग्रंदर लोहगढ़ गेट ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा उपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबञ्च है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में बाउ भी प्राक्षेतः ---

- (क) कस पूजना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 विन की प्रविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की प्रविधित्तों भा प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी के अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा नकेंगे।

स्वर किरग: चच्डनन प्रयुक्त शब्दों घोर पड़ां हा, जो उक्त धाधिः नियम के श्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं बही सर्गहोगा, जो उन ग्राड्सा में दिया गया है ।

नन्त्वी

एक भूमि का प्लाट 232 34 व० ग० न्यू मारङन कालोनी श्रमृतसर में सरकुलर रोड़ श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 22319/26-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख : 8-11-82.

प्रसप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०--

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/338:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० श्रार० एस०

न्नायकर श्रिष्ठितियम, 196: (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- २० से ग्रुधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित का जार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है पौर भन्तरक (भन्तरकों) घौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गर्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नित्रा में बाल्तविक का से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग तर्थ अस्तिरित प्रारापकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिषाने में सुविद्या के लिए;

अतः श्रम, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उना पितिस्प ना धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिसित व्यक्तियों, स्थित् ६---24--386GI/82 (1) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी प्रीतम सिंह रामगडीया वासी वड़ाला भिटवड तहमील जिला श्रमृतसर श्रव फरीदाबाद, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रवतार सिंह पुत्र बलवंत सिंह वासी गली भाटीया कटड़ा कर्म सिंह सुरिन्दर कौर पत्नी प्रवतार सिंह गली भाटीया झाटियां कटड़ा कर्म सिंह भ्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) भ्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में धर्घो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिनां कुरू करता हुं।

उनन सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस पूजना के राजन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वब किसी भ्रम्य स्थक्ति हारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त गर्न्स ग्रीर पदों का, को उनन प्रशितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 225 वर्ग गर्जो रानी का बाग स्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 68/31-3-82 रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी, स्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, आई० स्नार० एस० सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 5-11-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.------

भायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० ध्रमृतसर/82-83/339-यतः मुझे, ध्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ध्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गोलंडन एवन्यू अमृतसर में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिस उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निम्नत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उबल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) इंप्रवृमेंट टरसट ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी नरंजन सिंह 121 गोल्डन एवन्यू, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्मत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

न्छे यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गढ़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 व० ग० जो 121 गोल्डन एवन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21387/15-3-82 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> न्नानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम म्रिधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, म्रमृतसर

तारीख: 10-11-1982.

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/340--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० अरर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कंडियाला तहसील बटाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिक ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक ल से, एसे दृश्यमान प्रतिक ल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बागित्व में कभी करने, या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निस्नुलिखित अयुक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्रासा सिंह पुत्र मधर सिंह गांव कुतबी नंगल तहसील बटाला जिला गुरदासपुर ।

(श्रन्सरक)

(2) मैं० हाईवे टरेंडर्ज जी० टी० रोड, बटाला ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 कोई किरायेदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्म्पतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शुरुदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 कना. 3 मरला जो कंडियाल तहसील बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 7302/15-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बटाला में दर्ज है।

आनन्द सिंह, श्राई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी, ग्रमृतसर

दिनोक: 6-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालयः, संहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 नवस्वर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/341—यतः मुझे, श्रानस्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो चोंक दरबार साहब श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महिन्दर सिंह उर्फ भूपिन्दर सिंह पुत्र जसवंत सिंह वासी बी 2/43 सफदरजंग नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती जगजीत कौर पत्नी सरमुख सिंह गली श्ररदासियां पटेल चोंक, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक आयदाद जो चोंक दरबार साहब श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 22409/29-3-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, भ्रमुतसर

तारीख: 10-11-1982.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/342:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो श्रंदरून महासिंह गेट, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में दिविधा की जिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्रीमती उपिन्दर कौर पुत्नी ओत सिंह वासी चाटी विड गेट राज सिनेमा के पीछे, श्रमृतसर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भ्रजेन जीत पुत्र बलाकी राम, दरणना रानी पत्नी भ्रजेन जीत भ्रंदरून महा सिंह गेट, श्रमृतसर । स्टेट बैंक भ्राफ इण्डिया के नजदीका।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-निमम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुत्ची

1/2 भाग जायदाद नं० 2499/2 जो ग्रंदर महा सिंह गैट ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21982/22-3-82 रजिस्ट्री- कर्ती भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/343:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो श्रंदरून महासिंह गेट, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वीक्त संपति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्यिक व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती उपिंदर कौर पुत्री जोत सिंह वासी चाटी विड गेट, राज सिनेमा के पीछे, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्ररजन जीत पुत्र बलाकी राम, दरणना रानी पत्नी श्ररजनजीत श्रंदरून महा सिंह गेट, श्रमृतसर । स्टेट बैंक ग्राफ इण्डिया के नजदीक ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 2499/2 जो श्रंदरून महा सिंह गेट श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21714/21-3-82 रिजस्ट्री- कर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रघिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर

तारीख : 9—11—1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/344:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो डाब खटीकां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री लक्षमन दास नेयर (एन० यू० एफ०) द्वारा काहन चन्द करता श्रीर मनेजर (एच० यू० एफ०) 17 श्रासती जेमस कोर्ट मेरीन ड्राईव बम्बई-20, द्वारा जनकराज पुत्र लक्ष्मनवास नेयर मार्फत इंडयन उलन टेक्सटाईल मिल्ज, छहरटा, श्रमुतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० गोबिंद राम टुटजा श्रौर मंज (एच० यू० एफ०), 74 दयानंद इगर, श्रमृतसर।

(ब्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। सेल डीड नं० 21607 दिनांक 17-3-1982।
- हरभजन सिंह 60/–
- रिवन्दर कुमार 40/−
- 3. मदन लाल 10/-
- 4. गुरा सिंह 30/−
- 5. मैं० : जे० बी० गुलाटी एंड कम्पनी 20/-
- 6. मै० : शिव ट्रेडिंग कंपनी 20/-
- शेर सिंह 20/--
- 8. मैo: शिव वुलन मिल्ज 20/-
- 9. सुकंदर लाल पुत्र जगदीश चन्द 15/-
- मै०: वरीन्दर कुमार सत पाल 20/--
- 11. बृज मोहन 60/--
- 12. शिव कुमार वैद 50/-
- 13. बुज मोहन 250/--

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रुण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद 273 व० ग० जो डाब खटीकां सामने हिंदु कालेज ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 21607/17-3-82 राजस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, 3 चन्द्रप्री, म्रमृतसर

तारीख: 6-11-82.

मोहर ः

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवस्त्रर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/345:—-यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो डाब खटीका श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁵ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिनित क्षिकतयों, अधीत :--

(1) श्री लछमन दास नेयर (एच० यू० एफ०) द्वारा काहन चन्द करता श्रीर मनेजर (एच० यू० एफ०) 17 श्रासती जेमस कोर्ट मेरीन डड्राईव बम्बई 20 द्वारा जनकराज पुत्र लछमनदास नेयर मार्फत इंडयन बुलन देकसटाईल मिल्ज, छह्रटा श्रमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) मैं० गोबिन्द राभ टुटेजा ग्रीर संज (एन० यू० एफ०) 74 दयानंद डागर श्रमतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) सेल डीड नं० 21803 दिनांक 19-3-82.
- श्री हरभजन सिंह 60/--.
- रविन्दर कुमार 40/—.
- भदन लाल 10/—.
- 4. गुरा सिंह 30/-.
- मैं० जे० बी० गुलाटी एंड कम्पनी 20/—.
- 6. मैं शिव बरेडिंग कंपनी 20/-.
- 7. शेर सिंह 20/-.
- 8. मैं० शिव बुलन मिल्ज 20/-.
- 9. सुरिन्दर लाल पुत्र जगदीश चन्द 15/-.
- 10. मै० वरिन्दर कुमार सत पाल 20/-.
- 11. बुज मोह्न 60/-.
- 12. शिव कुमार वेद 50/-.
- 13. बूज मोहन 250/-. श्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पिकारण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद 273 वर्० गर्० जो डाब खटीकां सामने हिंदु कालेज श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 21803/19-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-३ चन्द्रपूरी, श्रमृतसर ।

तारीख: 6-11-1982

श्रुक्य **वार्ड्ःटी. एक्. एस**्य-नन्द्रनन्तननन्तर

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायालिय, सहायक आयकर भाय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निवेश .सं० ग्रमृतसर/82-83/346:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो चोंक परागदास ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क्क) अन्तरण से हुइं किसी आय की वावल, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे क्वने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

> (1) मेजर गुरदीप सिंह विके पृत्र गुरबक्का सिंह विके कैप्टन वासी जंडियाला गुरु जिला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक्)

(2) मार्फत रजिन्दर कौर पत्नी स्विगीय गुरबख्श सिह गांव ग्रौर डाकखाना जंडियाला श्रमृतसर । जोगिन्दर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह मार्फत सिंधी होटल चोंक परागदास अमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति है में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मृतिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

1/2 भाग जायदाद का 640 व० ग० जो गली मंगल सिंह चोंक परागदास श्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 22195/30-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप आहाँ. ट्री. एन. एस. - - - ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निदेश सं० प्रमृतसर/82-83/347:---यतः मुझे, प्रानन्द सिंह, श्र ई० प्रार० एस०

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उपत भधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो चोंक परागदास श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतपर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वाक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए और/या
- (का) एसी किसी बाय वा किसी धन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में तुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर गुरदीप सिंह भीर हरबंस सिंह वासी जंडियाला गुरु जिला श्रमृतसर ।

(मन्तरक)

(2) श्री भगवंत सिंह वासी बाजार गुरु राम दोस निवास भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्मित्समी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त स्वितमों में से किसी स्विकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्शारा जभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाक्षीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्व, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

जन्सूची

1/2 भाग जायदाद का 640 व० ग० जो गली मंगल सिंह चोक परागदास ध्रमृतसर में है जैसा सेल खीड नं० 3547/24-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ध्रमृतसर में दर्ज है।

न्नानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षमप्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 6-11-1982.

प्रकप बाइ .टी एन , एस , -----

बायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायुकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/348:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० ग्रार० एस०

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो गुरु बाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रविमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके द्रविमान प्रतिफल से, एसे द्रविमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्सरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के जिए तय गया गया बितिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्य लिखित में बास्त्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में अली कर्ये वा उससे बचने में सुविधा भी किए; भीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए जा, ष्टिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अम, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जमीन, निकासितित अक्तियों, अमृत्युः— (1) श्री मिखी राम पुत्र सुद्ध दयाल गली रवाबियां चोंक पासियां, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उपा हांडा पत्नी राधा किशन वासी कटड़ा बाग सिंह गली लागां वाली, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
मै० शाम सुन्दर एंड बदर्ज 100/- महीना।
(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) धीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह स्थना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सप्राप्त होता हो, के भीतर पूबाकत स्थिक्तयों में संकिती व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारौंक से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को गास जिस्ति में किए जा सकारी।

स्वकाकिरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, भारे अक्षा अधिनियंत्र के अध्याय 20-क में परिभावित्र हैं, वहीं वर्ष होगा को उस स्थाय में दिका गया है।

नन्सूची

1/2 भाग हुकान नं० 95/4 जो गुरु बाजार श्रम्ततार में है जैसा सेल बीड नं० 22683/30-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी अमृतसर में दर्ज है।

मानन्य सिंह, आई० ग्रार० एस० सक्षम प्रांधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज मनुससर।

तारीख: 10-11-1982.

प्रकृष बाष्ट्रं, टी., एन., एस.,--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/349:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुरु बाजार अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एमें दश्यमान प्रतिफाल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) भी बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री मिलखी राम पुत्र सुख दयाल गली रबाबियां चोंक पासियां, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेणटा रानी हांडा पत्नी राज कुमार हांडा गली लंबां कटड़ा बाग सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। मै० शाम सुन्दर एंड ब्रदर्स 100/→ महीना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रांर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधों-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यो से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया मुदा है।

नन्त्रची

1/2 भाग दुकान नं० 95/4 जो गुरु बाजार श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2872/10-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप बार्द, टी. एन. एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/350--यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो एल म्राई सी लेन स्राफ ढागु रोड, पठानकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सूविधा के निए;

अत:, अस, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जय किशन पुत्र कोशी राम, ग्राई सी 48 न्यू रोहतक रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ साजन ट्रेडर्ज द्वारा विशनु दस शर्मा कालेज रोड़, पठानकोट।

(भन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेद्वार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रीरकोई

(वह कावित, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उनत अधिनियम, के अध्यास् 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास् में विया गना हाँ।

वन्स्ची

1/2 भाग प्लाट 1987 व० ग० खसरा नं० 162/113, 163/113 और 258/210 एस भ्राई० सी० लेन भ्राफ ढांगू रोड पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 339/6-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी दिल्ली में दर्ज है।

द्यानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, भ्रमृतसर

तारीखा : 2—11—1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निद्रीक्ण)

श्चर्जन रेंज, धमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/351---यतः मुझे, भानन्द

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है सथा जो एल० धाई० सी० लेन घाफ ढांगू रोड, पठानकोट में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वा वित् संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिमान में सुविधा के लिए;

जत्ः अ्व, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-वः की उपभारा (1) को जभीन, मिम्न्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् ध----

- (1) श्री **भव**तार नरेण पुत्र कांशी राम ढांगू रोड, पठानकोट। (मन्तरक)
- (2) मै॰ साजन ट्रेडर्ज, कालेज रोड, पठानकोट। (मन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्र्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय, में विका गया है।

वृत्स्यी

1/2 भाग प्लाट 1987 व० ग० खसरा नं० 162/113, 163/113 भीर 258/210 एस० ब्राई० सी० लेन घाफ ढांगू रोड पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 353/9-3-82 रजिस्ट्री-कर्ता ब्रिधकारी, दिल्ली में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षमप्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, भ्रमृतसर

तारीख: 2-11-1982.

मोहर ं

प्ररूप. बाइं. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० चण्ड/237/81-82—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2283 है तथा जो सैक्टर 21सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री गुरदयाल सिंह निवासी धनवाद (बिहार) द्वारा जी० पी० ए० श्री बन्दर मक्कर एडवोकेट, मकान नं० 1135 सैक्टर 21—बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्री मुकंद लाल चलाना, श्री के० ए० चलाना श्रीर श्री पी० एस० चालाना निवासी मकान नं० 2283 सैक्टर 21—सी, चण्डीगढ़।
 - 2. निवासी धनबाद (बिहार)।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

मकान नं० 2283 जो कि सैक्टर 21-सी चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रेंकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2173 मार्च, 1982 के अधीन दर्ज है।

> मृखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1982

निदेश सं० लुधि०/311/81-82—श्रतः, मुझे, सुखदेव घन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-। रु से अधिक है

श्रीर जिनका सं० कोठी नं० 106 है, तथा जो माडल ग्राम लुधियाता में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीरार्ता ग्राधवारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीरारण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री मनोहर लाल मुपुद्धश्र सोला पाम, निवासी कोठा नं 106, माडल ग्राम, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा रानी कुन्दरा पत्नी श्री बालिकशन कुन्दरा निवासी बी-II, 1329, श्रार्य मुहल्ला, लुधियाना, श्रव 276 बालटन रोड, ईस्ट मोलेस, गरे कें०टी० 80 एच० टी०यू० 2 इंग्लैण्ड। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--हरामे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 106,जो माडल ग्राम लुधियाना में हैं (जायदाद जोकि रिनर्स्टीकर्ता ग्रिधिकार। लिधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 17902, मार्च, 1982 के ग्राधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजें, लुधियाना

दिनांक: 16-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चित-6, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निदेश सं० एल० सी० 597/82-83—यनः मुझे बी० स्नार० नायर

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० धनुसूर्या के ग्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्य: में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 11-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, जन्त जिसीनयम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) कें अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---26---386GI/82

- 1. श्री अम्बिका, उमा, विसमा, गीतः भीर रमा? (भ्रन्तरक)
- 2. श्रामता सूसन जोण,

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसमधी

12.280 cents of land as per schedule attached 18 Doc. No. 804/82 dt. 11-3-1982.

वी० ग्रार० नायर सक्षम प्र'धिकारी स**हायक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

स'रीख 17-11-82 मोहर: प्रकप आहरं.टी.एन.एस.-----

बायक र विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सुचना

धारव सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० 1151/एक्यू/ग्रार-III/82-83—यतः मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 23ए/4 है, तथा जो खानपुर रोड, कलकला में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलदत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषयों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्विषयों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत के स्थान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरन या उससे बचने में सुविधा के किए, बीपू/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूजिया के लिए:

भवा वाव, उनत विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण वों, मीं, उनत निधिनियम की भारा 269-च की सपभारा (1) को अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री जितेन्द्र किशोर गुप्तराय

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्राली चौधुरी

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गन।

वन्स्ची

23ए/4, खानपुर रोड, कलकत्ता । 3K-2 ch-22½ sq. ft. जमीन र् पर मकान ।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रहमदी किदवई रोड, कलकत्ता-6

नारी**ख** : 12-11**-**1982

प्ररूप कार्च. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० 1152/एक्बी०/ग्रार-III/82-83---श्रतः मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 30ए एंड 31 ए है, तथा जो चक्रबेरिया लेन कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूवी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-3-1982

को पूर्विभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहाँ हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—— •

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिएय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रबोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन विकासिक व्यक्तियों, अर्थाष्ट्रः— 1. श्री नलिनी राय चौधुरी श्रीर दूसरा।

(भ्रन्तक)

2. श्रीमती कांचन देवो जैन,

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी क्यिंसतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

30ए तथा 31 ए, चक्रमरिया लेन, कलकत्ता। 9 क० 2 छ०, जमीन पर मकान।

> सो० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 12--11--1982

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

ा. श्रं। जुथिका वरमन

(भ्रम्तरक)

िष्मियम् , 1961 (1961 का 43) की भारा 2. श्रीमता

2. श्रीमता सबधा श्रोष

(ग्रन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० 1153/एक्वं ro/ग्रार-III/82-83---ग्रतः, मुझे, सी० रोखामा

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 4, 11 वि है तथा जो डोभर लेन, कलकत्ता में स्थित है (भ्रीर इससे उपावश्व प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान विनांक 22-3-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्रावने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अस, उपल अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, औं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बुर्थात् :--- को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायेख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वमुसुची

प्लाट सं० 4, 11 वी खोभार लेन, कलकसा ।

सी. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद, किदवई रोड, कलकता-16

तारीख: 12-11-1982

भक्ष आई .दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज-III, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं 1154/एक्वंः /श्राप्-III/82-83—-श्रतः मुझे, सी रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 41 बी है, तथा जो मह निरभान, रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री क्रिक्ष श्रिष्ठ कारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्राकरण श्रिष्ठ नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; जरि/बा
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धर्म या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनवम्, या धर्म-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवनार्षं जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

चयः चयः, उपल सीधीनयम की भारा 269-ग के अनुप्ररण थैं, बैं, उक्त नीधीनयम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के तथीन निम्नलिखित व्यक्तियों ले मुर्थात् ः— 1. श्री शामल कुमार दत्त

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रारति राय चौधुरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

MATERIAL PROPERTY.

41 बी, महानिरभाम रोड, कलकत्ता। 1 क० 16 वर्ग फिट जमोन पर मकान ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारी**च** 12-11-1982 मोहर: प्रस्प बाइ. टी. एत. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

1. श्री रमेन मुखर्जी

(अन्तरक)

2. श्री नन्द दुलाल भट्टाचार्यी,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

षारा 269-ष (1) के सधीन सूचना

कार्यालय, सहायक नायकर भागुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-III, क्लकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० 1155/एक्शू० आर०-III/82-83-म्रतः मुझे, सि० रोखामा,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने इत कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी प्लाट सं० 70 है तथा जो बड़ स्ट्रीट कलका में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-3-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तिवृक्ष रूप से कथित महीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाब्ब, उनक अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने मा उत्तरी ब्यूने में सुविधा के खिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या वस्य बास्तिकों को जिन्हें भारतीय बाय-कार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त जिभिनियम की भाष 269-ग के जन्सरण में, मैं उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की अपभारा (1) के अभीन, निम्नसिविक स्वकृत्यों, जर्थात्:—— नो यह सूचना नारी करके पृत्रांक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अूर्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्रपे:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को नवीं को भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी स्थलित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त निभिनयम, के नभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

70 व्रड स्ट्रीट, कलकत्ता, 5 क० 5 च० 15 वर्ग पीट जमीन ।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकसा

तारीख 12-11-1982

मोहरः

प्ररूप शाइ .टी. एन. एस. -----

प्रायकर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 26% मं(1) के मधीन जुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

क़लकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं० 1156/एक्वी०/आर-III/82-83---अत: मुझे, सि० रोखामा,

आपकर पीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के क्षीन न्याम प्रतिवार जाता यह रिज्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/80 है, नथा जो डोभार लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा है निए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् क्र— 1. श्रीमती रेणुका दास

(अन्तरक)

2. मैंसर्स एस० भट्टाचार्य (कनसालदान्द) प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

18/80, डोभार लेन, कलकत्ता, 3 क० 8 छ० जमीन।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, कलकत्ता

तारीख 12-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं० 1157/एक्वी०/आर०-III/82-83—अतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो गरियाहाट् रोड (साउथ) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर- का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्यों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री विनापानी राय भौधरी,

(अन्तरक)

2. वि काकटास कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

मन्स्ची

2, गरियाहाट रोड, (साउथ), कलकत्ता । 2 क० 15 छ० 43 स्क्यायर फीट जमीन ।

> सि॰ रोखामा सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख 12-11-1982 मोहर: प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलक्ता

कलकत्ता, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निदेश मं० 1158/एक्वी०/आर-11/82-83----अतः. मुझे, सि० रोखामा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास छरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट मं० 8, 5ए है, तथा जो चक्रबेरिया लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1982

का पूर्विक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक हप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीतः, निरुक्तिक्ति व्यक्तिरां, अर्थात् :--- 27-386GI/82

1. र्थाः रविन्द्र खोनपाल

(अन्तर्क)

2. श्री जयन्ती लाल टि० माह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लाट मं० 8, 5 ए, चक्र बेरिया लेन, कलकत्ता।

सी० रोखामा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III. कलकत्ता

तारीख 12-11-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री रवीन्द्र मनपाल

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र मगतलाल शा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1982 निदेश सं० 1159/एक्वी०/आर-[[1/82-83——अतः मुझे सि० **रोखा**मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट मं० 6, 5ए है, तथा जो चक्रबेरिया लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ते पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० ६, ५ए, चक्रबेरिया लेन, कलकत्ता।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-111, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, ज्थीत् :---

नारीख 12-11-1982 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निदेण सं० जी० प्राई० ग्रार० सं० वी-58/—-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 1 का जुज हिस्सा है, तथा जो श्राकलैन्ड रोड, इलाहाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 22-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे एरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफाल निम्नितिबित उद्देश्य से छक्त अन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की भावस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा अकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— 1. मैसर्स स्टार होटल लि० बारा श्राई० एच० ग्रलवो डाईरेक्टर

(भ्रन्तरकः)

 श्री विजय बहुगुना श्रीमती शेखर बहुगुना (श्रीमती विनीना बहुगुना) (ग्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समस्त लीज होल्ड सम्पत्ति जो नं० 1 श्राकलेन्ड रोड, इलाहाबाद का जुज हिस्सा है (जीर्ज-शीर्ण मकान सम्मिलित है) पैमाइशी 766 वर्गमीटर जो प्लाट नं० 2 कस्ट्रमेंन्ट थाना इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 70 3 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 27-11-1982 मोहर: प्रस्कृ आइं. टी. एन. एस.------

आयथ्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० के-113/म्रर्जन/—-म्रसः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर ब्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, मकान नं० 53/118, है तथा जो रामापुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 3-3-1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री लक्षमन काले (कालिया)

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री किशन स्वरूप
 - (2) श्री बृह्मानन्द स्वरूप
 - (3) राजकुमार
 - (4) पवन स्वरूप
 - (5) मॅल स्वरूप
 - (6) निर्मल स्वरूप

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के जर्जन संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारें।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ क्षेगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

श्राराजी बन्दोबस्ती 68, 70 माजा लल्लापुरा का श्रंश मकान नं० 53/118, रामापुरा में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड वफार्म 37-जो संख्या 2768/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 3-3-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

नारीख: 24-11-1982

मोहरः

ध्रूष्य नाइं. टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , लखनक

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं०एन -5/ग्रर्जन/—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 हो. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भ्राराजी बन्दोबस्ती 70, 76, 69, जुजी प्रमिसेजन तं० डी 53/118 बाके रामपुरा लल्लापुरा बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीत दिनस् 2 मन्त्रं, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरणासे हुई किसी साथ की बायत, उनता आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उद्धत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यौत्ः—

1. श्री मोरेश्वर जी काले (कालिया)

(ग्रन्तरक)

2. श्री नवरतन दास गोकलानी

(श्रन्तरिती)

उपरोक्त विकेता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में मम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

श्राराजीबन्दोबस्ती नं० 70, 76, 69 वाके रामापुरा वाराणसी जुजो प्रेमिसेज नं० डी-53/118, रामापुरा वाराणसी का भू-खण्ड संख्या 12 पैमाइसी 2168 वर्ग फिट है जो कि रामापुरा वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जो संख्या 2752/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसा**द** मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 24-11-1982

प्ररूप प्राई० टी• एन•एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूर्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं०टी-3/श्रर्जन/——श्रतः मुझे. ए० प्रसाद,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चान 'उन्न पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-3 के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि प्यावर पम्यन्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी-53/118 है, तथा जो रामापुरा, वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन [दिनांक मार्च, 1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उणित् बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिणत प्रिष्ठिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) घौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिशिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण मे हुई किसो श्राय की बाबत उपन स्रोधन नियम के स्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उसने बचने में मुविधा में लिए और/या
- (ख) ्सी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य खास्तिया की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान न सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री बल्लभा डी० कालिया,
- 2. श्री प्रदीप डी० कालिया
- 3. मधुसूदन डी० कालिया

(भ्रन्तरक)

2. श्री तीरथराम गोकलानी

(भ्रन्तरिती)

उपरोक्त विकेता
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूबना जारो कर हा हाक्ष्या उत्पत्ति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजेंत के सम्बन्ध म को ! भा ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाणन की नारोख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूबना के राज्यत नं रकागन का गारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अवीत्स्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों प्रीर पड़ीं का, जो उका प्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अपने होगा, जो उन अध्याप में दिया गया है

नन्त्वी

जुजो हिस्सा श्राराजी बन्दोबस्ती नं० 70 व 76 स्थित मोजा रामापुरा वाराणसी जुजोहिन प्रेमिसेज नं० डी० 53/118 पैनाइणी रकवा 2298 वर्गफीट है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3057/82 में वर्णित जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-3-1982 को किया जा चुका है (37 जी फार्म के ब्रनुसार)।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

नारीख: 24-11-1982

प्रक्य आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० आर्ड० आर० संख्या एस०-247/ अर्जन—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्मम्' कहा पया हैं), की धारा 269 के निभाग सक्तम शाधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जुजोहिस्सा डी 53 है तथा जो रामा-पुरा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणमी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-3-1982

को पृवाकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विषवास करने का कारण है कि यथापृवीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुसरण में, में, उक्त अधिपियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थाद् :--

- 1. (1) श्री दत्तराज बी० कालिया
 - (2) निर्मालाबाई कालिया
 - (3) श्रीकान्त कालिया

(अन्तरक)

2. श्रीमति सावित्री देवी ।

(अन्तरिती)

उपरोक्त विकेता
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जुर्जोहिस्सा आराजोबन्दोबस्ती नं० 70 व 76 वाके मोजा रामापुरा वाराणसी जुर्जोहिस्सा प्रेमिसेज नंबर डी-5/ 118 रामापुरा वाराणसी पैमाइसी 2149 वर्ग फिट जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3058/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-3-1982 को किया जा चुका है. है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 24-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982 निर्देश सं० जी० ग्राई० आर० संख्या एस-246/अर्जन-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्णित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी संख्या वन्दोबस्ती नं० 67, 68 का प्लाट तं० 5 डी 53/118 है तथा जो रामापुरा वाराणमी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय वाराणमी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एंगी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो लक्षमण जी कालिया श्री अनिरुद्ध जी नायक कालिया ।

(अन्तरक)

- श्रीमती सुमन जयसवाल, श्रीराम कुमार जैसवाल । (अन्तरिती)
- उपरोक्त अन्तरक ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

बन्दोबस्ती प्लाट नं० 67,68 मोहल्ला लल्लापुरामा-पुरा वाराणमी का प्लाट नं० 5 डी 53/118 पैमाईशी 2974 वर्गफीट है है जोकि लल्लापुरा रामापुरा वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड व फार्म 37-जी मंख्या 2764/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजि-स्ट्रार कार्यालय वाराणसी में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 24-11-1982

प्ररूप आहर. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी आई० आर० संख्या आर-178/ अर्जन--अतः भुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आराजी बन्दोबस्ती 67, 68 व 69 का डी 53/118 है तथा जो रामापूरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1982

कों पृत्रीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित न्यिक्तियों, अधीत् :--- 8-386 GI/82

1. श्रीमति शीलाबाई जी० राव काले

(अन्तरक)

2. श्रीरामजी

(अन्तरिती)

 उपरोका अन्तरक (बह व्यित्स जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वशिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

आरा जी बन्दोबस्ती नं० 67, 68 व 69 जूजमकान डी 53/119 रामापुरा वाराणसी का प्लाट नं० 9 पैमाईशी 2180 स्क्यार फिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड फार्म नं०, 9 पैमाईशी 2180 स्क्यार फिट 2760/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक मार्च 1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी० आई० धार० सं०-177/अर्जन---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 569-ख के अधीन सद्धप प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या आराजी बन्दोबंस्ती 70, 76, 69 है तथा जो रामापुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वृणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारु (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्रीमित शीलाबाई कालिया द्वारा जी० वी० काले मोरेश्वर जी० राव

(अन्तरिती)

2. श्री राम चन्द्र रुपानी श्याम रुपानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के बध्याय 20 - कमें यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजो वस्दोवस्ती नं० 70, 76 व 69 जोकि लल्ला-पुरा रामपुरा वाराणमी में स्थित है जिमका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फोर्म 37-जी संख्या 2759/82 में वर्णित हैं जिसका पंजीकरण सब रंजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिया जा **भु**का है ।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 24-11-1982

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं.डी.एन.एस.-----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982 निर्देश संख्या जी० आई० आर० संख्या पी-99 अर्जन---भत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आराजी वन्दोवस्ती नं० 67, 68 लल्लापुरा, रामपुरा जुज मकान डी 53/118 रामपुरा वाराणसी का भू
सं० 1 वाराणसी में स्थित है (और इस से उपाबद्ध
में अनुसूची औप पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च 1982
को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिक
क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जमने में सुविधा के बिष्टु; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृषिधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) को अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः--- 1 श्री अनिरुध जी राब नायक कालिया

(अन्तरक)

2 श्री प्रताप राय

(अन्तरिर्ता)

3. क्रोसा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, घही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

श्वाराजो बन्दोधस्ती 67, 68 लल्लापुरा, रामापुरा धारा-णसी का जुज मकान डी-63/118 रामापुरा वाराणसी का भूखण्ड संख्या 1 स्थित लल्लापुरा वाराणसी । जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2758/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिट्रार धाराणसी के कार्यालय में दिया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त निरीक्षण भ्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख : 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्. - -- -

आयुकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज विनाक लखनऊ

लखनऊ दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी० आई० श्रार० संख्या बी०-105/मर्जन---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्राराजो वस्दोबस्ती नं० 67, 68 का हिस्सा है तथा जो रामापुरा वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गुमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री भनिरुद्ध काले

(भ्रन्तरक)

2. श्री ब्रह्मानन्द

(भन्तरिती)

3. उपरोक्त भन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जूजोहिस्सा बन्दोबस्ती नं. 67, 68 पैमाइशी 2036 वर्गफिट बाके मोजा लल्लापुरा वाराणसी जुजोहिस्सा प्रेमि-सेज नं० डी-53/118 का भूखण्ड संख्या 3 जो कि लल्ला पुरा, वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 2751/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 24-11-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्वेश मं० जी० श्राई० श्रार० संख्यापी० 98/श्रर्जन—श्रतः

मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी संख्या आराजो बन्दोबस्ती 67, 68 है तथा जो रामा पुरा वाराणमी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्निलिखत उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सृष्णिश के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वी चूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- 1 श्री प्रनिरूक्त जी० राव नायक काले

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रतापराय

(भ्रन्तिरती)

3. उपराक्त मन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

का यह स्थाना जारी करके प्वाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन की जबभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याही।

अनुसूची

ग्राराजो वन्धोवस्ती नं० 67, 68 भूखण्ड संख्या डी 53/118 का प्लाट नं० 2 जोिक रामापुरा वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 2757/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 24-11-1982

प्रकृष् बार्दः, टी. एन्., एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 25 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी० भाई० आर० संख्या पी०-97/ भर्जन—अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज क्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या डी 53/115 है तथा जो रामापुरा वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च 1982

में पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृतिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) बल्लभ डी० कालिया, (2) श्रीकान्त डी० कालिया (3) श्री प्रदीप डी० कालिया मधुसूदन डी० कालिया। (अन्तरक)
- 2. श्री पुरूषोत्तमदास गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

3. उपरोक्त विकेतागण

वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकता व्यक्तियों में से किसी अविस स्वारा;
- (य) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

अमुस्ची

वनाव व विना जुजी हिस्सा प्रेमिसेज नम्बर डी॰ 53/115 जो॰ 702 वर्ग फिट रामापुरा वाराणसी में स्थित है जिसका समस्त विवरण सेलडीड व फार्म संख्या 37-जी संख्या 3056 में वर्णित है जिसका पंजीकरण संब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 25-11-182

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० आई० श्रार० सं० पी/96—यतः मुझे, ंएम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्राराजी वस्दोवस्ती 67 है तथा जो रामापुरा वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण भे हर्इ किसी आय की बाबन, उकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीगोपाल वी० काले

(श्रन्तरक)

2. श्रीमति प्रभावती गुप्ता विमलादेवी

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके प्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राराजी वन्दोवस्ती नं० 67 जो रामापुरा वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2763/82 में विणित है। जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणमी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम श्रधिकारी निरीक्षी सहायक भायकर भ्रामुक्त भर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक : 24-11-182।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार०संख्या एम-146/एक्बी०-म्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या श्रारजी वन्दोवस्ती 67, 68, 69 जुजमकान नं० जी०—53/118 का प्लाट नं० 7 है तथा जो रामापुरा लल्लापुरा वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-3-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दिश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन निम्निलिखित व्यक्तियुगें, अर्थात् :--- 1. श्रीमति णीलाबाई कालिया

(ग्रन्तरक)

श्रीमति मीरादेवी

(श्रन्तरिती)

3. उपरोक्त भ्रन्तरिती

वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविक्षयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

भाराजी बन्दोबस्ती नं० 67, 68 व 69 भाग प्रमीसेज जे० डी०-53/118 (प्लाट नं० 7) जोकि 1875 क्यार-फिट हैं जो रामपुरा वाराणसी में स्थित हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2754/82 में विणत हैं जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्या-लय में किया जा चुका हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम भ्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर भ्रायक्त भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख 24-11-1982 मोहर: प्ररूपु आद्दी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक' दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम०~145/ श्रर्जन—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या धाराजी बन्दोवस्ती नं० 70, 76 एवं 69 रामापुरा, लल्लापुरा, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982 को पूर्वोक्स मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिता (अन्तरिता) के नीच एसे बन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्टत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की भावत, उन्तर अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृतिथा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29--386GI/82

श्री मोरेश्वर जी० वी० काले।

(श्रन्तरक)

2. श्री मोहनदास रूपानो राजकुमार रूपानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की विवध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राराजी बन्दोबस्ती नं० 70, 76 व 69 भवन संख्या डी-53/118 का प्लाट नं० 10, जो कि रामापुरा, लल्लापुरा, वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 2755/82 में विणत है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार, वाराणसी के कार्यालय में दिया जा चका है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 24-11-1982

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी० ग्राई० ग्रार० के०-114/ग्रर्जन--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'ान्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थानर राम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्राराजी बन्दोबस्ती 67, 68 है तथा जो रामापुरा लल्लापुरा वाराणसी, में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री ध्रनिरुद्ध जी० राव नायक कालिया।

(म्रन्तरक)

2. श्री केवलराम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्राराजी बन्दोवस्ती नं० 67, 68 जुजमकान नं० डी 53/118 रामापुरा लल्लापुरा, वाराणसी का भूखण्ड संख्या 4 है जिसका कुल एरिया 1969 स्कयार फिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2756/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में मार्च 1982 में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारी**ख** : 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश संख्या जी० आई०, संख्या वी०-104/प्रर्जन---भतः मुझे, श्रार० ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा में अधिक है

भौर जिसकी संख्या भ्राराजी प्लाट नं० 68 व 70 है तथा जो रामापुरा, वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-3-1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसको द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री लक्षमण जी० राव काले (कालिया)। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री वासुदेव जदुवानी ।

(भ्रन्तरिती)

3. केता।

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इमभा प्रयुक्त बाद्यां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

स्राराजी बन्दोवस्ती प्लाट नं० 68 व 70 जो कि मौजा लल्लापुरा, रामापुरा बाराणसी में स्थित है जिसका संग मकान नं० डी-53/118 रामापुरा, वाराणसी है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 2767/82 दिनांक 3-3-1982 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 24-11-1982 ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ए० 113/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका संख्या ग्राराजा वन्दोवस्ता 69, 70 व 76 है तथा जो लल्लापुरा, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारों के कार्यलय, वाराणसा में रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आग्न की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री: मोनेश्वर जा० राव काले (कालिया) । (ग्रन्तरक)
- श्री श्रशोक कुमार मलकार्नः ।

(भन्तरिती)

3. विश्वेता

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित ुन, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यी

भ्राराजी बन्दोवस्ती नं० 69, 70 व 76 प्रमोजेज संख्या डो-53/118 का भाग (प्लाट नं० 13) जोकि लल्लापुरा रामापुरा, वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडाड व फार्म 37 जो संख्या 2753/82 में विणत जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार वाराणसी, के कार्यालय में किया जा खुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त,(निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, लखदऊ ।

नारीख : 24-11-1982

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भ्रायकर भ्रविवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लखनऊ लखनऊ,दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सख्या, ऋाई० ग्रार० एम-144/ग्रर्जन----ग्रत: मुझे जो० ए० प्रसाद,

न्नायकर न्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये ने अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ग्राराजी बन्दोबस्ती 70, 76 व 69 लल्ला-पुरा रामापुरा, जुज नं० डी 53/118 है तथा जो भू संख्या 11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रद्व प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं चिया गया है।—

- (क) खम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन खक्त प्रधिनियम के स्थीन कर देने के भन्तरक के वायिस्य में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों की जिन्हें भारताय अयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जमत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 मा 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अग्निनियम की घारा 269-ग के अनुसरन में, में, उक्त प्रशिनियम की घारा 269-य की उपघारा (1) के अवीन, निम्किटिश्वित स्यवितयों, अर्थात्।—

- 1. श्रा मोरेश्वर जी० राव नायक (कालिया (भ्रन्तरक)
- श्री मुकेश रूपानी, जय प्रकाश, हेमल कुमर रूपानी।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारो कर के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकानन की तारीख से 45 दिन की मनित्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनित्र जो भी मनित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्गे प्रयुक्त गण्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही प्रयं होगा भी उस अध्याय में दिवा गया ।

अमृतूची

न्नाराजी बन्दोवस्ती 70, 76 व 69 लस्लापुरा रामापुरा, वाराणसी जूज नं० डी 53/118 ला मूखण्ड संख्या II जो लल्लापुरा, वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल- हीड व फार्म 37-जी संख्या 2762/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार वाराणसी, के कार्यालय में किया मुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनक।

तारीख: 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 26/मार्च/82-श्रतः मुंहे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सरवे नं० 435/2 ए० पी० सनकरिलनम नायर है, जो स्ट्रीट विरुद्दनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारों के कार्यालय, विरुद्दनगर (डाकुमेंट सं० 305/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सृविधा के लिए;

एस० एस० एस० सनकरपानदीयन

(अन्तरक)

2. श्री के० एम० ग्रहनाश्वलम।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग्रे

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि सर्वे सं० 435/2, ए० पी० सनकरिसनग नायर स्ट्रीट विरुद्दनगर । (डोकुमेंट सं० 305/82) ।

एस० लहरो सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज, भद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारी**ख** : 19-11-1982

प्रकृप खाई । टी । एन । एस >-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के प्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1,मद्रास

मद्वास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निवेश सं० एफ०न० 33/मार्च/82—यतः मुझे, एस० लहरी, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सबें सं० 28/2बीं०, 28/2ए, 30/1बीं,

श्रीर जिसकी सब स० 28/2बी०, 28/2ए, 30/1बी, 28/1बी श्रीर 30/1ए1, दारापुरम, श्रीमलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मोमसूर (डाकुमेंट सं० 457/82) में रिजट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मीर्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर कर के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में मुन्निया के सिए और'या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थं बन्दरिती द्वारा श्रक्ट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीन, निम्नलिकित स्पिक्तयों, अधित्:— 1. श्री के० नरस पिल्ली और ग्रवेर

(भन्तरक)

2. श्री एम० राजू

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के , राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदिशिकरण:—दसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमी सरवे सं० 28/2बी, 28/2ए, 30/1बी, 28/1बी। श्रीर 30/1ए1, दौरापुरम, श्रीमलूर । (डाकुमेंट सं०457/82) ।

एस० लहरी मझन प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्रकप माई॰ टी॰ एतः एव॰---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निदेश सं० एफ० नं० 34/मार्च/82—यतः मुझे, एस० लहरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत समन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सरवे नं० 4/2 श्रीर 88/2 है, तथा जो अगरहार कुन्ततूर, नामकल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्याक्य, वेलूर, सेलम (डाकुमेंट मं० 292/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफक्ष का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिकिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उब्त अधि-नियम के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/णा.
- (ख) ऐसो किमी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए।

अतः अव, उना प्रवितियन का धारा 269-व के, प्रतुप्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, जुर्थात्:--- 1. श्राः सरसवतियम्माल

(ग्रन्तरक)

2. श्री कोलनदैवेलू

(मन्तरितो)

को यह पूजन। जारी करक पूर्वाका सम्मलि के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां मुख्यकरता है।

उनन सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भो आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारोख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगें।

स्यष्टोकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर गतों का, जा इक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रये होगा, जा उन प्रधान में दिया गया हू।

भनुसूची

भूमि सरवे सं० 4/2 श्रीर 88/2 श्रगरहार कुन्ततूर (डाकुमेंट सं० 292/82) ।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-I, मदास

विनांक: 19-11-1982

प्रकृप नार्'. डी. एन्. एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 41/मार्घ/82——यतः मुझे, एस० लहरी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स को नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सरवे नं० 94/2 ग्रीर 94/7 तिरूपपाल, तललाकुलम है, जो मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, तललाकुलम (डाकुमेंट सं० 871/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीसीचत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में नास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया क्या हैं:--

- (क) नन्तरण वे हुई किसी नाग की नावत उच्छ विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायिएत में कमी करने मा उससे मुखने में सुविधा के निये; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 30—386GI/82

1. श्री भ्राप्त भ्रतमेलू भ्रम्माल

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० माटकोनार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ शाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

जमस्ची

भूमि सरवे सं० 94/2 श्वेर 94/7 तिरूपपालै तलला-कुलम मदुरै । (शकुमेंट सं० 871/82)।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निदेश सं० एफ० नं० 70/मार्च/82---- ग्रतः, मुझे एस० लहरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशन् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट 1 जी, 15, तथा जो मानटियन रोड, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारथ (डाकुमेंट सं० 952/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1982

को पूर्व कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रहसमान प्रतिफल से एसे रहसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खियाने में सविधा के लिए;

जतः अज, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत् :→→ 1. श्री किसनपन्द टोटाराम

(धन्तरक)

2. श्री रविन किसनचन्द

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट 1 जी, 15, मानटियर रोड, मद्रास 8 । (डाकुमेंट सं० 952/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

तारीख : 19-11-1982।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निवेश सं० एफ० नं० 116/मार्च/82—यतः मुझे, एस० लहरी,

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, तथा जो तातमपट्टी, सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सेलम (डाकुमेंट सं० 1130/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. श्री घलमेलम्माल घौर घदरस्

(भ्रन्तरक)

2. श्री वेनकटाचलम श्रौर भ्रदरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

भूमि तातमपट्टी, सेलम । (डाकुमेंट सं० 1140/82)।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-J, मद्रास

नारीखः 19-11-1982।

मोहर ः

प्रकप आई+ टी+ एस+ एस----

1 श्री बी० किस्सनमूरती

(प्रन्तरक)

आयकर मीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना 2. श्री के० पलनीसामी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निवेश सं० एफ० नं० 128/मार्च/82—यतः मुझे एस० लहरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवास 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सरवे नं० 49, कुस्मबट्टी, दिनटुगल है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिनटुगल (डाकुमेंट सं० 536/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कार्ज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हौ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण सरवे न० 49, कुरुमबट्टी, दिनटुगल (ठाकुमेंट सं० 536/82) ।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-1, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 19-11-1982।

प्रकप आहें. टी. एम. एस. ------

. . .

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1 मद्रास

मंद्रास दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० एफ० नं० 154/मार्च/82—अतः मुझे, एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सरवे सं० 47/2ए1, 47/18ी1, भौर 47/1ए भन्नतानपट्टी सेलम है, जो सेलम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्तारी के कार्यालय, सेलम (डाकुमेंट सं० 1378/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मारच 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरातियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्तृतिसित व्यक्तियों, अर्थादः— 1. भी भार सेकर

(ब्रन्तरक)

2. श्री भार० वीरमनी और सदेरस

(ग्रन्सरिती)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हुर्ने।

उन्त संपत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसेम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया ही।

वनुसूची

भूमि सरवे सं० 47/2ए1, 47/1डी1 घीर 47/1ए, ग्रन्नतानपट्टी, सेलम । (डाकुमेंट सं० 1378/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 1 मदाल

वारी**च** : 18-11-1982।

प्रकृप् बादौ. टी. एन्. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 155/मार्च/82—ग्रतः मुझे एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 192 फरसट श्रगरहारम, सेलम है, जो सेलम में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 1379/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक (अन्तरिती मं निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौं बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीव्या के जिल्ह;

जतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण कों, भी उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्री एन० वेनकटेसन

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी॰ सिमगाखेल ग्रीर घदेरस

(श्रंतरिती)

कों यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थीकतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगुस्की

भूमि म्रौर निर्माण 192, फरसट श्रगरहारम सेलम । $\left(\mathbf{sig} \hat{\mathbf{g}} \hat{\mathbf{h}} \hat{\mathbf{c}} \right)$

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज 1 मद्रास

विसांक : 18-11-1982 ।

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1 मद्रास
मद्रास दिनांक 19 नवस्थर 1982
निर्देश सं० एफ० नं० 156/मार्च/82—श्रतः मुझे, एस०
लहरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 14, मुनयत्ली मोहमद याकूब है, जो साहेब स्ट्रीट सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सेलम (डाकुमेंट सं० 1513/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीव्यनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्नें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्योध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 एस० एम० राजसेकरन श्रीर भवेरस

(भ्रत्तरक)

श्री ग्रमदुल करीम और ग्रदेरम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (शा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

भूमि घोर निर्माण 14, मुनवस्ली मोहमद याकूब साहेब स्ट्रीट, सेलम । (डाकुमेंट सं० 1513/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 1 मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्ररूप आई". टी. एन. एस. ------

1. श्री श्रार० रनगसामी

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० तिरूपति

(भ्रन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश मं० एफ० नं० 160/मार्च/82—म्प्रतः मुझे, एस० लहरी

भागकर ग्राधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सं सरवे नं 55/3 हैं जो कनननकुरीची, सेलम में
स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सेलम
(डाकुमेंट सं 1571/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्र यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, क्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नितिचित्त स्वक्तियों, अर्थात्:-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

भूमि सरवे सं० 55/3, कन्ननकुरीची, सेलम (डाकुमेंट सं० 1571/82) ।

> एस० लहरी; सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन-I रेंज मद्रास

दिनांक : 12-11-1982 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 161/मार्च/82——श्रतः मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० सरवे सं० 55/3 है जो कन्तनकुरीची. सेलम में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, सेलम (डाकुमेंट सं० 1572/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा .के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-31---386GI/82

1. श्री के० जयकुमार श्रीर श्रदरस

(भ्रन्तरक)

2. श्री र्म० तिरुपति

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन को अगिधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, हो भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हिल- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्चीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सरवे सं० 55/3, कन्ननकुरीची सेलम । (डाकुमेंट सं० 1572/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. प्राफिसियल रिसीवर

(मन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-ध (1) के अधान मृचना 2. श्री ए० भार० मैतिली

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 182/मार्च/82—म्प्रतः मुझे, एस० लहरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सर्वान्त जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 15 है, जो चेरमन मृततुरामैयर स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकु-मेंट सं० 1508/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 82

को पृथों कत संपरित के उपित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म में किम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उनतः अधिनियम, को धारा 269-घ के सनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम को धारा 269-घ की उपघारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाब्धेपः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में सजाप्त होती हो, के भौतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के रावप्त को प्रकाबन की तार्य के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति को हित-बद्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए का सकान।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त कन्यों नीद पत्ने का, को खनकः सिंधितयम के कथ्याय 20-क में वरिधाकिक है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

मन्सूची

भूमि श्रोर निर्माण, 15, चेरमन मुसतुरामैयर स्ट्रीट, मदुरै।

(डाक्मेंट सं० 1508/82) ।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजनी, मद्रास

दिसांक : 18-11-1982 ।

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

ा. श्री नवमनी

(भन्तरक)

2. श्री वन्नीयराजन

(भ्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्राम दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० नं० 102/मार्च/82--श्रतः मझे, एस० लक्षरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से मिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 2412 है जो मदुरै टोन इसट, मदूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मदुरै (बाकूमेंट सं० 1083/82) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 82

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रसिद्यत संअधिक हैं और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरय से हुई किसी नाय की नायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्त) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में खम्स अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) 🖚 अभीत निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कीं तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमी टी० एस० 2412, मदुरै टौन इसट मदुरै। (डाक्मेंट सं० 1083/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 19-11-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $^{-1}$, मद्राम

मद्रास दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 135/मार्च/82—अतः मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिरम' कहा गया है), की आरा १८७-ख के अधान सभम बाधिकारी को, यह विश्वास करो का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका अचित आजार कुन्य 25,000/- क्षण से प्रधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 2412 है जो महुरे टौन इसट, मदुरे में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में थौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरे (डाकुमेंट सं० 1084/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिकल के लिए पन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास हरा का आर्थ है कि यथापूर्वोक्त प्रमाणि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ते दे प्राप्त का गण्या प्रतिकल में, ते दें प्राप्त का गण्या प्रतिकत प्रमाणि है खीर प्रत्तरक (प्रभारका) जार सम्बद्धि (अन्वर्णामों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए ता सम्बद्धि प्रतिकल, निम्मितिक उद्देश्य से उसन प्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक हो ये कथित नहीं किया गणा है :---

- (क) अन्तर्ण स हुई जिसी शाय की बाबत उथत अभि-नियम के अधीन कर की के अन्तर्क के दायिस्य में कभी करने या उससे स्पन में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी कियी ग्राम या किसी इन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रीविनयम, 1922 (1922 का १1) या उन्त श्रीविनयम, या उन्तका अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था क किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुमरंग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की जपवारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. श्री नवमनी

(अन्तरक)

2. श्री सकतीवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

छक्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (३) अस्त्रना के राजात के प्रकाणत की दारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्वॉकत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इन यूचना के राजपत्न में प्रनाशन की तारीक्ष से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति जारा, प्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखिल कें किये जा नकेंग ।

स्वय्दीकरण :--- अक्षमें प्रयुक्त शब्दों होर पदों का, जो जकत शिल-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ 2412, मदुर टौन इसट, मदुरै। (डाकुमेंट सं॰ 1084/82)।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982 ।

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -------

------- 1. श्री नवमनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 136/मार्च/82—अतः मुझे, एस० लहरी

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 2412 है, जो महुरै टौन इसट, महुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूर्भ में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुरै (डाकुमेंट सं० 1085/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, नर्गत् :--- 2. श्री सिनगारवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हन-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अमित व्यक्ति हो,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्योक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 2412, मदूर टीन इसट, मदुरै । (डाकुमेंट सं॰ 1085/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा मद्रास

विमांक : 19-11-1982।

प्रारूप जाइ.टी.एन.एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के **अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 137/मार्च/82—अतः मुझे, एस० लहरीः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 2412 है, जो मचुरै टोन इसट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेंट सं० 1086/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अनत्रण से हुई िकसी आब की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की जचीन, निम्नीलितिक व्यक्तिकों, अथित् :--- 1. श्री नवमनी

(अन्तरक)

2. श्री सानतबेल

(अन्तरित्री)

का बहु कुबना आरी करके पूर्वोक्त संपीत्त के वर्जन के लिए कावीबाहियी करता ही।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जमिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्तित में हितन्य भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शत जिल्लित में किए जा सकी।

स्यच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

en er eli

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 2412, मंदुरै टौन इसट, मदुरै। (डाकुमेंट सं॰ 1086/82)।

एस० लहुरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 19-11-1982।

त्रक्य बाह्र .टी. एन. एस. -------

भायकर भविनियम, 1981 (1981 का 48) की शांदा 269-म(1) के प्रचीन सुमना

बार्ख बरक्स

कार्यालय,, सञ्चायक भागकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनोक 19 नवस्थर1982

निर्देश सं० एफ० नं० 183/मार्चे/82--अत: मुझे, एस०

लहरी नायकर निवित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंडमें परवात 'उस्त अविविद्यमं' सद्धा नदा 🜓 , की वारा 269-व के वंधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ही कि स्थावर बम्पति, जिल्ह्या उवित पालार जुल्य 25,000/ रा. से मिक 💕

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 2412 है जो मदुरै टीन इसट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रत्सुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (हाकुमेंट सं॰ 1081/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भार्क 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान त्रिकिक के लिए बन्तरित की नई है और कुके यह विश्वाद करने का कारण है कि यमापूर्वोंकत संपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिवृत्त का नन्त्रह प्रतिचत से अभिक ही बौद वंतरक (बंतरकों) बौद अंतरिकी (बन्तरितिकों) के बीच एसे बनारण के बिए तब वाबा पवा प्रीव-कार्य , निम्निनिषित उद्देश्य से उस्त बन्तरन सिवित में वास्तीयक क्य के करिया नहीं किया नवा है है—-

- (क) बन्तरूप से हुए किसी बाद की बाबव, उनत् नविविवय के संबोध कर दोने के बनारक के दप्रीयत्व में सभी अनुने या उसके बचने में सुविधा में सिए: मीर/श
- (वा) द्वी किली नाम या किली भगवा नाम कारितकों का, जिन्हें भारतीय जावनार जीवनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ कन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया भाग चाहिए था, कियाने में सुनिधा के फिर्फ

नतः नव, उनक विधिनियम की धास्त 269-त की, सन्करण् में, में एक्स विभिन्नियं नहीं भारत 269-व भूमी उन्तर्भास्त (1) के मधीन विम्नतिस्ति का करणों, सर्वात:---

ाः भी नवमनी

(अन्तरक)

2. श्री दरमराजन

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके वृद्धीक्त सम्मित्ति के अर्जन को लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पृतित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स्रो 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त क्वित्रयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- 🏿 इंच सूचना के राखपत्र में प्रकालन की तारीस से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पोद निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, अभिनियम को अध्याय 20-क में है, वहीं वर्भ होगा, जो उस अभ्याय में विया गंबा है।

भूमि टौ. एस. सं. 2412, मदूरी टौन इस्ट, मदूरी (डाकुमेंट सं० 1081/82) । :

> एक वहरी, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 19-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.,----

नेयम. 1961 (1961 का 43) की

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

मिर्चेश सं० एक० मं० 12/मार्च/82---अतः मुझे, एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरख है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 25, है, जो गानदीपुरम, पल्लीपालैयम, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालैयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन माच 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष क्य से कथित नहीं किया गया है द्र--

- (क) बन्तर्प से हुई किती आयुक्ती वावता, उक्त् अधिनिवस्के स्पीत् कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उबसे व्यने में सुविधा जो लिए; ब्रॉट/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था किया में सुविधा के लिए;

जतः अब उच्चल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री गुरुनात चैट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री आर० पलनीसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकोंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भनुसूची

भूमी भौर निर्माण 25, गानदीपुरम, पल्लीपालैयम् । (डाकुमेंट सं० 457/82) ।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. मद्रास

दिनांक : 19-11-1982 ।

प्ररूप आई. दी. एन.एस. - ---

अयिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 च(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-], मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० एफ० नं० 13/मार्च/82--अतः मुझे, एस० लहरी,

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, जिनका छित्त बाजार मृह्य 25,000/-एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० 25, है जो गानदीपुरम, पल्लीपालैयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालैयम (डाकुमेंट सं० 458/82) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रश्यस (प्रश्यकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कचित नहीं चिया चया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत स्वत अधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक के प्रायिक्ष में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के शिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय मा किसी वन या अन्य ग्राह्मियों को, जिन्हें भारतीय पायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या वन-कर प्रविनियम, या वन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्य, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म 32—386GI/82

1. श्री गुरूनात चैट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री वी० मुत्तुसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्यत्ति के अर्जन के पंजंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजयव में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रविद्य मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की शविद्य; जो भी प्रविद्य बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी श्रन्य ध्यक्ति द्वारा अश्रोहरनासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दो का, जो उक्त श्रिषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सहमाय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 25, गानदीपुरम, पल्लीपालैयम (डाकुमेंट सं० 458/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

ीहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

1. श्री एन० मोहन

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० ग्रार० गनेसन

(ग्रन्तरितौ)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 143/मार्च/82—अतः मुझे, एस० लहरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर किसकी सं० सर्वे सं० 134/4 है जो कैलासमपालैयम, तिरुचेनगट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेनगट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शबदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सरवे सं० 134/4 कैलासमबालैयम (डाकुमेंट सं० 497/82)

एस० लहरी-सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 19-11-1982

मोहरः

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 19 नवम्बर् 1982

निर्देश स० एफ० स० 148ए/मार्च/82—-ग्रत मुझे, एस० लहरी ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० सरवे न० 134/4 है जो कैलासमंबालैयम, निरूचेनगेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्चः में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरूचेनगेट (डाकुमेट स० 498/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंग्यमान प्रतिफल के एसे इंग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एन० नागराजन

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० ग्रार० गनेसन

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत् सुम्मतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सरवे स० 134/4 कैलासमबालैयम, तिरुचेनगेट

(डाकुमेट स० 498/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस्. -----

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269न्य (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, -मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 56/मार्च/82—ग्रतः मुझे, एस० लहरी,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-वप्य से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 9 है, जो मेलमुगम, श्रावनीप-पेरूर है, जो नाम्मक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय, एटपाटी (डाकुमेट सं० 264/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिल्लित में वास्तविक हम से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण य हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधिनियम के पशीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी आज मा किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्य प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसद्धण मं, मं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उप-धादा (1) के जधीन, निम्नुलिखित व्यक्तिसर्वो हा अर्थीत् हि— 1. श्री रामु भ्रम्माल ग्रौर ग्रदरस

(श्रन्तरक)

2. श्री चिन्तमुनियन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की -श्रविध, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिव्वनियम = के प्रष्ठवाय 20-क में परिभाषित हैं. वही भ्रार्थ होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

असलाची

भूमि सर्वे सं० 9, मेलमुगम, श्रावनीपपेरूर नामक्कल (डाकुमेंट सं० 264/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्ररूप. बाईं. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-, मद्रास मद्रास-1, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 59/मार्च/82--श्रतः मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1 श्रौर 3 ग्रटुक्कम, पेरीयकूलम है, जो पेरीयकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरीयकुलम (डाकुमेंट सं० 301/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब जबत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री राजकुमार विजय रगुनात नोनर्टमान

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजवरमा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिनबव्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

भूमि सर्वे 1 श्रीर 3, श्रदुक्कम पेरीयकुलम (डाकुमेंट सं० 301/82।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी **सहायक श्रायकर श्राय**क्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

श्रायकर प्रश्नितियम, 1981 (1981 का 63) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-¹, मद्राम

मद्रास-1, दिनांक 19 नवस्बर 1982

निदेश सं० एफ० नं० 74/मार्च/82—यतः मझ, एस०

लहरी, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसन इसके परचास् 'उक्त ्रपश्चितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सकाम प्राधिकारी को, विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,00०/- रुपए से मधिक है, श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 494/बी 1, 1ए 1ए 1ए 1ए 1ए ए ब श्रीर 106-जे/14 मलिविट्टान, मालयमकोट रोड है तथा। जो तूनतुकुटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्चं: में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तूनतक्टी (डाकुमेंट सं० 529/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1982 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व श करनेका कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्प्रति का उक्ति बाजार मुख्य, उसके दुश्यभात प्रतिकल से, ऐस दुश्यकात प्रतिफल का परब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर

(प्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उत्रत अन्तरण विखित में तास्त्रविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उपत मिलियम के अधीन कर देन के बान्तरक के दासिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिये; और।या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसा घर या अन्य आस्तिया कों, जिन्हें भारतीय भागकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिवनियम, या अमन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की. अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जै व्योग निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीत् ः—- 1. श्री चारली

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० के० परमसीवन

(ग्रन्तरिती)

की यह भूचता आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 15 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर धूचता की तामील से 30 दिन की भवित्र की भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुनना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 शिन के भीतर उनत स्थातर सम्पत्ति में दिवनद किसी अन्य भ्योनेत द्वारा अधोद्यस्ताक्षरी के पास विखिल में किये जासकेंगे ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अमुक्त शब्दों और पदो का, को प्रक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस सम्माय में दिया हुए हैं।

मक्सर्च

भूमि और निर्माण पर्ने : 494/बी1 1ए 1ए 1ए 1ए ए 4 मिनिविद्यान, पानैयमकोड़ै, रोड, नुनतुकुटी (डाकुमेंट सं० 529/82.)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनाक : 19-11-198<u>2</u>

प्रकृप भाषं व टीव एम । एस --

आयकर प्रावितियम; 1961 (1961 का 43) की प्रारा 26% व (1) के प्रश्नीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवस्वर 1982 निर्देश सं० एफ० नं० 82/मार्च/82—-ग्रतः मुझे, एस० लहरी,

भागकर भिक्षितियम, 1961 (1963 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की चेह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूष्य 25,000/-प• से भिक्षक है

श्रौर जिसकी सर्वे सं० 465/1ए 1वी 1, 465/1ए 1बी 2 श्रौर 465/1ए 1 बी 3 मीलविट्टान, पुरूक्कुटी है जो तूततुकुटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में शौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तूततुकुटी (उकुमेंट 685/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है एउँद सुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के एवंद सुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के एवंद के लिए प्रम्तर के तुष्यमान प्रतिकत से एवंद के प्रतिकल का पश्चक प्रतिकत अधिक है और अपार (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी ग्राय की बाधभ, जबत प्रश्नित्तम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के गामिरण में कभी करने गाउससे उचने में मुणिश्वा के लिए। भीर/या
- (ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधितयम, १९३७ (1922 का 11) या तक्स प्रिथितयम, या श्रनकर ग्रिधितयम, 1957 (1957 का २१) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, द्विपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की ल्यधारा (1) के बधीन, निम्नीजीयत व्यक्तियों, जुर्वात :--- श्री कलयानसुन्द्रम पिल्लै ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें टी० कोसलराम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता त्रारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के सर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त एम्परित के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी स्पक्तियों पर श्चना की तामील से 30 धिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति हारा;
- (७) इस लुक्ता क राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से पुरु दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

रपदशोक्तरण:—-इतर्षे प्रयुक्त शरूहों और पर्दो का, जो **उपत** रुश्चितियम के श्रष्टयाय-20क में परिभाषित **है**, वंशे पर्षे होगा की छस पद्याय में दिया प्रसाहै।

भन्स्ची

भूमि और निर्माण सरवे सं० 465/ए1बी1, 465/ 1ए1 बी2 और 465/1ए1बी3 मीलविट्टान, पुदूवकुटी, तूननुकुटी।

(डाकुमेंट सं० 685/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रैंज-1, मद्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्रारूप आह . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-ाृ, मद्रास मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982 निर्देश सं० एफ० सं० 85/मार्च/82—प्रतः मुझे, एस० ो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 94, है जो नई श्रावटी रोड, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट (डाकुमेंट सं० 434/82 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

कां पूर्वोक्स सपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किशा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत. अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपी रामचन्द्र।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रमेश लाल श्रौर भ्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पदौं का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्ची

भूमि श्रौर निर्माण 94, नई श्रावटी रोड, किलपाक, मद्रास-10। (डाकुमेंट सं० 434/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक : 19-11-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.------

1 श्री बी० मुन्दरम ग्रौर ग्रदरम

(ग्रन्तरक)

क्पयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० ग्रनगम्तनु नायकर

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रासः दिनाक 19 नवम्बर 1982

निर्देण सं० एफ० सं० 123/मार्च/82--श्रतः मुझे एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रउ. स अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 148, 149 श्रीर 150 हैं जो गान्धीनगर, श्राततूर सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रन्मूचं। में श्रीर पूर्ण रूप
से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रातत्र
(डाकुमेंट सं० 504/82) मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफर निम्निलियत उद्देश्य म उपन अन्तरण निष्दित में गस्तिविक् स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियो, अर्थात् :---

को यह सूचना जारा करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 148, 149 श्रौर 150 गान्धीनगर, काततूर मेलम (डाकुमेंट मं० 504/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, मद्राम

दिनांक : 19-11-1982।

मांहर:

प्ररूप बाद्दे.टी.एन.एस.------

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निर्देश सं० एफ० नं० 132/मार्च/82-~ग्रनः मुझे एस० लहरी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सन्नी वुडलैंडम है, जो चेट्टीयार रोड, कोडेकानल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कोडेकानल (डाकुमेंट सं० 106/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में आस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री सिलविया म्नुनाल भगत ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रदवानी ग्रारलिकान लिमिटेड ।

(गन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पृवों दल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण : सन्नी वुडलैन्डस चेट्टियार रोड, कोडे-कानल ।

(डाकुमेंट मं० 106/82)

एस० लहरी. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

दिनांक : 19-11-1982

प्ररूप भाइ^र.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 12093--श्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के आगीन यक्षम प्राधिकारी की, ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है। भ्रौर जिसकी सं० एस० नं० 186-ए, 186-बी, है, जो उठ्ठी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ मं० 861/82) रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982 कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है योग मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य उसके दुश्यमान प्रतिकत स, ऐवे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से गिथा नहीं किया गरा है : -

- क प्रतारण मंड्ड किनो प्राप्य की बाबन, उबन श्राधिक नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयां को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थ्यत — श्री एम० बी० श्रक्ताचलम एम० बी० मुख्गप्पन, एम बी० मुबय्या

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स लार्सन भ्रौर टाँबरो एजुकेशनल भ्रौर वेलफेयर ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

भूमि भ्रौर निर्माण एस० सं० 186-ए, 186-बी उठ्ठी गांव।

(डाकुमेंट मं० 861/82)

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, मद्रास

दिनांक: 20-11-1982

प्रस्प बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदंश नं ए पी न 3790——यतः म्भे, ज एल । गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अन्सूची में निष्मा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

प्रिमिक्त को लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्द संपरित का उचित धाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल में, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री दंबी दयाल दाना राम फतेह चन्द प्य बखता राम वासी मानसा मण्डी।

(अन्तरक)

 श्री तरसम चन्द पुत्र कल्लयन्त राम पुत्र बलायती राम मानसा।

(अन्तर्रिती)

- जैसा कि उपरोक्ता न . 2 मो लिखा है।
 (वह वयिक्त, जिसके अधिभोग मो संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सर्पत्ति में रूची स्वता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अयाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटसद्ध किसी अन्य व्यक्तियां द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदौं का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्घी

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि चिलंग नं 4937 दिगक मार्च 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिया हो।

> जे. एत. निर्धर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जना रॉज, जालक्रर

अतः अब, उस अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मं, मैं, उस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारील : 15-12-1982

प्ररूप आई टी एन एस -----धारा 269-घ (1) कं अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक आयकार आस्कत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निदंश म जगाधरी/106/81-82--अत म्फॅ, आर के भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ स अधिक है

और जिसकी स प्लाट क्ष 524 33 व ग है तथा जो जगाभारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाभरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 82

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मून्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने वी कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्दश्य स उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप स किथर, नहीं किया गणा है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरत के दायित्य संकमी करने या उससे बचने संसविधा के लिए, और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलान मा सर्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को, अनसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्धात् — शीमती मीना क्मारी पत्नी श्री विशन सरूप क्तक पुत्र श्री उग्र सन नि म न 349 माहल्ला लठ-मारा, जगाधरी

(अन्तरक)

2 श्रीमती रामा रानी पत्नी श्री किमती लाल म न 55, अनाजमन्डी, जगाधरी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता ह

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्स्रवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद मं समाप्त हाती हा, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों मं स किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सर्पात्त मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकरेंग।

स्पष्टीकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ह⁴, वही अर्थ हांगा, जा उस अध्याय मो दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट क्लब कालोनी, जगाधरी में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजि-स्ट्री संख्या 7217, दिनाक 11-3-82 पर दिया है।

> आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, राहतक

तारीख 9-11-1982 मोहर .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Nw Delhi-11001, he 22nd November 1982

No. P/1814-Admn II.—On his reversion from his contract appointment as Programmer to the Government of Iraq under the scheme of foreign assignment after the expiry of his period of contract on 15-10-82 (AN) Shi Z. E. Shaikh, permanent Senioi Programmer in the office of Union Public Service Commission, assumed charge as Senior Programmer in the Commission's office w.c.f. 20-10-1982 (FN).

The transit period from 16-10-1982 to 19-10-1982 had been treated as earned leave due to and admissible to Shri Shaikh.

> Y. R. GANDHI, Under Secv. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRFCTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 29th November 1982

No. A.12012 1/81-Admn —S/Shri A, K. Chawla, Sr. Tech. Assit. and M. M. S. Lamba, Sr. Supervising Officer of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to the post of Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 -1 with effect from the forenoon of 30th October, 1982 on ad-hoc basis for six months or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier

> B. K. DUBF, Director Police Telecommunication

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 1st December 1982

No. O.II-1211/75-Estt - Consequent of his retirement from

Government service Shri Khaika Bahadur relinquished charge of the post of Dv. S.P. in this Force on 31-10-82 (AN).

No. F.2/12 81-Fstt(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri S. C. Misra, Asstt. Comdt in the CRPF w.e.f. 19-3-81 in the rank of Asstt. Comdt.

The 2nd December 1982

No. O.II-1328/76-Estt.—The President is pleased to allow Shi P S. Yadav Dy. S.P. of CRPF to retire voluntarily from service under Rule 43(d) of CRPF Rules.

2. Shri P. S. Yadav relinquished charge of the post of

Dv. S.P. 68 Bn on 30-6-82 (AN).

A. K. SURI, Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 7th December, 1982

No. 11/12/81-Ad. 1.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following officers working in the office as indicated against each to the post of Joint Director of Census Operations upto the 31-8-1982 on the existing terms and conditions:-

S. No		Office where working
1.	Shri N.L Gupta	Director of Census Opera-
2.	Shri T.V. Srinivasan	Lucknow. Director of Census Opera- tions, Tamil Nadu, Madras

The Headquarters of S/Shri Gupta and Srinivasan will be at Lucknow and Madras respectively.

> P. PADMANABHA Registrar General,

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL RI-VENUES

New Dethi, the 8th December 1982

No. Admn.I. O.O. No. 445.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shii R. I. Khanna, a permanent Section officer of this office to officiate as Audit officer in the scale of Rs. 840-1200 from the afternoon of 29-11-1982 until further orders

A. S. MOHINDRA, Jt. Director of Audit (Admn. J)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE PACTORILS SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutto, the 1st December 1982

No. 53, G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. L. Jalota, Offg. Addl. DGOF Of F, retired from service with effect from 30th Nov., 1982/AN,

V. K. MEHTA, Director

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th November 1982

No A-32013/2 81-Admn.II(A)—The President is pleased to appoint with effect from 10-11-1982 and until further orders Shii U. Krishnan, Technical Assistant (Dyeing) as Assistant Director Gr.1 (Processing) in the Weavers' Service Centre, Cannanore.

· VINAY JHA, Addl. Dev. Com

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL, SCALE INDUSTRIFS)

New Delhi, the September 1982

No. A.19018(22) '73-A(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Chidambaran, Asstt. Director (Gr.II) (GAD), Small Industries Service Institute, Trichur as Asstt. Director (Gr.I) (GAD) at Regional Testing Centre, Madras with effect from the forenoon of 30-8-82 until further orders.

The 29th November 1982

No. 12(691) 77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Majti, Deputy Director and Grade III officer of Indian Feonomic Service in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr.II) (Economic Investigation) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 16-10-1982 until further orders.

The 30th November 1982

No. 12(386) 63-Admn (G) —The President is pleased to appoint Shri K. M. Dargar, Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Director (Gr.II) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Patna with effect from the forenoon of 2-11-1982 until further orders.

No. 12(385)/63-Admn.(G)Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Rajagopelan, Assistant Director (Gr.I) (Electrical), Small Industries Service Institute, Trichm as Deputy Director (Electrical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Hyderabad with effect from the afternoon of 6-3-82 until further orders.

No. A.19018(358) 78-Admn (C) —The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shir Shiv Dayel, Superintendent, Small Industries Service Institute, Jaipur as Assistant Director (Cr. II) (General Administrative Division) in the same Institute for the period from 9-8-1982 to 30-9-1982 on ad-hoc basis.

2. On his appointment as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) Shri Shiv Daval assumed charge at Small Industries Service Institute, Iapun on the forenoon of 9-8-1982 and on the expiry of the period, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) at the Small Industries Service Institute, Jaipun on the forenoon of 1-10-1982

The 1st December 1982

No 12(530) 66-Adm.(G)-Vol II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Issac, Assit Director (Gr. 1) (IMT) Small Industries Service Institute, Madras as Deputy Director (IMT) on Ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 4-9-1982 until further orders.

No. A-19018(447) 79-Admn(G) — The President is pleased to appoint Shri K. C. Varghese, Asstt. Director (Gr. II) (EI) Small Industries Service Institute, Bangalore as Asstt. Director (Gr. 1) (IMT) at Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 20-10-82 until further orders.

No. A [9018(577) 82-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri T. Natesan, Superintendent, Small Industries Service Institute, Bengalore as Assistant Director (G1. II) (General Administrative Division) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 30-9-1982 until further orders

No 19018(597) '82-Admn.(G).—The President is pleased to appeint Shi K. Zobhuma, Small Industry Promotion Officer (F1). Bi Small Industries Service Institute, Aizwal under Small Industries Service Institute, Gauhati, as Assft. Director (G1. I) (IMT) at the same station with effect from the 1012-noon of 2-11-1982 until further orders

The 6th December 1982

No. A.19018(566) '82-Admn.(G) —The President is pleased to appoint Shri I. P. Khonna, a permanent Small Industry Promotion Officer (L/I) in Small Industry Development Organisation as Asst. Director (Gr I) (I F) in the same Organisation with effect from the afternoon of 30-10-1982 until further orders on his reversion from deputation with the N.S.I.C New Delhi wef 30-10-1982 (A N)

C. C. ROY, Dv. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIFS & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1) New Delhi-1, the 30th November 1982

New Defin-1, the 30th November 1782

No A-1/1(224).—Shri I C Bhandari, permanent Deputs Director General and officiating Additional Director General in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, who was appointed as Chief Adviser (Marketing) in the Notional Textile Convolation Limited New Delhi wef. 1-10-1982 (FN) on deputation basis, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th November 1982 on attaining the age of superannuation.

S BAI ASUBRAMANIAN, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STFFL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

eren e emiliare remain a maria en la especia

Calcutta-700016, the 1st December 1982

No 8708B/A-12025 (4-Driller)/81-19B—The following officers of the Geological Survey of India are appointed as Driller in the same Department on pay according to the recommendation of the U.P.S.C. in the scale of Rs. 650-30-740-

35-810-LB-35-880-40-1000-1 B-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders:—

SI. Name and Designation No.	Date of joining			
Shri Amit Kumar Chowdhury	S.T.A. (Drilling)	28-9-82(HN)		
2. Shii H.K. Barury	Do.	16-10-82(FN)		
Shri S.L. Mazumdar	Do	18-10-82(FN)		
4. Shri S.S. Jangpangi	Do.	20-10-82(FN)		
 Shri Malay Narayan Basu 	J.T.A. (Drilling)	15-J0-82(FN)		

S. K. MUKERJEE Director General

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Rajasthan, the 29th October 1982

No. RAPS/09002/G/(903)/82/S/3273.—Consequent on his resignation from service having been accepted by the Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, Shri R. V. Manjiekar, permanent Scientific Assistant 'C' and officiating as Scientific Officer/Engineer Grade SB of this Project relinquished charge of his post on the afternoon of August 31st, 1982

M. D. GADGIL, Administrative Officer (E)

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 18th November 1982

No. RRC/A 32014/5/82—Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri C. Prithvikumar, a temporary Scientific Assistant 'B' of this Centre, to officiate as Scientific Officer/Fngineer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from August 28, 1982 until further orders.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Admn, & Accounts Officer

Kalpakkam, the 16th November 1982

No. RRC/PF/3808/82/14905.—The Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri S. Venugopal, a Permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' of Nuclear Fuel Complex. Hyderabad as Scientific Officer/Fngineer Grade SB in a temporary capacity in this Centre in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of August 31, 1982 until further orders.

S. PADMANABHAN, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 29th November, 1982

No VSSC/EST/F/1(17).—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- with

effect from the forenoon of Octo orders:	and the state of t	Sl. No Name	Divisian/Project	
Sl. Name No.	Division/Project	 Smt. Radhamoni Venugopal Shri Jagal Prasad 	GSS/TERLS FRPD	
 Shri S. Sasi Shri K. Gangadharan Shri M. Thambu Smt. Jessy Antony Shri Henry S.D'Silva Shri B. Sreedathan Shri K.M. Sukumatan 	SLV (C) RSR COM ARD MET/TERLS ARD APEP	 Shri G.P. Sasidharan Nair Shri R. Bhaskaran Nair, Shri K. Gururaja Ugrani Shri V.I. Alexander Shri M. Vijayakumar Shri P. Vijayan Shri K.P. Gopinatha Pillai 	SLV(C) SLV(C) ASLV CGD ASTRID GSS/TERLS QCD	
8. Shri G. Ramu 9. Shri V.N. Raveendran 10. Smt. A.D. Elsy Baby	RPP PFC FLS		K.P.R. MENON *Admn. Officer-II (EST for Director-VSSC	

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th November, 1982

No. A. 32013/3/82-EC. The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months wield, the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each :—

S. Name No.					Present Stn, of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shri 1° U. K. Sinha				-	R.C & D.U., New Delhi	ACS, Calcutta	7-10-82 (AN)
2. A.K. Sanghal					R.C. & D.U, New Delhi	ACS, Nagpur	11-10-82 (ΓN)
3. S.D. Awasthi	•		1		R.C. & DU., New Delhi	ACS, Jaipur	30-9-82 (FN)
4. A.V. Krishna					R.C & D.U. New Delhi	R.C. & D.U. New Delhi	29-9-82 (FN)
5. M. L. Dhar	٠	•	•	•	C.R.S.D., New Delhi	R.C. & D U. New Delht	27-9-82 (AN)

The 7th December 1982

No. A. 32013/7/81-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A. 3201/103/81-EC dated the 4th Jan, 82 and 30th April, 82, the President is pleased to appoint the following four officers at present working as Senior Communication Officer on adhoc basis to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis w.e.f. 20-9-82 and until further orders:—

S. Name No.	Station of posting
S/Shri	
1. D.V.S. Dahiya	A.C.S. Calcuttà.
2. Umesh Kumar	A.C.S. Delhi.
3. P.K. Kapoor	DGC (Hqrs)
4. A.K. Gulati	A.C.S. Calcutta
	DDEM CILLE

PREM CHAND

Assistant Director (Admn.)

New Delhi, the 30th November, 1982

No. A. 32013/4/79-ES.—The President is pleased to grant ex-post-facto sanction for the adhoc appointment of the following officers in the grade of Senior Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department for a period of six months with

effect fr om the date shown against each or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier:—

stuffinents to the Brace are made	HILLIAM TO CONTINUE
 Sh. P.M. Goyal 	24-5-82
2. Sh. H.M. Phull	27-5-82 (AN)
 Sh. Mohd. Mustafa 	21-4-82
4. Sh. L.A. Mahalingam	22-4-82
Sh. Doba Prasana Ghosh	30-7-82 (AN)
Sh. Harihar Prasad	21-4-82
7. Sh. L.M. Mathur	1-5-82
8. Sh. D.P. Ghosh	30-7-82
9. Sh. N. Ramesh	21-4-82

The adhoc appointments of the officers concerned shall not bestow on them a claim for regular appointment in the grade and the service so rendered on adhoc basis will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to higher grade.

J.C. GARG,

Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 30th November, 1982

No. 12/3782-EST. - The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints the following officiating Deputy Traffic Managers as Deputy Traffic Managers, in a

substantive capacity, with effect from the date indicated against each under column No 3 -

S Name No	Date from which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive Capacity
1 2	3
(1) Shri T C Mendes	2-8-1980
(2) Shri D L Sambharia	1-4-1981
(3) Shri Bhagat Singh	1-5-1981
(4) Shri A K Basu	1-6-1981
(5) Shri M V Rao	2-9-1981

PKG NAYAR, for Director General FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehradun the 4th December 1982 6/80 Ests I—The President, Forest 16/356/80 Ests I —The No Institute & Colleges, Dehradun has been pleased to permit Shri D S Bisht, Assistant Registrar, Forest Research Institute & Colleges, to retire from the service of Govt of India on attaining the age of superannuation on 31st October, 1982

No 16/356/80-Ests I -The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun has been pleased to appoint Shri S. S Pani, Office Superintendent, to the post of Assistant Registrar on ad-hoc basis wef 411-1982 (FN) and on regular basis wef 22-11-82 until further orders

Statement for quarter ending 30th September, 1982

RAJAT KUMAR,

Registrar,

Forest Research Institute & Colleges.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bombay, the 25th November, 1982

I—COURT CASES

No St-2/80-81—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944, the names and addresses, and other particulars specified in Sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows: 33 of the Act are published as follows

S No	Name of the persons	address	The provisions of the Act contravened	The amou	int of penalty imposed	
1	2	3	4		5	
			NIL	-		
		п	DEPARTMENTAL	ADJUDICATIONS		
S No	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened q	Amount of penalty imposed	Value of exercisable goods adjudge by an officer under Sec 33 to be confiscated	Amount of fine in heu of confiscation under Section 34 of the Act
1	· • · • ·	3	4	5	6	7
1	M/s Swastik Acrated Water Works	3, Gilder Lane, Lamington, Rd, Bombay-8	Rules 44, 45, 198, Rules 173-B, 173-C, 173-F, 173-G(1) read with Rule 9(1), 173-G(2) read with Rule 52-A, '73-G(4) read with Rules 53 and 266 Central Excise Rules, 1944	Rs 66,000/-	-	
2	M/s Rockwell Industries	A/20, Singh industrial Estate, Ram Mandir Rd Roregaon (West) Bombay-62	Rule 173-G(1), 173-G(2) and 173-G(4) read with Rule 9(1), 52A, 53 and 226 of Central Excise Rules, 1944	Rs 1,60,000/- which was reduced to Rs 40,000/- by the order in apreal No 237 of 1982 issued under F No 194/- 159/82-AU(A) Dt 21-7-82 of Central Board of Excise and customs	Rs 3,75,610/-	Total fine imposed by the Cill-ctor was Rs 1,08,000/-(fine of Rs One lakh imposed in heu of confiscaltion of golds (—) fine of Rs 3,000/-interms of the bind executed by the Company for provisional release) Fine of Rs 1,00,000/-was reduced to Rs 20,000/- by the order in appeal No 237 of 1982 issued under F No 194/-159/82-AU(A) dt 21-7-82 of Central Board of Excise & Customs.

1	2	3	4	5	6	7
	I/s. New Isra Falmics Ltd.	Matunga	Rule 9, 47, 53, 173F, 173G(2) and 173-G(4) read with Rule 52A and 226 of the Central Excise Rules, 1944.	Rs. 10,000/-	Rs. 1,46,550 80	Rs 30,000/-
	I/s. Narend;a Wite idustries	5, Bhaiat Builders, Ram Mandir Road. Gurgaon (East), Bombay 400 063.	Rule 173-B, Rule 173-C, 173F, 173-O(1), read with	Rs. 30,000/- which Was/Reduced to Rs. 12,000/- by the order in appeal No. 241 of 1982 issued under F. No. 194/-157/82-AU(A) dated 24-7-1982, of Central Board of Excise & Customs	Rs. 56,921 10	Rs. 30,000/- which was reduced to Rs. 12,000/- by the order in appeal No. 241 of 1982 issued under F. No. 194/157/82-AU(A) dated 24-7-1982 of Central Board of Excise & Customs.

Vijay Kumar Gupta Collector of Central Excise Bombay-I.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 2nd December 1982

No. 7 82.—Sri R. M. Paikray, Inspector (SG) of Collectorate of Customs and Central Excise, Bhubaneswar has been appointed to officiate as Superintendent Group 'B' Customs, and Central Fxcisc vide Collectorate order dated 1-10-82.

SANGHAMITRA DAS, Assistant Collector (HDQRS), Central Excise and Customs

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi110066, the 30th November 1982

No. A-32012/1/81-Estt.V(Vol. II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, CWC hereby appoints Shri Shlv Kumar Sharma officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on Ad-hoc basis in Central Water Commission (posted to C.E.A. against cadre post), on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 9th August, 1982 until further orders

The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

3. The promotion of the above mentioned officers is subject to the result of Civil Rule No. 10823(W) of 1980 Pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

The 6th December 1982

No. A-19012/1007/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shi Vinod Kumar Mendiratta, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25th October, 1982.

A. BHATTACHARYA.
Under Secy.
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th November 1982

No. 27-E/J(43)79-EC.II.—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri K. D

Jagwani, Surveyor of Works, Delhi Central Circle No. III, C.P.W.D., New Delhi, to retire from Government Service. Accordingly Shri K. D. Jagwani, will retire from Government service in the afternoon of 30th November, 1982.

NEENA GARG, Dy. Director of Administration for Director General (Works)

New Delhi, the 30th November 1982

No. 1/253/69-EC IX.—Shri Satya Pal Nayar, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November 1982 (AN).

No. 1/346/69-EC IX.—Shri G. N. Sharma, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November 1982 (AN).

A. K. NARANG

Dy. Director of Administration

MINISTRY OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 2nd December 1982

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta hereby appoints Shri K. Rangaraj, S.O., D.G.S. & D. as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the National Test House, Madras Branch, Madras on deputation basis w.e.f. the forenoon of 6th October 1982 (F/N) until further orders.

A. BANERJEE

Dy Director (Admn.)

for Director General

National Test House, Calcutta

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DIPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES KERALA, M.G. ROAD, ERNAKULAM

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Unico Industrial Investments Kerala

Private Ltd.

Cochi 1-682 011, the 15th November 1982

No. 2551/Liq./560(4)/10515.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Umco Industrial Investments Kerala

Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Prabha Chemicals Private Limited Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2592/Liq/560(3)/10517/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Prabha Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Palai Motors Limited Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 921/Liq/560(3)/10520/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Palai Motors Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Malabar Spices Private Limited

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 254/Liq/560(3)/10524/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Malabar Spices Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Friends Hawlers Private Limited

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2447/Liq/560(3)/10527/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Friends Hawlers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Lumber and Allied Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 1715/Liq/560(3)/10530/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Lumber and Allied Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

Cochin-682 011, the 15th November 1982

In the matter of the Companies Act. 1956 and in the matter of Perfect Printers Private Limited

No. 2514/Liq/560(3)/10534/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Perfect Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and sald company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of National Dairy and Canning Company Limited
Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 800/Liq/560(3)/10537/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of National Dairy and Canning Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Keen Chemicals Private Limited
Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2135/Liq/560(3/10541/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Keen Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Bosker Anodizing and Essential Oil Industrial Ltd.

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2348/Liq/560(3)/10544/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date here of the name of Bosker Anodizing and Essential Oil Industries Limited, unless cause is shown to the contrary. will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Bra-Tex Private Limited

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No 2980/Liq/560(3)/1054/82.—Notce is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Bra-Tex Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Aaron's Clay and Minerals Private Ltd.

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2304/Liq/560(3)/10550/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Aaronis Clay and Minerals Private I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Vishwachakra Tyres Private Ltd.

Cochin-682 011, the 15th November 1982

No. 2913/Liq/560(3)/10553/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Vishwachakra Tyres Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and said company will be dissolved

K. PANCHAPARESAN, Registrar of Companies, Kerala In the matter of the Companies Act, 1956 and of Zinc Oxide (India) Private Limited

Calcutta, the 1st December 1982

No. 29354/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Zinc Oxide (India) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Akhoy Kumar Paul (Manufacturers) Private Limited Calcutta, the 1st December 1982

No. 26492/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Akhoy Kumar Paul (Manufacturers) Private Limited, has this day, been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Assistant Registrar of Companies, West Bengal

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400 020, the 2nd December 1982

No. F.48-Ad(AT)/82.—1. Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal; Allahabad Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period upto 15-11-82 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/82, dated 5th October 1982, is now permitted to continue in the same capacity as Asstt. Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack for a period of 3 months with effect from 16th November 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturve li, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT)/82.—2. Shri Surendra Prasad, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, aBingalore Bench, Bangalore on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months from 16-8-1982 to 15-11-82 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/82 dated 5th October 1982 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore for a further period of 3 months with effect from 16-11-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is add-hoc and will not bestow upon Shri S. Prasad, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1982 INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 151.—Shri Anaud Kishore Raina, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, E-Ward, Allahabad in the forenoon of 20-9-1982.

No. 152.—Shri Satya Narain Lal, Income-tax Inspector of Allahabad Charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Assistant Controller of Estate Duty, Varanasi in the forenoon of 15-10-1982.

DHARNI DHAR

Commissioner of Income-tax

Lucknow

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 9th November 1982

Ref. No. JDR/106/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot measuring 524.33 sq. yds. situated at Jagadhari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Meena Kumari w/o Shri Bishan Sarup adopted S/o Lal Uggar Sain, r/o H. No. 349 Mohalla Lathamara, Jagadhari. (Trnasferor)
- (2) Smt. Rama Rani w/o Shri Kimti Lal r/o H. No. 55, Anaj Mandi, Jagadhari. (Transferee)

(11amatetee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot sale at Club Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7217 dated 11-3-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 9-11-1982

(1) Smt. Dharam Devi wd/o Shri Dewan Chand r/o Delhi

(Trnasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nand Lal S/o Shri Gurditta Mal r/o Panipat (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, ROHTAL, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 9th November 1982

Ref. No. PNP/206/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 21 bighas 18 biswas situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 bighas 19 biswas situated at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9982 dated 22-3-1982 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3176.-Whereas, J. D. P.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 174, Old No. 55 situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Bhopal on 16-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai pdroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Harimeetsingh S/o Sardar Mehersingh through Power of Attorney Shri Kuldeepsingh S/o Shri Sardar Singh and (2) Gurdershansingh S/o Mehersingh, R/o 161, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal S/o Ishwardasji, R o Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 174, Old No. 55 (Portion), at Idgah Hills, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-Tax, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3177.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storied house situated at Jaiprakash Ward, Katni (and 'more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excende the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ~ 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1' of Section 269D of the said Act to the following persons manely:—

(1) Shri Prabhudas S/o Badhumal Dhavrani, R/o Jaiprakash Ward, Katni.

(Transferor)

(2) Shri Gurdasmal S/o Badhumal Dhavrani, R/o Jaiprakash Word, Katni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house at Jaiprakash Ward, Katni.

D. P. PANTA
Gompetent Authority
Inspecting Assitant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-11-82

 I. Shri Ganesh Narayan; 2. Vijay Kumar S/o Bhagwandasji, R/o 184, Kalbadevi Road, Bombay, M.H.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sunil Kumar; Arunkumar Sagarmalji Betala-,
Minor Guardian Sagarmal S/o Harakchandji &
Guardian of No. 2 Benechandji S/o Harakchandji,
Surendrakumar S/o Sampatram
4. Ajay Kumar S/o Uganchandji.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3178.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Muncl. No. 159 situated at Chitavad, Sajan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 16-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35—386 GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mucl. No. 159, Chitavad, Sajon Nagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl., 3179—Whereas, I, V. K. BARNAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Rudlai, Harda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Jagdish S/o Ramlal; 2. Smt. Sita Bai Wd o Ramlal, R/o Rudlaı, Tch. Harda; 3. Smt. Gulab Bai D/o Ramlal, R'o Monkheri; 4. Smt. Inderbai D/o Ramlal, R/o Sonathlai, Harda.
- (2) Gulabbai D/o Kishanlal Jat, R/o Rudlai, Teh. Harda.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 128/1 area 4.047 Hector at Vill. Rudlai, N.B. 369, Ward No. 26, Teh. Harda, Hoshangabad.

V. K. BARNAWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11the November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3180.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 174-B, situated at Idgah Hills, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harmeet Singh S/o Shri Sardar Mehar Singh through Power of Attorney Shri Kuldeep Singh S/o Shri Sardar Singh, R/o 161, Idgah Hills, Bhopal,

(2) Shri Sudershan Singh S/o Shri Sardar Meher Singh,

R/o 161, Idgah Hills, Bhopal,

(Transferor)

(2) Smt. Narendra Kaur W/o Shri Pretam Singh, R/o E-3/68, Area Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 174-B, Idgah Hills, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11the November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3181.--Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 3/1, 3/2, 4/1 situated at Vill. Balgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 29-3-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectson (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Jasodibai W/o Shri Ambaram Khati, R/o Balgarh, Teh. Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Ram Krishna Land & Fintence Co., Dewas M.P. Through Partner Tiokchand Uttamehand, Gujarati R/o Subhash Chowk Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 3/1, 3/2, 4/1 at Village Balgarh.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3182.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 6, 9/9, 9/2 situated at Vill. Balgarh, (and more fully described in the achedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sdharth S/o Shri Kanhaiyalal Khati, R/o Bagarh, Teh. Dewas.

(Transferor)

(2) Ramkushna Land & Finance Co., Dewas, M.P. Through Partner Tiolkchand Uttamehand, Gujarati. R/o Subhash Chowk, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 6, 9/1, 9/2, at Vill. Balgarh.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq./BpI/3183.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No 273/3 situated at Vill. Bavadiya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 23-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) J. Shri Hıraltal,

2. Shii Ambaram S/o Shii Bandaji Gaari,

3. Shii Devkatan S/o Shri Bapu Minor through Guardian Mother, Smt. Bhavarbai Wd/o Shri Bapu Galari.

All R/o Shantipura, Dewas.

(Transferor)

(1) Anupam Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Bank Note Press, Dewas Regd. No. S.P.D.R. 390, through Chairman Omlumar Vyas, R/o Bank Note Press, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-xPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and Survey No. 273/3, Village Bayadiya.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagai, Bhopal

Dutc : 11-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 11th November 1982

Ref No IAC/Acq/Bpl/3184—Whereas, I D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Mucl H No 31, situated at Hiramal Road, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shii Shantilal Shah S/o Shii Sadaklal Singh R/o Freeganj, Ujjain
 - 2 Shri Sanjay,
 - 3 Shri Neeraj
 - 4 Shii Mihir Minor Ss/o Shri Gunwant Adhyapak Sarparasth & Guaidian Mother Smt Diviya Ben R/o Madhavnagai, Ujjain

(Transferor)

(2) 1 Shri Keshrimal S/o Shri Kanhaiyalalji

 Shii Babulal S/o Shr Kisehrimalji Khandelwal R/o 29, Begumpura, Ujjain

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Mucl H No 31 on which Factory Road & Factory compound are constructed, and measurement of which is 192.78 sq mtr & Compound measurement 1897.53 Hector total measurement is 2090.31 sq mtr situated at Hiramal Road, Ujjain

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
TT Nigar Bhopul

Date 11-11-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal, the 11th November 1982

Ref No IAC/Acq/Bpl/3185—Whereas, I, D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Land Kh No 1163, 1164 situated at Vill Tikari, Betul, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Betul on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shii Jawahar S/o Shri Ratilal Gujarati, R/o Betul

Transferor)

(2) 1 Shri Pannalal S/o Shri Ramlal Gothwal,

2 Shii Bhavarchand

3 Shii Abhaykumir S/o Shri Deepchand Garg, 4 Smt Gyaisi Bai W/o Shri Bhayarchand Garg,

5 Shii Subhash Chand 6 Shri Rajeshkumar

7 Shri Praveen Kumar Ss/o Shri Bhayarchand Garg,

R /o Betulgani, Betul,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh No 1163, 1164, at Vill Tikken, Teh Betul

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax
4th Folor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Phopal

Date 11-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3186.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 29 situated at Malviya Nagar, New Market,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—386 GI/82

(2) Smt. Kavitri Devi Khadiwala W/o Shri Kanhaiyalalji, R/o Jail Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Bangde W/o Shii Govindiamii, R/o 29, Malviya Nagai, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 and Shop constructed thereon, at Malviya Nagar, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T.T. Nagar, Bhopel

Dute: 11-11-1982

Seal;

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Prabhudas S/o Shri Badhumal Sindhi, R/o Jaiprakash Ward, Nai Aabadni, Katni. (Transferor)
- (2) Shri Rameshlal S/o Shri Shobharajmal Sindhi, R/o Guiunanak Ward, Katni (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No IAC/Acq./Bpl/3187.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 13, Kh. No. 1014/43, 1015/1 situated at Jaiprakash Waid, Katni,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Katni on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Kh. No. 1014/43, 1015_at Nai Aabadi, Jai-prakash Ward, Katni.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3188.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House situated at Guliya Dai Ka Mohalla, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kami Sworoop Jam Silo Stui Banusem Jam, Rio Shitara Mata Ka Bazor, Indore.

(iransieror)

(2) Chandrakantji Jain S/o Shri Kanti Swaroop Jain, R/o Guliya Dai Ka Mohalla, In front of Laiwani Press, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Thrible storied house at Guliya Dai Ka Mohalla, In front of Lalwani Press, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/3189.—Whereas, 1. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 39 situated at Govind Garden, Raisen Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Kumar S/o Shri Onkar Nath, Through Power of Attorney Suresh Kumar S/o Shri Onkar Nath, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Shi Ramesh Kumar,
2. Shri Suresh Kumar S/o Shri Onkar Nath,
R/o Char Imli, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 39, at Govind Garden, Raisen Road, Bhonal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl/3190.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 15 Kh. No. 1014/43, 1015 situated at Jaiprakash Ward Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katnı on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shii Prabhudas S/o Shri Badhumal Sindhi R/o Jaiprakash Ward, Nai Abadi, Katni.

(Transferor)

(2) Shu Brijlal S/o Shri Shobharajmal Sindhi, R/o Gurunanak Ward, Katni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Kh. No. 1014/43, 1015, at Nai Abadi Jaiptakash Ward, Katni.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl/3191.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 14, Kh. No. 1014/43, 1015 situated at
Juiprakash Ward Kutni

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katni on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prabhudas S/o Shri Badhumal Sindhi R/o Jaipraash Ward, Nai Abadi, Katni.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand S/o Shri Shobharajmal Sindhi, R/o Gurunanak Ward, Katni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Kh. No. 1014/43 1015, Nai Abadi, Jaiprakash Ward, Katni.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3192.—Whereas, I, D. P. PANTA

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

H. No. 24/864, situated at Laskhar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1: Shri Ramchandra Rao S/o Late Sardar Trimbak Rao Patankar, R/o Bai Sahab Ki Pared, Lashkar, Gwalior.
 - 2. Shri Mansingh Rao S/o Late Sardar Trimbak Rao Patankar, R/o Bai Sahab Ki Pared, Lashkar, Gwalior.
 - Lashkar, Gwalior.

 3. Shri Udalsingh Rao
 S/o Late Sardar Trimbak Rao Patankar,
 R/o Bai Sahab Ki Pared,
 Lashkar, Gwalior.

 4. Shrimat Mridula Raa Bhonsle,
 Wd/o Late Raja Jaisingh Rao Bhonsle,
 R/o 1094, Model Colony,
 Puna (Maharashtra)

 5. Smt. Lasmidad Bayeah

 - 5. Smt. Laxmidevi Bayash
 W/o Shri Yeshwant Singh Bayash, R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ganapatram S/o Shri Lala Zhangiram Arora, R/o Phalke ka Bazar, Hanuman Nagar, Gwailor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25/864, situated adjoining to Delight Theatre, Nai Sarak, Lashkar, Gwalior,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3193,—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 78 situated at Vill. Agariya Chopra, Raisen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisen on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Usha Kapoor W/o Shri Yeshwant Singh Kapoor, R/o 3/9, M.A.C.T. College, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhopal Singh
S/o Shri Raja Ram
2. Shri Salekchand Jain
S/o Hukamchand Jain,
R/o Anand Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 78, at Vill. Agariya Chopra, Teh. Raisen-

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

FORM ITNS- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No] IAC/Acqn/Bpl/3194.—Whereas, I. D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 79 situated at Vill. Agariya Chopra, Raisen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisen on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri George Hendri Vendor Harden, S/o Shri Nestar Vendor Harde, R/o Berasia Road, Bhopal,
 Vill, Agariya Chopra, Raisen Power of Attorney, Dr. Yeshwantsingh S/o Shri Prakashchand Kapoor R/o 3/9, MACT College, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Hukumchand Jain S/o Shri Dharam Singh & Smt Munni Devi Wd/o Shri Ratumal Jain, R/o Anand Nagar, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 79. at Vill. Agariya Chopra, Raisen.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-11-1982

Scal:

37--386 G1/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Lala Diwanchand Trust, Diwan Niwas,
 Jain Mandir Road, New Delhi.

(Transferor)

M/s. S. N. Sunderson (Minerals) Ltd.,
 i, Deshbandhu Gupta Road,
 New Delhi-110055.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. IAC 'Acqn/Bpl/3195.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 7/1, 21 situated at Vill. Salaiya Paharhai, ford more fully described in the Salaiya Paharhai.

Survey No. 7/1, 21 situated at Vill. Salaiya Paharhai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Built up properties situated at Diwan siding in Village Salaiya Pahathai of Teh. Murwara, Survey Khasra No. 7/1, 21. This as per information available in form No. 37-G verified for the transferce, includes, besides land, buildings, office and staff quarters, godown, wells, labour quarters, and kilns. This is the property which has been described in the form No. 37.G you field on behalf of the transferce.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

ing Date: 12-11-1982

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lala Diwan Chand Trust, Diwan Niwas,
 Jain Mandir Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. S. N. Sunderson (Minerals) Ltd.,
 Deshbandhu Gupta Road,
 New Delhi-110055.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3196.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Ward No. 11 & 13, Maihar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties (Built up) situated at Ward No. 11 and 13 at Maihar, Distt: Satua. This property, according to the information available in form No. 37-G includes, besides land, buildings namely guest house, servant quarters, residence, two wells, factory having godowns, office, workshop structure, stores etc. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G verified on behalf of the translerge.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/3197.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. &h. No. 113/, 114/1 situated at Majhgawan Satna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Lala Diwanchand Trust, Diwan Niwas,
 Jain Mandir Road, New Delhi.

(Transferor)

M/s. S. N. Sunderson (Minerals) Ltd.,
 Deshbandhu Gupta Road,
 New Delhi-110055.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property at Vill. Majhgawan, Teh. Raghuraj Ngar, Satna., Survey Khasra No. 113/1, 114/1. This property, according to the infomation contained in form No. 37-G includes, besides land, building and structures namely office, godowns, labour quarters, four kilns etc. This is the immovable property, which has been described in the form No. 37-G verified for the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-11-1982

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3198.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (kereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Field No. 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/2, 572/3 and 588/1 situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Hemant Kumar Alias Badriprasad S/o Shri Behmaduut Pausari, R/o 95, Tambakata, Bombay.
 - (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash S/o Shri Munshilal Arora & Others, R/o 2, Industrial Estate, Vidisha.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing old field Numbers 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/2 572/3 and 588/1, which is situated in Vidisha. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G verified by the transferees. This ipimovable property, according to the information available in form No. 37-G, is situated near Collector's Office in Vidisha. According to the information contained in form 37-H furnished by Sub-Registrar, Bombay, the document pertaining to the transfer of this office was registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay.

D. P. PANTA
Competent Author
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3199.—Whereas, I V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Part of House bearing Corporation No. 35 & 36

situated at Sarafa Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Abbas Hussain Mohd. Hussain, Shabbir Hussain Sons and Smt. Memunabai Wd/o Late Shri Abdul Kadar R/o Muganj Ward, Damoh.

(Transferor)

(2) Smt. Radhadevi W/o Shri Ramgopal Agarwal, R/o 192, Kotwali Ward, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing Corporation No. 35 & 36 of Sarafa Ward, Jabalpur, built on part of Nazul Plot No. 79, Block No. 48, Sarafa Ward, Jabalpur.

V. K. BARNAWAI.
Competent Authori:
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3200.—Whereas, I, V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House bearing Corporation No. 35 & 36 situated at Sarafa Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Abbas Hussain Mohd. Hussain, Shabir Hussain Sons and Smt. Memena bai Wd/o Late Shri Abdul Kadar of Mauganj Damoh.

((Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi Woo Shri Ramnarayan Agarwal, of H. No. 35/36, Sarafa Ward, Jabalput.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of House bearing Corporations No. 35 & 36, Sarafa ward, Jabalpur built on Nazul plot No. 79, Block No. 48, Sarafa Ward, Jabalpur.

V. K. BARNAWAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 17-11-1982,

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3201.—Whereas, I, V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3'1, situated at Civil Station Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shakti Prasad Roy & Others, S/o Shri Ravindra Prasad Roy, R/o Civil Lines, Raipur,

((Transferor)

(2) Modern Sahakari Griha Nirman Sansthan Samiti, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 18, Plot No. 3/1 at Civil Station Ward, Raipur.

V. K. BARNAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 17-11-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3202.—Whereas, I. V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land No. 2069/1 situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 off 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—386 GI/82

(1) Shri Sitaram S/o Kashiram Mena, Roo Ioha Bazar, Vidisha.

((Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar S/o Shri Moolchandji Jain, R/o Ander Khilu, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 2069 at Kasba. Vidisha.

V. K. BARNAWAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 17-11-1982.

(1) Shri Sitaram S/o Shri Kashiram, R/o Loha Bazar, Vidisha,

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Kumar S/o Shri Moolchandji Jain, R/o Kile Ander, Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3203.-Whoreas I, V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and No. 2069 situated at Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1909) in the offen of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 20-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair muket value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Land No. 2069/1 at Kasba, Vidisha.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

V. K. BARNAWAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely :-

Date: 17-11-1982.

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3204.—Whereas I, V. K. BARNAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land No. 2069/1 situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 24-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforceast exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shii Sitaram S/o Shii Kashiram Mena, R/o Loha Bazar, Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Purshottamlal S/o Shri Girdharilal Arora, R/o Guru Nanak Colony, Vidisha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 2069/1, at Kasba Vidisha.

V. K. BARNAWAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 17-11-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th November 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/3205.—Whereas 1, V. K. BERNAWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land No. 128/1 situated at Vill: Rudlai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagdish S/o Ramlal

(2) Smt, Sita Bai Wd/o Ramlal R/o Rudlai

Gulabbai D/o Ramlal Jat,

R/o Monkheri

(4) Smt. Sunder Bai D/o Ramlal Jat,

R/o Sonlatai, Harda.

(Transferor)

(2) Shri Manojkumar Minor S/o Ramvilas Mother Smt. Rekha Bai W/o Ram Vilas Jat, R/o Rudlai, Teh: Harda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land No. 128/1 at Vill: Rudlai, Harda,

V. K. BARNAWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 18-11-1982.

FORM ITNS---

(1) Shri Ganesh S/o Shivram, R/o Rudlai, Teh: Harda, Hoshangabad. (Transfeior)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash S/o Ugraji, R/o Rudlai, Tch. Harda, Hosbangabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th November 1982

Ref. No. 3206.—Whereas I, V. K. BERNAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 145/1 situated at Vill: Rudlai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 145/1 -Measurement-8.097 Hector, at Vill: Rudlai, Harda, Hoshangabad.

B. K. BERNAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. AP. No./3626.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has, been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Agyawanti Wd/o Sh. Walaiti Ram R/O Bhagwati Niwas, Moga Road, Kot Kapura,

(Transferor)

- (2) Shrimati Jaswinder Kaur D/o Sh. Ajmer Singh, President, Municipal Committee, Kot Kapura and Sh. Tonu s/o Sh. Dr. Romesh Kataria, r/o Bansal Street, Kot Kapura.
 - (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other erson interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 562½ Sq. Yds. situated at Kot Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 1 of March, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Jalandhar.

Date : 2 12-82, Scal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR ...

Jalandhar, the 10th November 1982

Ref. No. A P. No./3490.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shirmati Parvati Wd/o Sh. Lal Chand, Sh. Hakam Roi S/o Sh. Lal Chand and Smt. Parkash Rani D/o Sh. Lal Chand R/o Gali No. 15, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shii Jagdish € hander S/o Sh. Nathu Ram R/o H. No. 2058, M C.A., Gali No. 15, Mandi, Abohar.

(Transferee)

- *(3) A, S. No. 2 above and Shi Akshay Kumar s/o Sh. Ved Parkash R/o Street No. 17, Abohar.

 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4084 of March, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-11-1932.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 30th October 1982

Ref. No. A.P. No./3491.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follo ving persons, namely:—

(1) Shri Sham Lal S/o Ram Kanwar, R o Gali No 5, Mandi Abohat.

(Transferor)

- (2) Shri Rakesh Kumar S/o Sh. Harbans Lal R/o Gali No. 3, House No. 1062, Abohar. (Transferee)
- "(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 245 of April, 1982 of the Registering Authority, Abohar,

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 30-10-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 30th October 1982

Rcf. No. A.P. No. 3492.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

the no the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

" the office of the Registering Officer at

5 ' on 'pril 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—39—386 GI/82

(1) Shri Sham Lal S/o Ram Kanwar R/o Gali No. 5, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand S/o Shrl Rameshwar Dass R/o Gali No. 3 Krishna Nagarl, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intrested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 310 of April, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. IALANDHAR

Jalandhar, the 30th October 1982

Ref No AP, No 3494.-Whereas, I, J. I GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Fazilka in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ram Lal S/o Shri Bhagwan Singh R/o Fazilka. (Through Shri Harut Singh S/o Santokh Singh R/o Fazilka)

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Shri Sada Lal R/o Fazilka.

(Transferce)

(3) As per St. No 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 402 of April, 1982 of the Registering Authority, Fazilka

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date . 30-10-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3502.-Whereas, I, J J. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri Malkıa Singh, Inder Jit Singh Se/o Surat Singh R/o V. Wariana Teh. Jalandhar Mukhtiar-ai-Am Raj Kumari D/o Surat Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat Chemicals & Manufacturing Works, 383, New Jawahar Nagar, Ialandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 4 Kanals situated in V. Wariana mentioned in the registration sale deed No. 7952 dated March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3503,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As Pei Schedule

situated at Muksood Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankar Dass S/o Attra Through Joginder Pal General Atorney V. Balandpur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Sharma W∕o Harbans Lal H. No. 10, Mohalla No. 7, Jalandhar Cantt. and Satınder Arora S/o Tilak Raj, 55/1A, Old Jawahar Nagar, Jalandhar and
Ram Gopal S/o Sham Lal,
H. No. 10, Mohalla No. 7,
Jalandhar Cantt. and
Didar Singh S/o Narain Singh,
52, Cheema Nagar, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kanals 12 Marlas situated in V. Maksoodpur as mentioned in the registration sale deed No. 7341 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3504.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Puran Singh S/o Partap Singh alias Mela Singh R/o V. Mithapur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Punjabi Bagh House Building Co-op. Soc. Ltd. Through Shri Mohinder Singh, Secretary 496, Suraj Ganj, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kanal 9 Marlas situated in V. Mithapur as mentioned in the registration sale deed No. 7480 dated March. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3505.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sohan Singh
 Partap Singh alias Mela Singh
 V. Mithapur Teh. Jalandhar

(Transferor)

(2) The Panjabi Bagh House Building Co-op. Soc. Ltd. Through Shri Mohinder Singh, Secretary, 496, Suraj Ganj, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kanals 13 Marlas situated in V. Mithapur as mentioned in the registration sale deed No. 7481 dated March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3506.-Whereas, I, L. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No.

As Per Schedule

situated at Mithapui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhai on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that hee fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

(1) Shri Sarwan Singh S/o Partap Singh alias Mela Singh R/o V. Mithapur Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Panjabi Bagh House Building Co-op. Soc. Ltd., Through Shri Mohinder Singh. Secretary, 496, Suraj Ganj, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kanals 14 Marlas situated in V. Mithapur as mentioned in the registration sale deed No. 7482 dated March, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th November 1982

A.P. No. 3507.-Whereas, I. Ref. No.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at Wariana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Lal Chand S/o Bhula Ram, 615, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Jai Bharat Trading Co. Rice Mills, Kapurthala,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sau Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 10 Kanals situated in V. Wariana as mentioned in the registration sale deed No. 7795 of March 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

FORM (TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3508.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As Per Schedule situated at Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 40—386 GI/82

(1) Shri Lal Chand S/o Bhula Ram, r'o 615, Model Town, Jalandhar,

(Transferor)

(2) M s. Radha Traders, Kapurthala Mandi

(Transferee)

(3) As ner Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 10 Kanals situated in V. Wariana as mentioned in the registration sale deed No. 7950 dated March 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ialandhac

Date: 4-11-1982

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3509.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

As Per Schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been uruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Jagat Singh S/o Hari Singh R/o V. Kingta Teh. Jálandhar.

(Transferor) (2) Col. Joginder Singh Sidhu,

S/o Shri Gurdial Singh, R/o Top Khana Bazar, Patiala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land measuring 2 Kanals situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7302 dated March. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhai the 4th November 1982

Ref No AP No /3510—Whereas, I, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and

bearing No As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhai on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) Sh Jagat Singh S o Hari Singh R/o V Kingia Teh Jalandhai.

(Transferor)

(2) Col Jogindei Singh S/o Sh Gurdial Singh R/o Topkhana Road Patiala

('I ransferee)

(3) As per Col No 2 above (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls situated in V Kingra as mentioned in the registeration sale deed No 7342 dated March 82 of the Registering Authority Jalandhar

J I GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date 4 11-82 Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No./3511.—Whereas, I, J. I., GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandbar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagat Singh S/o Haii Singh R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt, Amarjit Kaui W/o Col. Joginder Singh, Topkhana Road, Patiala.

(Tionsferee)

(3) As per Col. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

be interested in the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7303 dated March 82 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-82

Seal .

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-FAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No./3512.—Whereas, I, I 1. GJRDHAR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in March 82

for an apparent consideration which is less than one too market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the l of the transferor to pay tax under the said . respect of any income arising from the transferor
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the attoesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jugat Singh S/5 Hari Singh R/6 V. Kingra Tch, Jalandhar

(Tunsteror)

(2) Smt. Amajit Kaur W o Col. Joginder Singh R/o Fop Khana Road, Patiala. (Transferce)

(3) As per Col No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(1) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls, situated in V. Kingra as momened in the registeration sale deed No. 7343 of March 32 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Dote : 4 11-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No./3513.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule

situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property s aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ranbir Singh S/o Bahadur Singh & Amarjit Singh, Surjit Singh Ss/o Ranbir Singh, R/o Nakodar Road (near Nakodar Chowk)
 Jalandhar through Harjinder Singh G.A.
 (Transferor)
- (2) Smt. Parmjit Kaur W/o Sukhdev Singh R/o 23-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl, situated in V. Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 7409 dated March 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-11-82

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3514.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule

situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Haripal Singh S/o Ujagar Singh R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh, Varinder Singh Ss.o Capt. Amolak Singh Gotra, Vartish Bhawan, Turna Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) As per No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7360 dated March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-11-82

FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No./3515.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office the Registering

Officer at Jalandhar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely "---

- (1) Sh. Haripal Singh S/o Ujagar Singh P/o V. Kingra Teh. Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Sudershan W/o Beas Dev Sharma R 'o V. Dulehra Distt. Una.

(Transferee)

(3) As per Col. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7852 dated March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAJ ANDHAR

Jalandhu, the 4th November 1982

Ref No AP No /3516 —Whereas, 1, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs 25,000/ and

bearing No As per Schedule situated at

Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-41-386 G1/82

(1) Smt Devinder Kaur Kohli W/o Sh Manmohan Singh through Mukhtiat-ai-Am Sh Gurmakh Singh S/o Jetha Singh R/o 15-D, Model House, Jalandhar

(Transferor)

(2) Smt Sudesh Bhatia W/o Sunnder Bhatia R/o 241-Model Town, Jalandhar

(Transferee)

(3) As per Col No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls 17 Mls situated in V Kingra as mentioned in the registeration sale deed No 7439 of March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J L GJRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

4-11-82 Date Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th November 1982

Ref. No. A.P. No. '3517.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Smt. Updesh Kumari alias Udesh Kumarı R o Shastii Nagai, H. No. 670, Makhdoom Piiia, Jalandhai.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh S/o Gurdial Singh R/o H. No. 670, Shastri Nagar, Makhdoom Pura, Julandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

FXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 670 (Portion) situated in Mohalla Shustri Nagar, Makhdoom Puia, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 7376 dated March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-11-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No 3518 - Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Tanda Rd., Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Roop Rani W/o Sh. Shiv Lal Aggarwal R/o Laxmipura, Jalandhar City.

(Transferor)

(2) M/s Steel Corporation of Punjab, Tanda Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, and Pyara Singh & Sons Jalandhar.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7566 of March, 1982 of the Registering Authotity, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No./3519.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per Schedule

situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Faridkot in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jawahar Singh, Lal Singh Ss/o Sh. Ram Chand, Sunder Kaur W/o Sohan Singh Udham Singh S/o and Gurbachan Kaur D/o Jiwan Singh R/o Gurdawara Bazar, Kot kapura, Teh. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt, Sohan Devi W/o Shri Ram M. Bari Wala Teh, Muktsar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4512 March, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No./3520.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh and Hira Singh SS/o Shri Ram Chand R/o Guidawara Bazar, Kot Kapura, (Transferor)
- (2) Shri Siri Ram S/o Inder Singh R/o Bari Wala Teh. Muktsar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4544 of Murch 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3521.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Satnam Kaur Wd/o Shri Mohan Singh R/o Moh. Satnam Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal S/o Shri Pashori Lal R/o Loha Mandi, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2965 of March 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th November 1982

Ref No AP No/3522 -- Whereas J, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwaia in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Ravindar Pal Singh S/o Shri Surinder Singh R/o Moh Satnam Pura, Phagwara

(Transferor)

(2) Shrimati Sheela Chadha W/o Shri Parshotam Lal R/o I oha Mandi, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Si No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 31 of April 1982 of the Registering Authority, Phagwara

> 1 L GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

10-11-1982 Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th November 1982

Ref. No. A.P. No/3523.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in April 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ravindar Pal Singh
 S/o Shri Surindar Singh
 R/o Moh. Satuam Pura, Phagwara.

(Transferor)

 Shrimati Ved Chadha W/o Shri Major Jawahar Lal R/o Loha Mandi, Phagwara,

(Transferee)

(3) As per Si. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person, as mentioned in the Registration sale deed No. 141 of April 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dete: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th November 1982

Ref. No. A.P. No/3524.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under the Incompetent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Parkash Kaur Wd/o Shii Surinder Singh R/o Satnam Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shii 'Gurdial Singh S'o Shri Sant Singh R/o Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3013 of March 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—386 GI/82

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th November 1982

Ref. No. A.P. No/3525.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Sirki Bazar, Ferozepur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in March 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kharati Lal S/o Bahali Ram R/o Sirki Bazar, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Pyara Lal S/o Chuni Lal

(3) As per Sr. No. 2 above and Sh. Panna Lal R/o Sirki Bazar, Ferozepur. (Person in occupation of the (property)

R/o Mohalla Dhollianwala, Ferozepur City.

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7649 of March 1982 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3526.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Vijay Kumar G.A. to Shri Mangal Sain S/o Hari Narain R/o Hadabad, Phagwara.

(Transferor)

 Shrimati Veenta Duggal W/o Shri Chatranjan Sain, R/o Hadiabad, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other persons interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2956 of March 1982 of the Registering Authority, Phagware.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3527,—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar G.A. to Shri Mangal Sain S/o Shri Hari Narain, R/o Hadiabad, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Chatranjan Sain S/o Shri Hari Narain and Smt. Veenta Duggal W/o Shri Chatranjan Sain, R/o Hadiabad, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 76 of April 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IALANDHAR

Jalandhai, the 12th November 1982

Ref. No. Λ P. No/3528 -- Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Hardyal Nagar, Ialandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shii Madan Mohan Malhotra S/o Shri Nathu Ram, Jalandhar, through Joginder Mohan Kapur.

(Transferor)

(2) Shri Prem Saduara W/o Shti Harcharan Singh R/o F1 245 Chahar Bagh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7886 of March 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No./3529.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Netaji Park, Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Prom Kumar
 S/o Harbans Lal
 R/o 16 Netaji Park, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal S/o Neb Raj R/o 213/5, Central Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7668 of March 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No./3530.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Neetaji Park, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Janak Rani W/o Sh. Prem Kumar R/o 16 Notaji Park, Jalandhar.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Bimla Bhatia W/o Sh. Madan Lel Bhatia,
 R/o 213/5, Central Town, Jalandhar.

 Transferee
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 927 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12.11.1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No./3531.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Dilkhusha Market Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bir Singh, Satibir Singh,
 Ragbir Singh, Dalbir Singh,
 Santokh Singh, Ss/o Smt. Jit Kaur
 Wd/o and Randhir Kaur, Tajinder Kaur,
 Jasbir Kaur, Satinder Kaur
 Ds/o Sh. Giani Shankar Singh
 R/o 74, Garden Colony, Jalandhar.
- (2) Shri Varinder Pal Singh S/o S. Gurbax Singh R/o Dr. Harbans Kaur Railway Road, Nawansharhr.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7879 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12.11.1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No./3532.--Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Jalandhar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---43-386 GT/82

(1 Shri Yash Pal S/o Wazir Chand R /o. Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Chopra S/o Charan Dass.

2. Kamal Dev S/o Shiv Ditta.
3. Baldev Raj S/o Jiwan Mal
4. Ved Parkash S/o Kidar Nath and
5. Smt. Kusam Lata W/o Bipan Sharma, r /o. Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferce)

'(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 7811 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12.11.1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No/3533.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Malik Singh S/o Sobha Singh through Smt, Shanti Devi r/o V, Sansarpur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Lalji Singh S/o Lt. Ram Parshad r/o. F. M. 100, Model House, Jalandhar.
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7863 of March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12.11.1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No./3534.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Malik Singh S/o Sobha Singh through Smt. Shanti Devi r/o V. Sansarpur Teh. Ialandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Dhirji Devi W/o. Lalji Singh r/o F. M. 100, Model House, Jalandhar.

(Transferee) *(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the propert *(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7887 of March, 82 of the registering authority, Jalandhar.

> I. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12.11.1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No./3535.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Paras Ram Nagar, Bhatinda. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hazoor Singh S/o Bir Singh R/o. Hazoora Basti, Bamala Road, Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Rohit Gupta adopted S/o Mathra Dass, Jagjit Singh S/o Bhajen Singh alias Budh Singh V. Nai Ke Kalan, BTI. Rani alias Maya Devi W/o Mukand Lal, Bhatinda, Om Parkash S/o Chiranji Lal, Bhatinda, Bimla Rani D/o, Siri Ram, Bhatinda.

(Transferee)

- *(3) As per Sr. No. 2 above
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7428 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12.11.1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3536,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parvinder Kaur W/o Jaswant Singh R/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) Smt. Sukhdev Kaur W/o Mohinder Singh R/o Bhatinda. Sh. Harnam Singh S/o Jiwan Singh R/o V. Sardoolgarh.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7550 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRE AR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Intendhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3537.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatanda on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh Mukhtiar-ai-Am of his son Bharpur Singh, r/o Kothi Amar Pura Back side Thermal Colony, Bhatinda.
- (2) 1. Shri Jogjiwan Singh S/o Gurtek Singh; 2. Parkash Devi W/o Ganesh Dass S/o Puran Singh; 3. Balwinder Singh S/o Amarjit Singh; 4. Parduman Singh S/o Shiv Singh; 5. Ajit Kaur W/o Parduman Singh; 6. Harbans Singh S/o Parduman Singh; 7. Harjinder Kaur W/o Jaswant Singh; 8. Sukhwant Singh S/o Sukhdev Singh r/o Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7562 of March, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAY ACT, 1961 (33 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3538—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Marc's, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh Mukhtiara am of his son Naunder Singh, Vill. Kothi Amar Pura backside of Thermal Colony, Bhatinda.
- (Transferor)
 (2) Shri Gurmit Singh S/o Sher Singh, Mukhtar Singh S/o Kehar Singh, Amariit Khur W/o Sawarn Singh, Kuldip Singh S/o Gurbux Singh, Haiminder Kaur W/o Kuldip Singh, Saroj Gurta W/o Gtan Chand, Jaswant Singh S'o Gian Singh, Sudha Khosla W/o Maj. R. N. Khosla, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7561 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-11-1982 - Seal:

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Rcf. No. A P.No.3539.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhafinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh Mukhtiar-am of his son Bhupinder Singh, Kothi Amarpura, Bhatlada.
- (2) Shri Raj Kumar S/o Sarup Chand R/o V. Jorkian, Laxmi Devi W/o Rajinder Kumar, Bhatinda,

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7560 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3540.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—386 GI/82

Shri Milkhi Ram
 Shri Birbal Wass
 R'o Bank Bazar, Bhatinda,

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar & Pawan Kumar Ss/o Shri Hans Raj R/o Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 7498 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3541.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Narinder Singh S/o Shri Bhagwan Singh R/o Kothi Amarpura backside Thermal Colony, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Chamkaur Singh S/o Shri Gurmit Singh and Smt. Balbir Kaur W/o Shri Surjit Singh R/o V. Uba Tehsil Mansa Distt Bhatinda and Shri Barinder Singh S/o Shri Sukhdev Singh, R/o Pacca Kalan Teh. Bhatinda and Smt. Gurtej Kaur D/o Shri Balwant Singh R/o V. Sanno Teh. Malerkotla and Shri Gurtej Singh S/o Shri Bhajan Singh R /o V. Burj Kalan Tch. Jagraon.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7436 of March, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3542.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Kumar S/o Shri Hari Ram R/o H. No. 3816, Panditan Wali Gali, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar S/o Kaur Sen S/o Shri Rugha Mal R/o Ludhiana.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7371 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

falandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3543.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedulo situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Shri Madan Singh S/o Shri Gian Singh Mukhtiar-ai-Am of his Son Shri Surinder Singh R/o Kothi Amar Pura (back side of Thermal Colony), Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sarbjit Kaur

W/o Shri Sukh Pal Singh Dhaliwal

2. Shri Mohinder Singh S/o Shri Narain Singh

3. Shri Sham Sunder Bhatia S/o Shri Bhola Ram

Shri Harjit Singh
 Shri Gurdial Singh
 Shri Baldev Singh

S/o Shri Sohan Singh 6. Smt. Gurjit Kaur

W/o Shri Gurmit Singh
7. Smt. Anita Goel
W/o Shri Amar Nath
8. Shri Gurdiksat Singh

Shri Gurdiksat Singh
 S/o Shri Pritam Singh
 C/o Shri Jagir Singh Malhi,
 President, Akal Sahai Co-op. House Bldg.'
 Society Ltd., Old Hospital City, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7357 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3544.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No.

PART III-SEC. 1]

as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Aimer Singh S/o Shri Buta Singh, R/o Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhan Chand

S/o Shri Walaiti Ram R/o V. Kot Fatta, Teh. Bhatinda

2. Shri Raj Kumar S/o Shri Ram Partap, R/o Dhuri Distt Sangrur.

Shri Ramesh Kumar S/o Shri Girdhari Lal R/o Rampura Phul

Smt. Ann Garg Shri Ajay Kumar R/o Rampura Phul. 5. Shri Darshan Kumar

S/o Shri Banarsi Dass R/o Rampura Phul.

6. Smt. Dwarki Devi W/o Shri Tej Ram R/o Rampura Phul. 7. Smt. Simla Devi

W/o Shri Darshan Kumar R/o Rampura Phul.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7356 of March, 1982 of the Registering Authority, Rhatinda

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3545.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Avtar Singh
 S/o Shri Gurdev Singh
 Mukhtiar-a-am of Gurdev Singh
 R/o Vill Virk Khurd Teh. Bhatinda.

(2) Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Pala Singh R/o Vill, Bhatinda.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7263 of March, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3546.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authorny under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

As per Schedul estimated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or. any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kehar Singh S/o Shri Bhola Singh R /o Communist Stt. Bhatinda.

(Transferer)

(2) Smt. Bhagwant Kaur W/o Shri Joginder Singh. Smt. Bimla Rani D/o Shri Walaiti Ram R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, same meaning as given in shall have the that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7258 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3547.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. As as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajaib Singh S/o Shri Chattar Singh R/o Vill, Phoor Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Harcharan Singh S/o Shri Gurdev Singh Smt. Karamjit Kaur W/o Shri Harcharan Singh C/o Gamdoor Singh Gurunanak Cold Store, Bibi Wala Rd., Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7242 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. P.R. No. 3548,—Whereas, I. J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on March, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

45-386 GI/82

(1) Shri Ajab Singh S/o Shri Chattar Singh R/o Vill. Phoors Mandi,

(Transferor)

(2) Smt. Sukhminder Kaur W/o Shri Gamdoor Singh Barnala Rd, Bhatinda C/o Gurunanak Cold Store, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforegoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 7220 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3549.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Inder Sain
S/o Shri Mittar Chand adopted
S/o Shri Ghanya Lal,
Mukhtiar ai-Am of Renu
D/o Shri Inder Sain,
R/o Bhatinda.

er eller Litterfirtig illen i lätterfette etti fattelle.

(Transferors)

(2) Shri Amarjit Singh S/o Shri Gurdial Singh, Shri Harchand Singh S/o Shri Arjan Singh Shri Prith Pal Singh S/o Shri Kundan Singh, Smt. Sheela Rani Wd/o Shri Amar Nath, R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7215 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3550.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

- (1) Shri Kehar Singh S/o Shri Bhola Singh Communist Street, Sirkl Bazar, Bhatinda.
- (Transferor) (2) 1. Smt. Sukhvinder Kaur W/o Shri Bikkar Jit Singh,
 - Shri Gurcharan Singh S/o Shri Kunda Singh,
 Shri Surinder Kumar S/o Hardev Singh,

 - 3. Shri Jagdish Kumar S/o Shri Hardev Singh, 4. Smt. Prabha Rani W/o Shri Krishan Lal, 5. Smt. Jasbir Kaur w/o Shri Baldev Singh, 6. Shri Krishan Lal S/o Shri Kishore Chand,
 - Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property). (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7195 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3551.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mirrore proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- -- -- ---(1) Shri Nand Singh S/o Shri Ram Singh, Bhatinda,

> (Transferor) (2) Shri Gurdev Singh Gill, Retd. Tehsildar, R/o H. No. 525, Urban Estate, Model Town, Bhatinda.

> > (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7188 of March, 1982 of the Registering Authority. Bhatindo-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3552.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refeared to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ajaib Singh S/o Shri Chattar Singh, Village Phoor Mandi.

(Transferor)

(2) Smt. Sukhminder Kaur W/o Shri Gamdoor Singh, C/o Guru Nanak Cold Store, Bhatinda.

T:ans(cree)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (14) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7151 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3553.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Moga Mohla Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Nand Kaur Wd/o and Surinder Kaur, Mohinder Kaur & Balwinder Kaur Ds/o Shri Puran Singh R/o Basti Godhewala, Moga.

(2) 1. Shri Surinder Chowdhary S/o Shri Narain Dass, Smt. Manjit Gujral W/o Shri Sat Pal, Shri Hari Krishan Sharma S/o Shri Devi Dayal,

- 4. Shri Gurdarshan Lal S/o Shri Labhu Ram, 5. Smt. Sarash Sardeva W/o Shri Avinash Chander, 6. Shri Hari Mohan Singh S/o Shri Daljit Singh,
- Shri Ved Parkash S/o Shri Bansi Lal, Jawahar Nagar, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

ed in the property).

(Person in occupation of the property). (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interest-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7942 of March, 1982 of the Registering Authority, Moga.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3554.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Mithapur, Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjan Singh S/o Shri Dewan Singh, R/o Mitha Pur Teh. Jalandhar,

(Transferor)

Smt, Surinder Kaur W/o Baldev Singh
 Shri Amrik Singh S/o Shri Udham Singh,
 R/o Mitha Pur Teh, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7998 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-11-1982

- ಆರ್. ೧೯೯೮ ರ ನಿರ್ವಹಣಗಳ ಪ್ರಕರ್ಮನ್ನು ಬಿಂದರು

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3555.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. As per Schedule

situated Mithapur Teh. Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhuram Singh S/o Shri Sunder Singh, R/o Mitha Pur Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sucha Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o Mitha Pur Teh, Jalandhar,

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7659 of March. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jahandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. .A.P. No. 3556.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Mitha Pur, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
46—386 G182

 Shri Dharam Singh S/o Shri Sundar Singh, R/o Mitha Pur Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Budh Ram S/o Shri Kertar Singh, R/o Mitha Pur Tch. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7658 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3557.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at Hardiyal Nagar, Garha

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

- (1) Shri Pakhar Singh S/o Shri Hari Singh Garha Self and G. A. of Smt. Harjinder Kaur W/o Shri Kukhar Singh.
- (2) Shri Karnail Singh S/o Shri Ratta Ram, Village Gura Distt, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7834 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

principality in the second of the second

FORM ITN'S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhai, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No 3558.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at Hardiyal Nugar, Garha,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in March, 1982

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Pakhar Singh S/o Shri Hari Singh. Village Garha Tch. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shii Karnail Singh S/o Ratta Ram, Vill. Gura Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7477 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhan

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3559.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Hardiyal Nagai, Gaiba,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harjinder Kaur W/o Shri Pakhar Singh, through G.A. Shri Pakhar Singh, Vill. Garha Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh S/o Shri Ratta Ram, Vill. Gura Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7684 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Rel. No. A.P. No./3560.—Wherens, I. J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhai on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Niianjan Singh s/o Jia Singh R/o E. S. 248, Nakodai Road, Jalandhai.

(Transferor)

(2) Shii Anii Kumai S/o Kidai Nath r/o 23-C, Model House, Jalandhai.

(Transferce)

(3) As Sl. No. 2 above and S. Shii (1) Baldev Rubam & Co. (2) Guidial Singh & Ram Asta Gui Nank Dhaba, (3) Dr. G. S. Johal & Karam Chand, (4) Ramesh Kuman, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj & Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey Lal, (8) Pyara Singh & Radhe Sham 1/o E.S. 248, Nakodai Road, Jalandhai

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale dead No. 7912 of dated March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 12 11-1982.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3561 - Whereas, I. L. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Inderjit Singh S/o Jin Singh 1/o ES-248, Nakodar Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath S/o Girdhari Lal r/o 23-C, Model House Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above and S/Shii (1) Baldev Rubani & Co., (2) Gurdial Singh & Ram Asra Guru Nanak Dhaba, (3) Dr. G. S. Johal & Karam Chand, (4) Ramesh Kumai, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj & Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey Lal, (8) Pyara Singh & Radhe Sham r/o E.S. 248, Nakodar Road, Jalandhai.

 (Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and ехргений опя herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7942 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3562.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Nidhan Singh S/o (ia Singh r/o US-248, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kumar S/o Kidar Nath r/o 23-C, Model House, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and S/Shri (1) Baldev Rubani & Co., (2) Gurdial Singh & Ram Asra Guru Nanak Dhaba, (3) Dr. G. S. Johal & Kanan Chand, (4) Ramesh Kumar, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj & Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey, Lal, (8) Pyara Singh & Radhe Sham r/o E.S. 248, Nakodar Road, Jalandhar Nakodar Road, Jalandhar.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7943 of March, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982,

Scal:

IORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE IAI ANDIIAR

Jalandhar the 12th November 1982

Ref No AP No 3563—Whereas I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No As per Schedule situated at Jalindhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Deepal Seth S/o Ram Lubhaya Smi Shukla Seth W/o Ram Lubhaya R/o K I Seth & Co, Sheikha Bazar, Jalandhai

(Transferor)

(2) Shii Narankai Auto Engineering Works, G. T. Road Goraya Distt Jalandhar

(Transferce)

- (3) As per 5 No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7505 of Much. 1982 of the Registering Authority, Islandhai

I I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date · 12-11-1982. Seed.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3564.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47-386 GI/82

 Shri Deepak Seth S/o Ram Lubhaya and Smt. Shukla Seth W/o Shri Ram Lubhaya R/o Bazar Sheikha, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Narankar Auto Engineering Works, G. T. Road, Jalandhar,

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 78 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhaf.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No AP No 3565—Whereas, I, I J. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at V Mitha Pur, Jalandhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) Shri Sawaran Singh R/o Mitha Pur, Teh. Jalandhar.
 (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh, Ajit Singh SS/o Karam Singh R/o Mitha Pui, Jalandhar.

 (Transferee)
- (3) As per S No. 2 above, (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7360 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 12-11-1982 Sea':

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3566.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Hoshiapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh S/o Mastan Singh R/o Bhagana P.S. Phagwara Distt. Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh Jhikka S/o Shri Hazara Singh R/o 5 Satluj Market, G. T. Road, Jalandhar.

 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5069 of March, 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 12-11-1982.

FORM IT.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3567.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tek Singh S/o Jang Singh r/o V. Kutiwal, Teh. Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Niranjan Kaur D/o Amar Singh s/o Kartar Singh ro/ Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7339 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982.

Sen :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3568.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tek Singh S/o Jang Singh r/o Kutiwal, Teh., Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Niranjan Kaur D/o Amer Singh S/o Kartar Singh r/o Bhatinda.

 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7501 of March, 1982 of the Registering Authority, Rhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982.

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3569.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bhatinda on March 1982

for anapparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Buta Singh S/o Kunda Singh r/o Bhatinda.
 (Transferor).
- (2) Shri Bhagat Singh S/o Bahadur Singh, Municipal Commissioner C/o Dhaliwal Transport, near Kamal Cinema, Bhatinda and Smt. Rita w/o Darshan Kumar, H. No. 476, Urban Estate, Model Town, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7537 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982.

Scal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No .3570.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Scotion 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bachan Singh S/o Kunda Singh r/o Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shrimati Rita Singh w/o Darshan Kumar and Neelam Singh W/o Surinder Parkash, r/o H. No. 476, Urban Estates, Model Town, Bhatinda, (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7538 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3571.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this metics under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babu Singh S/o Sarwan Singh r/o Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Devinder Kumar S/o Kashmir Singh R/o V. Phool, Distt. Bhatinda.
 - Faqir Chand S/o Lal Chand r/o Budhlada Mandi.
 - Darshna Devi w/o Om Parkash r/o Budhlada Mandi.
 - Angrej Kaur W/o Naib Singh r/o V. Kingram Teh. Faridkot.
 - 5. Gurdial Kaur W/o Kulwant Singh r/o Bhatinda.
 - Gurnam Singh s/o Gurdev Singh r/o V. Joganand, Distt. Bhatinda.
 - 7. Prem Kumar S/o Sakhi Chand r/o Bhatinda.
 - Ranjit Kaur w/o Hardial Singh r/o V. Banganwala, Distt. Bhatinda.
 - 9. Gurdip Kaur W/o Mohinder Singh r/o V. Jalbehra.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7712 of March 1982 of the Registering Authority, Photings.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3572.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—386 GI/82

(1) Shri Harbans Singh S'o Han Singh, r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Durga Dass S/o Hans Per Amrit Lal S/o Mohan rad Naval Kishoro S/o Sewa Lul, Ajay Kumar S/o Kishan Kumar, r/o Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7731 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

I. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Accumbion Range, Jaland, at

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A P. No. 3573.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assec which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isome of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Hari Singh S/o Kala Singh, r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhjit Kaur W/o Gurdip Singh, Advocate r/o V. Bisiana Teh, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7732 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3574.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh S/o Sharam Singh r/o V. Jodhpur Romana Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh, Jagjit Singh, Guidev Singh Ss/o Nihal Singh, r/o Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person or occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid pectons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7734 of Marc's 1762 c., the fergistering Authority, Bhatinda.

J. 1. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3575.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No,

As per Schedule sinated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajmer Singh S/o Buta Singh, r/o Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

- Shri Devi Dyal, Roop Chand, Nand Kishore Ss/o Sant Ram r/o Jaitu Mandi.
 - 2. Om Parkash S/o Sant Ram.
 - 3. Shanti Devi w/o Sadhu Ram S/o Sant Ram r/o Jaitu Mandi.
 - Maya Devi w/o Lachman Dass s/o Sehaj Ram r/o Budhlada Teh. Mansa., Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7737 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAFANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref No. AP No/3576 —Wherevs, I, J. L. GIRDHAR.

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reflection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the ratio Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh Mukhtiar-Am of Bhupinder Singh his son 1/o Kothi Amarpura (back side Thermal Colony), Bhatinda.

(Transferor)

- (2) I. Shir Taran Vii Singh's o Parduman Singh,
 - 2. Amarjit Kaur w o Gurmel Singh.
 - 3. Resham Singh 5/o Chanan Singh,
 - 4 Major Singh S/o Bachan Singh,
 - 5. Amrit Bala w/o Om Parkash.
 - 6 Barjander Singh s/o Narang Singh i/o Bhatinda.

(Ttansferee)

- (3) As S. No. 2 above (Person in occapation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration salo deed No. 7782 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3578,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Pal Jindal s/o Piara Lal Mukhtiar-ai-am of Parmatma Devi 'urf' Parmod Lata r/o V. Bhiki Teh. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh, Balbir Singh Ss/o Budh Singh V. Nidoo Khera tehsil Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7784 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3577.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule situate at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sat Pal Jındal S/o Piara Lal Mukhtiar-Ai-Am of Parmatma Devi, 'urf' Parmod Lata V. Bhiki Distt. Bhatinda, (Transferor)
- (2) Shrimati Bhagwan Kaur W/o Ranjit Singh, R/o V. Romana Albel Singh, Teh. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7783 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269P(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDIJAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3579 --- Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269@ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Ajmer Singh S o Buta Singh, r/o Mchna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shrimati Raji Rani w/o Ashok Kumar.
 2. Mehan Lil S'o Munshi Ram.
 3. Vidya Wati W/o Mohan Lil.

 - 4. Amarjit Singh Arota S/o Balbir Singh.
 - 5. Barinder Kumar Sharma S/o Ganga Ram. 6. Shakuntla Ram W o Vijay Kumar Bansal r/o Bhatinda.
 - 7. Karnail Singh Rattan S'o Jangir Singh and
 - 8. Jasbir Kaur w/o Kamail Singh Rattan r/o V. Takbanwala Teb. Moga.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7793 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3580.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—386 G1/82

(1) Shri Bhagwan Sinch s'o Madan Singh, Mukhitar-ai-Ani of his son Bhupinder Singh 1/0 Kothi Amaiputa (back side Thermal Colony), Bhatind i

(Transferor)

- (2) Shri Sunnder Kumai s/o Sohan Lal.
 - Krishana Kumar s/o Kundan I al.
 Pawan Kumai s/o lagan Nath
 - 4. Ramesh Kumai s/o Jiwa Ram, 1/o Bhatinda

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No 7848 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛΟΟΊΙΣΤΙΟΝ RANGE JALANDHAR

Jalandhai, the 12th November 1982

Ref No AP No/3581—Whereas, I, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Gill Patti,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982,

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sujan Singh s/o Gurbachan Singh Rekhi Mukhtiar-ai-Am of Janki Devi w/o Balwant Singh r/o Kumai Dubbi Disti Dhanbad (Bihar) (Transferor)
- (2) Shri Bhag Singh S/o Suchet Singh r/o W 23, Greater Kailash, New Delhi

(Transferce)

- (3) As S No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No 7864 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date 12-11-1982 Seal ·

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3582.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manaciv:--

- (1) Shri Sujan Singh S/o Gurbachan Singh Rekhi Mukhtiar-ai-am of Satwant Kaui W/o Agya Singh and Jaswinger Singh s/o Harbans Singh 1/o Kumar Dubbi Distt. Dhanabad (Bihar). (Transferor)
- (2) Shri Bhag Singh S/o Suchet Singh, r/o W-23, Greater Kaiiash, New Delhi.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7865 of March 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A.P. No/3583.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Sehla Devi W/o Pritam Chand s/o Lal Chand r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Pardeep Kumar Malhotra s/o Shri Roop Chand C/o Rosella Restaurant, near Rly. Station, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7918 of March 1982 of the Registering, Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Runge, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S -

(1) Shiimati Kiipal Kaui D/o Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o Jaitu

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shi mati Sukhjit Kaur W/o Harchand Singh S/o Sher Singh Vill Samad Bhai Teh Moga

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhai, the 12th November 1982

Ref No AP No/3584 --- Whereas I, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No As per Schedule situated at Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Janu in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 1863 of Match 1982 of the Registering Authority, Jaitu

J L GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. mamely:—

Date 12-11-1982 Seal.

(1) Shrimati Gurdial Kaur D/o Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o Iaitu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sh. Sher Singh s/o Didar Singh R/o Vill. Samd Bhai Teh, Moga.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref No. A. P. No/3585.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1864 of March, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaladhar, the 12th November 1982

Rcf. No. A P. No. 3586.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-t v Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Dalip Kaur W/o Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sh. Sher Singh s/o Didar Singh R/o Vill. Samd Bhai Teh. Moga.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1864 of March, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaladhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No/3587.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Hardial Kaur W/o Sh. Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o Jaitu,

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sh. Sher Singh s/o Shri Gurmukh Singh R/o Jaitu.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1866 of March, 1982 of the Registering Authority, Jaitu,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaladhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No/3588.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaitu on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—
50—386 GJ/82

(1) Smi Tek Singh S/o Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sher Singh Didar Singh R/o Vill Samd Bhai Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per S1. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1867 of March, 1982 of the Registering Authority, faitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

Scal:

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaladhar, the 12 h November 1982

Ref. No. A. P. No/3589.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Janu on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sh. Sher Singh s/o Didar Singh R/o Vill Samd Bhai Teh Moga

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1868 of March, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandbar

Date 12-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No/3590.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harnek Singh S/o Sant Singh S/o Gurmukh Singh R/o Initu

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Sh, Sher Singh s/o Didar Singh R/o R/o Samd Bhai Teh, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1869 of March, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th November 1982

Ref. No. A. P. No/3591.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Nidhan Singh s/o Sh. Jai Singh, E. S./248, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Kumar s/o Sh. Kedar Nath R/o C-23, Model House, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above and S/Sh. (1) Baldev Rubani & Co. (2) Gurdial Singh and Ram Asra Gurnank Dhaba (3) Dr. G. S. Kohal & Karam Chand, (4) Ramesh Kumar, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj & Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey Lal, (8) Pyare Singh & Radhe Sham, R/o E.S. 248, Nichola Bankey Lal, (1) Pared Lalendham Nakodar Road, Jalandhar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 252" of April, 1982 of the Registering Authority, Jaland-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A. P. No. 3592.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 at 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the resule of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Inderjit Singh s/o Sh. Jai Singh, E. S./248, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Kapal Dev s/o Sh. Kedar Nath, R/o C-23, Model House, Jalandhar,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above and S/Sh. (1) Baldev Rubani & Co., (2) Gurdial Singh and Ram Asra Gurnanak Dhaba, (3) Dr. G. S. Johal & Karam Chand, (4) Ramesh Kumar, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey Lal, (8) Pyare Singh & Radhe Sham, R/o E.S. 248, Nakodar Road, Jalandhar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 253 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 16-11 1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A. P. No/3593.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Niranjan Singh s/o Sh. Jai Singh, R/o E. S./248, Nakodar Road, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar s/o Sh. Kedar Nath R/o C-23, Model House, Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above and S/Sh. (1) Baldev Rubani & Co., (2) Gurdial Singh and Ram Asra Gurnank Dhaba (3) Dr. G. S. Kohal & Karam Chand, (4) Ramesh Kumar, (5) Raj Kumar & Dhan Singh, (6) Des Raj Bankey Lal, (7) Vijay Kumar & Bankey Lal, (8) Pyare Singh & Radhe Sham, R/o E. S. 248, Kakodar Road, Jalandhar.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 254 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date 16-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A. P. No/3594.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Lachaman Singh S/o Thaker Singh R/o Jandiala.

(Transferor)

(2) Shri Bhim Sain Jagota 5/0 Puran Chand Property dealer, Hind Smachar Street, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7371 of March, 1982 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date 16-11-1982 Seal :

the state of the s

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 12th November 1982

Ref. No. A. P. No/3595.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bant Rain S/o Siri Rain R/o Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shrimati Harminder Pal Dhifton W/o Jarnail Singh and Smt. Ameeta Cheema W/o Bhupinder Pal Singh R/o Bhatinda.

(Transferce)

rested in the property)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be inte-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7159 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jil indhat the 16th November 1982

Ref No A P No 3596 -Whereas, I J 1 GIRDHAR

being the competent authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs 25,000, and bearing No

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-59- 386 GI/82

(1) Shri Gian Singh S o Aijan Singh R o V Bhagwan Garh teh Bhatinda

(Transferor)

(2) Shrimati Daishan Kaui D/o Chand Singh R/o V Virk Khilid Teb Bhatinda

(Transferee)

- (3) As par Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be intorested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HXPIANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THL SCIIFDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7174 of Mirch, 1982 of the Registering Authority Bhatinda

> 1 1 GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

16-11-1982 Date Seal

(Person in occupation of the Property)

FORM ITNS---

 Shri Kulwant Rai S/o Walati Ram r/o Mansa,

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Kartar Singh r/o. V. Akanwali Teh. Mansa.

(3) as s. no. 2 above

(Transferec)

ed in the Proprety)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3597,---Whereas, I, L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unedrsigned knows to be interest-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7256 of March, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date :16-11-82.

FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Rei. No A P No./-3598. -Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said \ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Shri Darshan Kumar alias Sudershan Kumar Mittal C/o Mittal Furnitute House, Sirkk Bazar, Bhatinda.
 - (Transferee)
- (2) Shri Dina Nath S/o Ksihore Chand & Gurbax Singh S/o. Buggar Singh r/o Bhatinda.

(Transferor)

- (3) as s. no. 2 above
 - (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7637 of March, 82 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ialandhar

Date : 16-11-82. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A. P. No./-3599.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kadiawali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shrimatı Udham Kaur wd/o Piara Singh r /o. V. Kadiawali Teh, Jalandhar.
- (Transferor) (2) Shrimati Shiv Raj Aggar W/o Chaman Lal Aggar and Chaman Lal Aggar S/o. Sadhu r/o Kadiawali Teh. Jalandhar.

(Transferee) (3) as s. no. 2 above

(Person in occupation of the Property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publi cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same incaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7455 of March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-11-82.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A.P. No '3600.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kadiawali (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Didar Singh S/o Piara Singh r/o V. Kadiawali Teh. Jalandhar.
- (2) Shrimati Shiv Raj Aggar W/o Chaman Lal Aggar and Chaman Lal Aggar S/o. Sadhu r/o Kadjawali Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above

(Person in occupation of the Property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7456 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jalandhar

Date :16-11-82. Seal :

FORM ITNS- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3601.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kadiawali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhai on March, 1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair matket value of the property as aforesnid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shu Santokh Singh S/o Piara Singh 1/o V. Kadiawali Th. Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shiimati Shiv Raj Aggar W/o Chaman Lal Aggar and Chaman Lal Aggar S/o. Sadhu r/o Kadiawali Jeh. Jalandhar.

(Transferee

(3) as s. no. 2 above

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7458 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Jalandhai

Date :16-11-82.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref No. A. P. No. /3602 .- - Whereas, I, J. L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. as per schedule situated at Kadiawali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhai on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b heve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(1) Shri Didai Singh S/o Piara Singh r /o V. Kadiawali Teh. Jalandhar. r/o Kadiawali Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Shiv Raj Aggar W/o Shri Chaman Lal Aggar and Shri Chaman Lal Aggar S/o Shri Sadhu R/o Kadiawali Teh Jalandhai.

(Transferce)

(3) As s. no 2 above

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7926 of March, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date :16-11-82. Seal;

(Transfered

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A.P. No /3603.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. as per schedule situated at Kadiawali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shti Santokh Singh S/o Piara Singh
- (2) Shrimati Shiv Raj Aggar W/o Chaman Lal Aggar and Chaman Lal Aggar S/o. Sadhu r/o Kadiawali Tch. Jalandhar.

(3) as s. no. 2 above

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7927 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date :16-11-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3604.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'staid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——52—386 G182

(1) Shrimati Gurnam Kaur W/o Nihal Singh

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal S/o Chiranji Lal s/o Joti Ram and Smt. Kanta Devi w/o Sham Lal C/o. Masetr Sham Lal Court Road Near New Bus Stand Bhatinda.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7401 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1982

Ref. No. A. P. No./3605,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Photoida on March 1982

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Major Singh S/o Nihal Singh

S/o Shri Joginder Singh r/o V. Gill Patti Teh. Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Nijanjan Singh S/o Kartar Singh s/o Mukand Singh and Ajaib Singh S/o Harchand Singh 1/0 Kothi Sucha Singh backside Thermal Colony,

(3) As s no. 2 above

Bhatinda.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chaptel.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7525 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date :16-11-82. Scal:

FORM LTN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 17th November 1982

Ref. No. A. P. No./3606.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout of March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mangat Rai S/o Shri Tulsi Dass S/o Gopi Chand r/o Abohar Ward No. 3, Tehsil Fazilka Distt. Feroze Pur.
- (2) Shri Jaspal Singh S/o Inder Singh r/o. V. Virk Khera Tehsil Muktsar.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2624 of March, 1982 of the Registering Authority, Malout

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date :17-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3067.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Malout in March 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kum. Sareswati d/o Tulsi Dass, R/o Ward No. 3, Abohar,

(Transferor)

(2) S/Shri Nachhittar Singh, Thana Singh Ss/o Balwinder Singh, R/o V. Virk Khera, Teh Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2644 of March, 1982 of the Registering Aubority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17- 11- 1982

(1) Shri Jugraj Singh S/o Arjan Singh, R/o Village Malout Now at V. Lohgarh Teh Dhabwali, Dustt. Sirsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guibachan Singh S/o Aya Singh and Charanjit Singh S/o Baldev Singh R/o V. Malout

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S No 2 above (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(4) Any other persons interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref No AP No 3608 — Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No As per Schedule

situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in March 1982

Malout in March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2654 of March, 1982 of the Registering Authority, Malout,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date 17-11 1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3609.—Whereas, f, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

Malout in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Gurjant Singh, Darshan Singh Ss/o Man Singh, R/o Village Malout.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh S/o Mukhtiar Singh, R/o Khuddian Gulab Singh. Teh. Muktşar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2722 of March, 1982 of the Registering Authority. Malout.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM LT.N.S.----

S/o Iulsi Dass R/o Ward No. 3, Abohar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3610.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Jaspal Singh S/o Inder Singh and Nachitter Singh, Thanna Singh Ss/o Balwinder Singh R/o V. Virk Khera Teh, Muktsar.

(L. Shri Krishan Kumar

(Transferce)

(3) As S. No 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2625 of March, 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandbar

Date: 17-11-1982

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3611.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schodule assexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh Mukhtiar-ai-am of Bharpur Singh, his son R/o Kothi Amarpura (Back side Thermal Colony), Bhatinda. (Transferor)

(2) 1. Shri Nachhattar Singh S/o Nazar Singh

2. Rajinder Singh S/o Pirthi Singh

Shanti Devi w/o Rattı Ram

4. Nawal Kishoree w/o Ram Kumar 5. Deepak Rani w/o Sub. P. R. Singh 6. Bhupinder Singh S/o Narain Singh 7. Neelam Bhatia S/o Balkishan Bhatia 8. Parsin Kaur w/o Baldev Singh

R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7913 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3612-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--53-386 GI[82

(1) Shri Chokhu Ram S/o Hira Lai R/o Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil Kumar Aggarwal S/o Dev Brat Aggarwal R/o Jagraon

2. Ram Dhan Dhir S/o Gurdial Mal Dhir, Jagraon

 Pardeep Kumar Sharma S/o Kewal Krishan Sharma
 Ved Parkash and Surinder Kumar Ss/o Hem Raj

5. Parshotam Lal, Darshan Kumar, Ramesh Kumar and Krishan Kumar Ss/o Atma Ram

Parshotam Lal S/o Atma Ram
 Laxmi Devi w/o Banarsi Dass R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7869 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT 1961 (43 OI 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAY,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 17th November 1982

Ref No AP No 3613—Whereas, 1, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No As per Schedule

situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fail 1908 Officer at

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Shri Babu Singh S o Sarwan Singh Mehna Mohalla, Bhatında Mukhtiar ai-Am of his son Major Singh

- (2) 1 Smt Mohinder Kaur W/o Sukhminder Singh R/o V Bhai ke Paser
 2 Kusam Lata w/o Subhash Garg
 - Sita Devi W/o Prem Kumar
 - Sarfi Devi W/o Tirath Ram R/o Mansa Mandi

(Transferee)

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale 13 of 31-2 1982 of the Registering Authority, deed No Bhatında

> J L GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date 17 11- 1982 Sca1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3614.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hazoora Singh */o Shri Sher Singh, R/o Village Dhoblana Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7491 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3615.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hazoora Singh s/o Shri Sher Singh, R/o Village Dhobiana Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7591 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3616.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hazoora Singh s/o Shri Sher Singh, R/o Village Dhobiana (Bhatinda).

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1260 of May 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3617.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hazoora Singh 1/0 Shri Sher Singh, R/o Village Dhobiana (Bhatinda)

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1268 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3618.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mandir Singh S/o Shri Hazoora Singh s/o Shri Sher Singh. R/o Village Dhobiana (Bhatinda).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7553 of March, 1982 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely :-

Date: 17-11-1982

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3619.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mandir Singh s/o Shri Hazoora Singh R/o Village Dhobiana (Bhatinda).

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1258 of May 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3620.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

Bhatinda on May, 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54—386 GI]82

- Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.
- (2) Shri Mandir Singh s/o Shri Hazoora Singh R/o Village Dhobiana (Bhatinda). (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7492 of March, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I.. G(RDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A. P. No. 3621.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said 'nstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Vijay Kumar S/o Shri Dewan Chand C/o M/s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bhatinda.
- (Transferor) (2) Shri Mandir Singh s/o Shri Hazoora Singh, R/o Village Dhobiana (Bhatinda).

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1269 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3622.—Whereas, I, J. L. OTRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bathinda on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar slo Shri Dewan Chand clo Mls. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh vo Shri Hazoora Singh, Rlo. Village Dhobiana (Bathinda).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 7493 of March, 1982 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Jalandhai

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No. [3623.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. as per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar s|o. Shri Dewan Chand c|o. M|s. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh s|o. Shri Hazoora Singh, R|o. Vill. Dhobiana (Bathinda).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 7554 of March, 1982 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-11-1982

FORM I.T N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhai, the 17th November 1982

Ret No AP No 3624 - Whereas, I, J L. GIRDHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bathinda on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Vijay Kumar soo. Shri Dewan Chand coo Mos Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road,

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh slo Shri Hazoora Singh, Rlo. Vill Dhobiana (Bathinda).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No 1259 of May, 1982 of the Registering Authority, Bathında

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date . 17-11-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1982

Ref. No. A.P. No]3625.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Kumar soo. Shri Dewan Chand coo. Ms. Om Parkash Som Chand, Amrik Singh Road, Bathinda. (Transferor)
- (2) Shri Hakam Singh soo. Shri Hazoora Singh, Ro. Vill. Dhobiana (Bathinda). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 1267 of May, 1982 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 2nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/326.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land situated at

New Garden Colony,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ved Parkash S/o Shri Puran Chand R o Kutra Ahluwaha. Amritsan, Self and Mukhtian-aam Min Janab jim Ramesh & Co, for Ram Rakha Mal and Shri Ram Lal.

(Transferor

(2) Sh. Kuldip Singh S/o Sh. Guidit Singh R/o Opposite Telephone Exchange, Americar.

(Transferce)

(3) As at S No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot No 36 New Garden Colony, Amritsar, measuring 246.50 sq. yds. as mentioned in sale deed No. 1172 dated 15-4-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amrilsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-11-1982

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/327.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land T.P. Scheme-53, situated at Kashmir Avenue, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said insrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Resham Singh S/o Sh. Nand Singh R/o Vijay Nagar Through Sh. Om Parkash Kalia S/o Sh. Hari Chand R/o Mohan Nagar, Amritsar, Mukhtiaraam.
- (2) S/Shri Ram Parkash Arora, Madan Lal Arora, Rej Kumar Arora, Krishan Gopal Arora Ss/o Sh. Kahan Chand, Sh. Vipin Kumar Arora S/o Sh. Ram Parkash and Smt. Satya Wafi Arora W/o Sh. Kahan Chand Arora, Amritsar

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 273,33 sq. yds. situated at Tung Bala, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 21318 dated 12-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR /82-83/328,—Whereas, I,

ANAND SINGH, 1RS

being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Verka, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-55—386 GI|82

- (1) S/Shri Amrik Singh, Pargat Singh, Balbir Singh, Sons of Sh. Gurbachan Singh, Vill: Verka Through Amrik Singh and Rattan Lal Bhatia attorney. (Transferor)
- (2) Sh. Kewal Kumar Banke Behari Sylo Sh. Dyal Chand R/o Jora Pipal, Gali Devi Wali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice ir. the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1318 sq. yds. situated at Vorka, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 20962 dated 2-3-82 of the Registering Authority, Amritsui.

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/329.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No One plot of land situated at Kashmir Avenue, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amitear in March 82

for an apparent consideration, which is

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Resham Singh S/o Sh. Nand Singh R/o Vijay Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Suman Arora W/o Sh. Sant Kumar R/o Chowk Phullanwala, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 263.5 sq. yds. situated at Batala Road, T.P. Scehme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 21542 dated 16-3-82 of Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/330.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at

Kashmir Avenue, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Ajit Singh S/o Sh. Resham Singh, R/o Vijay Nagai, Amritar.

(Transferor)

(2) Snit. Santosh Rani W/o Sh. Ramesh Kumai. R/o Hathi Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(4) Any other.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 333.7 sq. yds. situated at Batala Road, T.P. Scheme, 53, Kashmir Avenue, Amr tsar, as mentioned in sale deed No. 21540 dated 16-3-82, of registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/331.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at

Kashmir Road, ASR (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Mohan Lal S/o Sh. Hanuman Parshad R/o Allahabad, Presently at Katra Charat Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Sunil Kumar Gandhi S/o Sh. Madan Mohan Gandhi, R/o Kucha Nathu Mal, Katra Charat Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 204 sq. yds. situated at Batala Road, Behind Petrol Pump Amritsar, as mentioned in sale deed No. 22440 dated 29-3-82 of the Registering Authority, Amritsar,

> ANAND SINGH, 1.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 6th November 1982

Ref. No. ASR 82-83/332.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at V. Khan Malik, Gurdaspur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsur in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Sh. Desa Singh S/o Sh. Wadhawa Singh R/o Vill. Khan Malik, Distt. Gurdaspur. Amritsar, the 8th November 1982
- (2) Sh. Dalip Singh S/o Sh. Desa Singh, R/o V. Khan Malik Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

(Transferor)

- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires bater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals, situated at Vill. Khan Malik, Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 8056 dated 29-3-82 of the Registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/333.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at V. Khan Malik, Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- Sh. Desa Singh S/o Sh. Wadhawa Singh, V, Khanmalik Teh. & Distt. Gurdaspur.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Piara Singh S/o Shri Desa Singh R/o V. Khan Malik, Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals, situated at Khan Malik, Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 8057 dated 29-3-1982, of the Registering Authority, Gurdaspur.

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-11-1982

(1) Sh. Asa Singh S/o Sh. Maghar Singh R/o Vill. Kutbi Nangal, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) M/s Highway Traders,
G.T. Road, Batala Through Varinderjit Singh.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ARITSAR Amritsar, the 6th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/334—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at

Kandial, Tch. Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at S. R. Amritsar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

nd/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals and 3 marlas situated Kandial, Teh. Batala, as mentioned in sale deed No. 7326 dated March, 82, of the Registering Authority, Batala.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/335.--Whercas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at Radha Swami Road, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Menika D/o Sh. Hira Lal R/o Bombay Through Sh. Rusam Ardshar Boga R/o Hide Market, Amritsar.
- (2) Sh. Harbhajan Singh S/o Sh. Karam

Singh R/o Jandiala Guru, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 239 sq. yds., situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 22141 dated 24-3-1982, as of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsai, the 8th November 1982

Ref No ASR/82 83 336—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No One plot of land situated at New Garden Colony, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Sb. Ved Parkash S. o. Sh. Puran Chand R. o. Kutra Ahluwaha, celf and Mukhtiar aam for M. s. Ramesh & Co. Sh. Ram. Rakha and Sh. Ram. I al. (Transferor)

(2) Sh Rajunder Singh S/o Dr Gurjit Singh R o 107 I awience Road, Amritsar

(Transferee)
(3) As at S No 2 above and tenants if any

(Person in occupation of the property)
(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq yds situated at New Garden Colony, Amritsar, as mentioned in Sale deed No 21205 dated 8 3 82 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely ——
56—386 GI/82

Date 8 11-82 Seal

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/337.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at New Garden Colony, Circular Road. ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

- (1) Sh. Ved Parkash S/o Sh. Puran Chand, R/o Kt. Ahluwalia, Amritsar Self and Mukhtiar Aam M/s Ramesh & Co., Sh. Ram Rakha Mal and Sh. Ram Lal.
- (2) Smt. Prem Lata W/o Sh. Ram Parkash, Sh. Kewal Krishan S/Sh. Ram Parkash, Smt. Sangeeta Devi W/o Sh. Kewal Krishan R/o Amritsar, B. K. Datt Gate Inside Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferee)
2 above and tenants if any.

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 232.34 sq. yds. at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar as mentioned in Sale deed No. 22319 dated 26-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range, Amritsur-

Date: 8-11-82

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 5th November 1982

Ref. No. ASR '82-83/338.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Rani ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilisting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Pritam Singh Ramgarhia, r/o Wadala Bitewad, Teh & Distt. Amritsar, Now Faridabad, Delhi.
- (2) Sh. Avtar Singh s/o Shri Balwant Singh, Surinder
- (2) Sn. Avtar Singh, s/o Snri Balwant Singh, Surincel Kaur w/o Sh. Avtar Singh, r/o Gali Bhatian, Katra Karam Singh, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 and tenants if any.
 - (Person in occupation of the property
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 225 sq. yds., situated in Rani Ka Bagh, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 68 dated 31-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsat

Date: 5-11-1982

17

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/339.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land situated at Golden Avenue, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Improvement Trust, Amritaar
- (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Niranjan Singh 121 Golden Avenue, Amritsar.
 - (Transfered)
- (3) As at S. No. 2 and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yds., situated at 121 Golden Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 21387 dated 15-3-82 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsai

Date: 10-11-1982

Seal.

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1982

Rcf. No. ASR/82-83/340.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Kandial, Teh: Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Batala on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the satter, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Asa Singh s/o Shri Maghar Singh, Vill. Kutba Nangal, Teh. Batala Distt. Guidaspur. (Transfere
- (2) M/s Highway Traders, G.T Road, Batala, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 kanals, 3 marlas, situated at kandial, Teh Batala, & mentioned in sale deed No. 7302 dated 15-3-1982 of the Registering Authority, Batala

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsal

Date: 6-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritser, the 10th November 1982

Ref: No. ASR/82-83/341.—Whereas, I ANAND SINGH. IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Chowk Darbar Sahib ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R. Amritsar on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Mehinder Singh slias Shri Bhupinder Singh S/o S. Jaswant Singh r/o B, 2/43 Safdar Jang New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o Shri Sarmukh Singh r/o Gali Ardasian, Patel Chowk, Amritsar

(Transferee)

in the property)

(3) As at S. No. 2 and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Chowk Darbar Sahib, Amritsar, measuring 50 sq. yds., as mentioned in sale deed No. 22409 dated 29-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 9th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/342.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Inside Mahan Singh Gate, ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Stat. Upinster Kaur d/o Shri Jat Singh r/o Chatiwind Gate, Backside Raj Cinema, Amritsar.
- (2) Shri Arjan Jeet s/o Sh. Balaki Ram, Smt. Darshana Rani w/o Sh. Arjanjit r/o Inside Mahan Singh Gate, Amritsar. (Near State Bank of India)
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 and tenants if any.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bessin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2499/2, situated at Inside Mahan Singh Gate, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 21982 dated 22-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/343.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

One property situated at Inside Mahan Singh Gate, ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Upinder Kaur d/o Shri Jot Singh r/o Chatiwind Gate, Backside Raj Cinema, Amritsai

(2) Shri Arjan Jit 5/0 Shii Balaki Ram and Smt. Darshan Rani w/o Shii Arjan Jit r/o Inside Mahan Singh Gate, Near State Bank of India, Amritsai.

(Transferce)
(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2499/2, situated at Inside Mahan Singh Gate, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 21714 dated 18-3-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,

Amritsai, the 6th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/344.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at Dhab Khatikan, ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
57—386GI/82

(1) Sh. Lachhman Dass Nayyar (HUF) Through Sh. Kahan Chand, Karta & Manager (HUF) 1/0 17, Astec James Court Marcen Drive, Bombay-20 Through, Sh. Janak Raj 8/0 Sh. Lachhman Dass Nayyar c/0 Indian Woollen Textile Mills, Chheharta, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Gobind Ram Tuteja & Sons (HUF), r.o 74, Dayanand Nagar, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants as per list attached.

Regd. Deed No. 21607 dt. 17-3-1982 List of Tenants:—

	Rent	P. M.
1. Shri Harbhajan Singh Tailor	Rs.	60/-
2. Sh. Ravinder Kumar	Rs.	40/-
3. Sh. Madan Lal	Rs.	10/-
4. Sh. Gura Singh	Rs.	30/-
5. M/s. J. B. Gulati & Co.	Rs.	20/-
6. M/s. Shiv Trading Co.	Rs.	20/-
7. Sh. Sher Singh Halwai.	Rs.	20/-
8. M/s. Shiv Woollen Mills	Rs.	20/-
9. Sh. Surinder Lal s/o		
Shri Jagdish Chand	Rs.	15/-
10. M/s. Varinder Kumar Sat Pal	Rs.	20/-
11. Sh. Brij Mohan	Rs.	60/-
12. Sh. Shiv Kumar Vaid	Rs.	50/-
13. Shri Brij Mohan	Rs.	250/-
(Person in occupation of the property)		•

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share of property measuring 273 sq. yds. situated at Dhab Khatikan, Opp. Hindu College, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 21607 dated 17-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/345.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. One property situated at Dhab Khatikan, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R. Amritsar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Lachhman Dass Nayyar (HUF) Through Sh. Kahan Chand, Karta & Manager (HUF) r/o 17, Astee James Court Marcen Drive, Bombay-20 Through, Sh. Janak Raj s/o Sh. Lachhman Dass Nayyar c/o Indian Woollen Textile Mills, Chheharta, Amritsar,

(Transferor)

(2) M/s Gobind Ram Tuteja & Sons (HUF), r/o 74, Dayanand Nagar, Amritsar.

(Trasferco)

Regd. Deed No. 21308 dt. 19-3-1982 List of Tenants:—

Name of Tenants	Rent P. M.
1. Shri Harbhajan Singh Tailor	Rs. 60/-
2. Sh. Ravinder Kumar	Rs. 40/-
3. Sh. Madan Lal	Rs. 10/-
4. Sh. Gura Singh	Rs. 30/-
5. M/s. J. B. Gulati & Co.	Rs. 20/-
6. M/s. Shiv Trading Co.	Rs. 20/-
7. Sh. Sher Singh Halwai.	Rs. 20/-
8. M/s. Shiv Woollen Mills	Rs. 20/-
9. Sh. Surinder Lal s/o	
Shri Jagdish Chand	Rs, 15/-
10. M/s. Varinder Kumar Sat Pal	Rs. 20/~
11. Sh. Brij Mohan	Rs. 60/-
12. Sh. Shiv Kumar Vaid	Rs. 50/-
13. Shri Brij Mohan	Rs. 250/-

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 * ys from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property measuring 273 sq. yds., situated at Dhab Khatikan, Opp. Hindu College, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 21803 dated 19-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1982

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOK ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1982

Rcf. No. ASR/82-83/346.-Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property, situated at Chowk Pragdas, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section. 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Major Gurdeep Singh Virk s/o Sh. Gurbax Singh Virk Captain, r/o Jandiala Guru, Distt. Amritsar through Rajinder Kaur w/o Late Sh. Gurbax Singh, V. P. O. Jandiala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh s/o Shri Pritam Singh c/o Sindhi Hotel, Chowk Pragdas, Amritsar.

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property measuring 640 sq. yds, situated at Gali Mangal Singh, Chowk Pragdas, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 22195 dated 30-3-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1982

Rcf. No. ASR/82-83/347.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property, situated at Chowk Pragdas, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Gurdeep Singh and Hæ baksh Singh r/o Jandiala Guru, Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwant Singh r/o Bazar Guru Ram Dass Niwas, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 ćays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property measuring 640 sq. yds, situated at Gali Mangal Singh, Chowk Pragdas, Amritsar, as ment oned in Sale deed No 3547 dated 24-5-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsai, the 10th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/348.—Whereas I, ANAND SINGH, 1.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One property, situated at Guru Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsai on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Milkhi Ram s/o Shri Sukh Dial, Gali Rababian, Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Handa w/o Shri Radha Kishan r/o Kt. Bagh Singh, Gali Lamba Wali, Amritsur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants M/5 Sham Sunder & Bros Rent Rs. 100/- p.m.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 95/4, situated at Guru Amritsan, as mentioned in sale deed No. 22683 30-3-1982, of the Registering Authority, Amritsar. Bazar

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar

Scal:

Date: 10-11-1982

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/349.-Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-

ing Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at Guru Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1982

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property 23 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Milkhi Ram s/o Shri Sukh Dial, Gali Rababian, Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sureshta Rani Handa w/o Shri Raj Kumar Handa, Gali Lamban Wali, Katra Bagh Singh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. above 2 overleaf and tenants M/s Sham Sunder & Bros. Rent Rs. 100/- p.m. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 95/4, situated at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in Sale deed No. 2872 dated 10-5-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, LR.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/350.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land,

situated at LIC Lanc Off, Dhangu Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Jai Kishan s/o Shri Kanshi Ram, JC-48, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Sajjan Traders, Through Vishnu Datt Sharma, College Road, Pathankot

(Transferee

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot measuring 1987 sq. yds., situated at Khasra Nos. 162/113, 163/113 & 258/210, LIC Lanc Off. Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 339 dated 6-3-1982 of the Registering Authority, Delhi.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Autho ity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-11-1982

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsul the 2nd November 1982

Ref No ASR/82 83/351—Whoteas I ANAND SINGH, IRS

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No

One plot of land

situated at 11C Lanc off Dhangu Road Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering officer at

SR Delli on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow persons, namely —

(1) Sh Avta Narain s/o Shri Kanshi Ram, Dhangu Road Pathankot

(Trinsferoi)

(2) M/s Sajjan Traders College Road Pathankot

(Transferoe)

(3) As at S No 2 above and tenants it my (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1/2 share of plot measuring 1987 sq vds situated at Khasta Nos 162/113 163/113 & 258/210 LIC Lane Off Diangu Road, Pathankot as mentioned in sale deed No 353 dated 9-3 1982 of the Registering Authority Delhi

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amuitsai

Date 2-11-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVINUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th November 1982

Ref. No. CHD/237/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 2283, Sector 21-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdial Singh Bhardwaj r/o Dhanbad (Bihar) through G.P.A. Shri Chander Makar Advocate, II. No. 1135,

Sector 21-B. Chandigath.

(Transferor)

(2) I. S/Shri Mukand Lal Chalona, K. L. Chalana and P. S. Chalana, r/o H. No. 2283, Sector 21, Chandigarh.

2, r/o Dhanbad (Bihat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2283, situated in Sector 21-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 2173 of March, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-11-1982

Scal:

58-386GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th November 1982

Ref. No. LDII/311/81-82.—Whereas I, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 106, Model Gram, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsens, namely:—

 Sh. Manohar Lal s/o Sh. Tola Ram, r/o Kothi No. 106, Model Gram, Judhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Kundra w/o Shri Bal Krishan Kundra, r/o B-II-1329, Arya Street, Ludhiana.

. Now 276, Walton Road, East Molesey, Surrey, KT80HT,

U.K. England.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 106, situated in Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the registered deed No. 17902, of March, 1982 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 16-11-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 17th November 1982

Ref. No. L.C.—Whereas I, V. R. NAIR. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Smt. Ambika,
 - 2. Uma,
 - Viswam
 Cheruparambath veedu, Kadavanthra, Elemkulam village.
 - 4. Gcctha,
 - 5. Rema (Minors)
 Represented by guardian
 Sri Prabhakara Menon,
 Thaivelikkaketh Veedu,
 Thekkumpuram, Chennamangalam village.

(Transferor)

 Smt. Susan John, Attaikulath veedu, Manakkala P.O. Adoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.280 cents of land as per schedule attached to $\,$ Doc. No. 804/82 dated 11-3-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Jıtendra Kishore Gupta Roy.

(Transferor)

(2) Smt. Alo Chowdhury

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-111, CALCUTTA-700016

Calcutta, the 12th November 1982

Rcf. No. 1151/Acq. R-III/82-83.—Whereas J, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23 A./4, situated at Khanpur Road Calcutta

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 3K-2ch-22½ Sq. ft. with building, situated at 23A/4, Khanpur Road, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Calcuttn.

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Nalini Roy Chowdhury & Ort.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan Devi Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1152/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

30A & 31A, situated at Chakraberia Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 9K-2 ch with structure being Premises No. 30A & 31A, Chakraberia Lane, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.

(1) Juthika Barman.

- (Transferor)
- (2) Smt. Sandhya Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1153/Acq R-III/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4, 11-B, situated at Dover Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Camerte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of appartment in the first floor (Back-Portion) being appartment No. 4 of 11B, Dover Lane, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Shyamal Kumar Dutta.

(Transferor)

(2) Mrs. Arati Roy Chowdhury.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1154/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

41-B, situated at Mahanirban Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 1 K-16 sq. ft. with 3 storeyed building being Premises No. 41-B, Mahanirban Road, Calcutta.

C. ROKHAMA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-HI, Calcutta.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1155/Acq. R-III/82:83.—Whereas I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

70, situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 25-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Romen Mukherjec.

(Transferor)

(2) Nanda Dulal Bhattachariee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 5 K-5 ch-15 sq. situated at 70, Broad Street, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 12-11-1982

Şeal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Renuka Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. Bhattacharjee (consultant) Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-III

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1156/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18/80, situated at Dover Lane, Calcutta situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 3 K 8 ch, situated at 18/80, Dover Lane, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—
59—386GI/82

Date: 12-11-1982

FORM LT.N.S .---

(1) Bina pani Raychowdhurv

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(2)(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Cactus Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1157/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Gariahat Road (South). Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 29-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K-15 ch-43 Sq. ft. situated at 2. Gariahat Road (South), Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

Date: 12-11-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ravindra Sonpal.

(Transferor)

(2) Jayantilal T. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. $1158/\Lambda cq.R-III/82-83$.—Wherens, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8, 5A, situated at Chakraberia Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, in the second floor, being Premises No. 5A, Chakraberia Lane, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Rabindra Sonpal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ramesh Ch. Maganlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1159/Acq.R-III/82-83.---Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 6, 5A, situated at Chakraberia Lane,

Calcutta on 25-3-1982,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Soction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, in the second floor, being premises No. 5A, Chakraberia Lane, Calcutta-20

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW
Lucknow, the 27th November 1982

G.I.R. No. V-58/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1 situated at Aukland Road, Allahabad,
(and more fully described in the Schedule control bearing)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 22-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

M/s Star Hotel Ltd.,
 12-A, Cannaught Place, New Delhi.
 Through Shri J. H. Alvi, Director.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijai Bahuguna, 2. Smt. Shekhar Bahuguna (Smt. Vinita Bahuguna). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the salt Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that leasehold rights in the land measuring 766.45 aq. mtrs. being part of plot No. 2 near Cantonment Thana in Alliahabad City and the same being part of the property bearing Nagar Mahapalika No. 1, Auckland Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7003, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-11-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

G.I.R. No. K-113/Acq.—Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4 Part of House No. 53/118 situated at Ramapura, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Varanasi on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakshman Kale (Kalia).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kishan Swaroop
 - 2 Brahma Swaroop
 - 3. Raj Kumar.
 - 4. Raman Swaroop
 - 5. Kamal Swaroop.
 - 6. Nirmal Swaroop.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 of Lallapura Ramapura measuring 3664 sft. which is part of the house No. D-53/118 situate at Ramapura, Varanasi, and all that descripion of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 3768 which have duly been registered in the office of the sub-registrar, Varansi.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date 24-11-1982

Seal

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Moreshwar G. Kale (Kalia).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nav Ratan Das Gokhlani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

G.I.R. No. N-51/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Partitioned settlement Plot Nos. 70, 76 and 69, situated at Ramapura, Lallapura, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 2-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partitioned portion of settlement Plot Nos. 70, 76 and 69-Part of premises No. D-53/118, situated at Ramapura Lallapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2752, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. T-31/Acq.—Wherens I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing No. 70 and 76, situated at Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Vallabha D. Kelia
2. Pradop D. Kalia
3. Madhu Sudan D. Kalia.

(2) Tirath Ram Gokalani,

(Transferor)

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 70 and 76—Premises No. 53/118, situated at village/Mauza Ramapura, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3057, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 11-3-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. S-247/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Plot Nos. 70 & 76 part of D. 53/118, situated at Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 60—386GI/82

(1) 1 Dufferej B Kalia 2 Smt. Normala Bar Kala 3. Sm Kant Kalia

(Transferor)

(2) I. Sint. Savitii Devi

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Settlement plot Nos. 70 and 76 situated at Mauza Ramapura, D 53/118, Ramapura, Varanasi, measuring 2149 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 3058, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 11-3-1982.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. S-246/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Bandobasti No. 67, 68,

situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Lakshman Ji Kaliya 2. Aniudh Ji Nayak Kaliya.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Suman Jaiswal 2. Shii Ram Kumai Jaiswal.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occuration of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bandobasti No. 67, 68—Mohalla Lallapura, Ramapura, Varanasi—Plot No. 5D.53/118, measuring 2974 sq. ft. situated at Lallapura Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and torm 37G No 2764, which have duly been registered in the office of the Sub-Registial, Varanasi,

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGL, 57, RAM FIRTH MARG, FUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. R-178/Acq.—Whereas I. A. PRASAD, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Atazi Bandobasti Nos. 67, 68 & 69, situated at Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attorsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Bai G. Rao Kale.

(Transferor)

(2) Ram Ji.

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Anazi Bansobasti Nos. 67, 68 and 69 including house No. 13-53/118, measuring 2180 sq. ft. situated at Ramapura. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2760, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Smt. Sheela Bai Kaliya Through Shri G, V, Kale 2. Shri Moreshwar G, Rao.

Shri Rum Chandra Rupani (Transferor)

(2) 1. Shri Rum Chandra Rupani 2. Shyam Rupani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. R-177/Acq.--Whereas I, A. PRASAD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi Bandobasti Nos. 70, 76 & 69, situated at Lallapura Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti Nos. 70, 76 and 69, situated at Lallapura Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2759, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Aniiudh G. Rao Nayak Kaliva

(Transferor)

(2) Shir Pratap Rai.

(Transferce)

(3) Above Vendee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, 57, RAM TIRTH MARG, TUCKNOW

Lucknow the 24th November 1982

Ref. No. G.J.R. No. P-90/Acq. Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Arazi Bandobasti No. 67, 68,

situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 67, 68--Part of House No. D. 53/118, measuring 2036 sq. ft. situated at Lallapura-Ramapura, Varamasi, (Plot of land No. 1) and all that description of property which is mentioned in the safe deed and form 37G No. 2758, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varamasi

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Anirudh Kale

(Transferor)

(2) Shri Brahmanand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Above Seller

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

GIR No. B-105/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of property Bandobasti No. 67 & 68 situated at at Varanusi in March 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Varanasi on March. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property Bandobasti Nos. 67 and 68, measuring 2036 sq. ft.—Part of premises No. D.53/118, situated at Lallapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2751 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-11-1982.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

GIR No. P-98/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazi Bandobasti Nos. 67, 68 situated at Ramapura, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anirudh G. Rao Nayak Kale

(2) Shri Pratap Rai

(Transferor)

(2) Sint Hatep Kar

(Transferce)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti Nos. 67, 68—Part of Arazi D.53/118 (Part of plot No. 2), situated at Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2757, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Vallabha D Kalia 2 Shi Sirkant D Kalia 3 Shri Pradeep D Isalia
 - Shri Madhusudan D. Kalia

(Transferor)

(2) Shir Purusottam Das Gupta.

(Transferee)

(3) Above "Hers.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF JNCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57 RAM FIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 24th November 1982

GIR No P-97/Acq—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

No. D-53/115 situated at Ramapina, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Part of premises No. D. 53 115-Part of Bandobasti No. 70 and 76 measuring 702 sq. 11 situated at Romapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge Lucknow

Date : 24-11-1982

FORM ITNS----

(1) Shri Gopal V. Kale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Smt. Prabhawati Gupta 2. Smt. Vimla Devi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

G.I.R. No. P-96/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Arazi Bandobasti No. 67 situated at Ramapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—386GI 82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetté or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 67, situated at Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2763, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

Seal;

FORM I.T.N.S .-

(1) Smt. Sheela Bai Kalia

(2) Smt. Meera Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)
(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 24th November 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act

Chapter.

shall have the same meaning as given in that

G.I.R. No. M-146/Acq —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi Bandobasti Nos. 67, 68 & 69 situated at Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 2nd March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti Nos. 67, 68 and 69—Part of premises No. 53/118 (Plot No. 7), measuring 1875 sq ft. situated at Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2754, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-11-1982.

(1) Shrı Moreshwar G.V. Kale.

(Transferor)

.....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Mohan Das Rupani. 2. Shri Raj Kumar Rupani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. M-145/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Arazi Bandobasti Nos. 70, 76 & 69, situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti Nos. 70, 76 and 69—Part of premises No. D.53/118, Plot No. 10, situated at Ramapura, Varanesi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2755, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. K-114/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazi Bandobasti No. 67, 68,

situated at Ramapura-Lallapura, Varanasi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anirudh G. Rao Rao Nayak Kalia, (fransferor)
- (2) Shri Kewal Ram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 67, 68 including house No. D-53/118, (Plot No. 4), situated at Ramapura, Lallapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2756, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24 11 1982

(1) Shri Lakshman G. Rao Kale (Kalia).

(Transferor)

(2) Shri Basudev Jaduwani,

(3) Above seller.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. B-104/Acq.—Whereas I, A.P.RASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

Settlement Plot Nos. 68 and 70, situated at Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the conceaiment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi settlement plot No. 68 and 70, situated at Mauza-Lallapura, Ramapura, which is part of House No. D. 53/118, Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2767, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref. No. G.I.R. No. A-113/Acq.-Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000, and bearing No.
Part of Arazi Bandobasti No. 69, 70 & 76, situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 2nd March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Moreshwar Ji Rao Kale (Kalia).
- (2) Shri Ashok Kumar Malkani.

(Transferor)

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Part of Arazı Bandobasti Nos. 69, 70 & 76-Part of premises No. D. 53/118 (Plot No. 13), situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2753, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1982

FORM ITNS-

(1) Shri Moreshwar G Rao Navak Kaliya

(Iransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1982

Ref No GIR No M 144/Acq—Whereas I, A PRASAD, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Arazi Bandobasti Nos 70, 76 & 69, situated at Lallapura-Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269Q of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1 Shri Mukesh Rupani 2 Shri Jai Prakash Rupani 3 Shii Hemant Kumar Rupani

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti 70, 76 & 69—Pait of House No D 53/118 (Plot of land No 11), situated at Lallapura Ramapura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 2762, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date 24-11-1982 Scal

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. S. S. S. Sankarapandian Patel Road, Virudhunagar

(Transferor)

(2) Sh. K. M. Arunachalam 17 Periakinathu Street Virudhunagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 26, Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 435/2 situated at

A.P. Sankaralinga Nadar Street Virudhunagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Virudhunagar (Document No. 305/82) in March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ing persons, namely:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 435/2, A. P. Sankaralinga Nadar St. Virudhunagar. (Document No. 305/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh K Narasa Pillai & Sh Ulaganathan 62 II Cross St , Dharmanagai Salem

(Transferor)

(2) M. Raju Meyyan St., Sivadapuram village Salem.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 33/Mar/82—Wheteas, I, S LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S Nos. 28/2B, 28/2A, 30 1B, 28/1B & situated at 30/1A1, Dharapuram, Omalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Document No. 457/82) in March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lands in S. Nos 28/2B, 28/2A, 30/1B, 28/1B and 30/1A1, Dharapuram, Omalur. (Document No 457/82).

S LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—386GI/82

Date 19-11-1982

(1) Saraswathi Ammal, Ayyambalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kolandaivelu, by Mother Samboornam K. Ayyambalayam, Namakkal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 34/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

No. S. Nos. 4 '2 and 88 /2 situated at Agrahara Kunnathur, Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur, Salem (Document No. 292/82) in March 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Lands in S. No. 4/2 and 88/2, Agrahara Kunnathur Namakkal.
(Document No. 292/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

Date: 19-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) R. Alamelu Aramal 38 Kakka Luden Tehru Madurai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (2) M. Madakonar, Thurralai Tallakulam, Madulai.

(Tic isferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 41/Mai/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S. Nos. 94 2 and 94/7 situated at Thiruppalai, Tallakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1909) in the office of the Registering Officer at Talickalom (Doca acid No. 871/82) in March 82 March 52

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sall ect, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)s

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersioned :-

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever juried expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The forms and expressions used herein as me as incd in Chapter XXA at the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S. Nos. 94/2 and 94/7 Thirupalai, Taliakulam. Madurai.

(Document No. 871/82).

S. LAHIRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango-I, Madras-602006.

Date: 18-11-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Rcf. No. 70/Mar/82.—Whereas, I. S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat 1G, 15 Montieth Road situated at Egmore Madras-8 Egmore Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North

(Document No. 952/82) in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kishanchand Tolaram
 Thirunarayan Avenue
 New Avadai Road Madras-10.

(Transferor)

(2) Master Ravin Kishanchand By Kishanchand Tolaram8 Thirunarayan Avenue New Avadi Road Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building Flat No. 1G, 15 Montieth Road Egmore Madras-8.

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 116/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing lands measuring 2-97 acres situated at Thathampatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Salem East

(Document No. 1130/82) in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alamelammal, Viswanathan & Natarajan Adhikaripatti. (Transferor)

(2) Venkatachalam, Govindaswamy, Chellammal Thathampatti village, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Lands measuring 2.97 acres in Thathampatti village, Salem. (Document No. 1130/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madias-600006.

Date: 19-11-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 128/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 49 situated at Kurumbatti, Dindigul

Kurumbatti, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Document No. 536/82) in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) B. Krishnamurthy Kutcheri Theru, Dindigul.

(Transferor)

(2) K. Palanisamy, 36 HVABM Mill, Palani Road Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building in S. No. 49 Kurumbatti Dindigul. (Document No. 536/82).

S. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(Transferor) (2) R Veeramani, S. R. Asaithambi, R. Sekar

(1) R. Sekar, 252 Brindavan Road Fairlands, Salem-636 004.

 R Veeramani, S. R. Asa'thambi, R. Sekar S. R. Kumar, 2 Ganapathi Colony, Gopalapuram Wladras-86.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 154/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 47/2A1, 47/1D1 and 47/1A situated at Annathanapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem

(Document No. 1378/82) in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within '45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in S. Nos. 47/2A1, 47/1D1 and 47/1A, Annathanapatti, Salem.

S. LAHIRI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madias-600006.

Date: 18-11-1982

(1) N. Venkatesan, Bungalow St. Salem-636 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 V. Singaravel, V. Arunachalam, V Subtamani and V. Selvaraj
 Poovatha Udayar St. Ammapet Salem-636 003. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 155/Mar/82.—Whereas, I,

S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs, 25,000/- and bearing No.

192 situated at 1st Agraharam, Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Salem (Document No. 1379/82) in March 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at No 192 1st Agraharam Salem. (Document No. 1379/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-60006.

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1982

(1) S. M. Rajesekaran, S. M. Saminathan & S. M. Saroja, Salem

(Transferor)

(2) Abdul Karim, Sheik Dawood, Junitha and Rashida Beeyi, Devipattinam, Salem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 156/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at

Muthavalli Mohamed Yacoob Sahib St. Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem

(Document No. 1513/82) in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building No. 14 Mutavlli Mohamed Yacoob Sahib St. Salem,

(Document No. 1513/82).

S. LAHIRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-60006.

Date: 19-11-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—386GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 12th November 1982

Ref. No. 160/Mar/82.—Whereas, J, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 55/3 situated at Kannankurichi, Salem Kannankurichi, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salern (Document No. 1571/82) in March 1982 in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Rangaswamy Kannankurichi, Salem.

(Transferor)

(2) M. Thirupathi Anaimedu, Maravaneri Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULF

Lands in S. No. 55/3, Kannankurichi Yercaud Road, Salem

(Document No. 1571/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-60006.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE I, MADRAS

Madia, 600006, the 12th November 1982

Ref No 161/Mai/82 - Whereas, I, S LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

S No 55/3 situated at

Kannankuuchi, Yereaud Road, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Salem

(Document No 1572/82) in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) K. Jayakumar & Minor Promod Kannankurichi, Salem

(Transferor)

(2) M Thirupathi, Anaimedu Maravaneri Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S No 55/3 Kannankurichi Yercaud Road, Salem. (Document No 1572/82)

> S. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-60006.

Date . 12-11-1982

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 182/Mar/82,—Whereas, I, S. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situated at Chairman Muthuramier St. Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 1508/82) in March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or stry moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Official Receiver, Madurai.

(Transferor)

(2) AR Mythili, 9 Vengalakadai 1st Lane, Madurai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building No. 15 Chairman Muthuramier St. Madurai. (Document No. 1508/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 102/Mar/82.-Whereas, 1, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 2412 situated at Madurai Town East Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 1083/82) in March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 A. V. S. Navamani, 199 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferor)

(2) R. Vanniarajan, 178/1 Kamarajar Salat, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in TS No. 2412, Madurai Town East, Madurai. (Document No. 1083/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date 19-11 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 135/Mar/82.—Whereas, 1. S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS No. 2412 situated at Madurai Town East, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madurai (Document No 1084/82) in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. V. S. Navamani, 199 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferoi)

 R. Sakthivel, 178/1 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S. No. TS 2412, Madurai Town East, Madurai. (Document No. 1084/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date 19-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 136/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. TS No. 2412 situated at Madurai Town East, Madurai, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 1085/82) in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 A. V. S. Navamani, 199 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferor)

(2) R Singaravel, 178/1 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in TS No. 2412, Madurai Town Fast Madurai, (Document No. 1085/82)

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A. V. S. Navamani, 199 Kamarajar Salai Madurai.

(Transferor)

(2) Sri R. Santhavel, 178/1 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 137/Mar/82.--Whereas, I, S. LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

No. TS No. 2412 situated at Madurai Town East, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 1086/82) in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Lands in TS No. 2412, Madurai Town East, Madurai. (Document No. 1086/82).

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. LAHIRI Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D₍₁₎ OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 183/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. TS No. 2412 situated at Madurai Town East, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Madurai (Document No. 1081/82) in March 1982, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-386GI/82

A. V. S. Navamani.
 199 Kamarajar Salai,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Sri R. Dharmaiajan, 178/1 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S. No. TS 2412, Madurai Town East. Madurai, (Document No. 1081/82),

S LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 19-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. K. Gurunatha Chettiar, 5 Police Station Road Palliralavam Finichengode

(Transferor)

(2) R. Palaniswamy,25, III Cross, Gandhipuram,Pallipolayam

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I MADRA\$-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 12/Mai/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Gandhipuram, Pallipalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Komarapalavam (Document No. 457/82), in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 25 Gandhipuram Pallipalayam. (Document No. 457/82).

S. LAHIRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-J. Madras-600 006

Date: 19-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

T. K. Gurunatha Chettiar, Police Station Road, Pallipalayam, Triuchengode.

(2) Sri V. Nuthuswamy, 25, III Cross, Gandhipuram Pallipalayam. (Transferor)
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 13 Mai / 82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Gandhipuram Pallipalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Komarapalayam (Document No. 458'82) in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 VPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 25 Gandhipuram Pallipalayam. (Document No. 458/82)

S LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 19-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 143/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 134/4 situated at Kailasampalayam, Tiruchengode, gode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Document No. 497/82) in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. Mohan, 104 Velur Road, Tiruchengode.

(2) M. R. Ganesan, 1591 Pallipalayam Road, Tiruchengode. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at S. No 134/4, Kailasampalayam, Tiruchengode. (Document No. 497/82).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 143A/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 134/4 situated at Kailasampalayam Tiruchengode.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tiruchengode (Document No. 498/82), in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) N. Nagarajan, 104 Volur Road, Tiruchengode.

(2) Sri M. R. Ganesan,

(2) Sri M. R. Ganesan, 159/I Pallipalayam Road, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in S. No. 134/4 Kailasampalayam, Tiruchengode. (Document No. 498/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ramu Ammal, Ramakrishnan, Pachiyammal, Arumugham, Jambugeswari and Marimuthu, Old Sivam Pada theru, K. Pudur.

(Transferor)

(2) Chinnamunian @ Thambi, Mundachur, Kattuvalavu.

(Fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600006

Madrus-600006, the 19th November 1982 Ref. No. 56/Mar/82.--Whereas, I. S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 9 situated at Melmugham, Avanippetur, Namak-kal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Edapady (Document No. 264/82), in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S. No. 9 Melmugham, Avanipperur. Namakkal. (Document No. 264/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date . 19-11-1982

Soal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No 59/Mar/82.-Whereas, 1,

S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 1 and 3 situated at Adukkam village, Periayakulam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pariakulam (Document No. 301/82) in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

- (1) Rajkumar Vijava Rachunath Thondaiman, Kodaikanal
 - (Transferor)

1908.5

(2) Rajavaj ma. Mondaga Bungalow Kodaikanal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in S. Nos. I and 3, Adukkam village, Periakulam. (Document No. 301/82).

> S. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 74/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing S. No. 494/B1 1A 1A 1A 1A4 & 106/J-14 situated at Meelavittan, Palayamkottai Road, Tuticorin,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tuticorin (Document No. 529/82) in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) D. F. Charlie, 346 East Shaumugapuram, Tuticorin.

(Transferor)

(2) S. K. Paramasivan, Central Bank of India Tuticorin

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in S. No. 494/B1 1A 1A 1A 1A4 Meelavittan, Palayamkottai Road Tuticorin. (Document No. 529/82).

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600006

Madras, the 19th November 1982

Ref. No. 82 /Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. Nos. 465 1A 1B1, 465/1A 1B2, 465/1A 1B3 Meelavittan, Pudukudi, Tuticorin,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tuticorin (Document No. 685/82) in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the inoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 65—486GI/82

 P A Kalyanasundaram Pillai, 31D SPic Nagar, Muthiahpuram, Tuticorin.

(Transferor)

(2) K T Kosalram, Paraiyadi Theru Tenkasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in S. Nos. 465/141B1, 465/1**A1B2**, 465/1A1B3, Mcelavittan. Pudukudi, Tuticorin. (Document No. 685/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomistax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

(Transfer

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

HE INCOME(2) H. Ramesh Lal, J Deepa and H Premchand 13 Peddu Naicken St. Kondithope Madras-1, (Transfer

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 85/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 94 situated at New Avadi Road Kilpauk Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Document No. 434/82) in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said prormay be made in writing to the undersigned:—

 Mrs. Gopi Ramchand by Ramesh Ramchand Mahtani 66 Casa Major Road, Madras-8.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this no in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaable property, within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 94 New Avadi Road Kilpauk Madras-10. (Document No. 434/82).

S. LAHIR'
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 00%

Date: 19-11-1982

See1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 123/Mar/82.--Whereau, I. S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 148, 149 and 150 situated at Gandhi Nagar, Attur, Salem.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Attur (Document No. 504/82) in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

V. Sundaram and Saravanan,
 South Udayar Palayam Perumal S.,
 Attur Town Salem.

(Transferor)

(2) T. Angamuthu Naicker, 9/1 Narasingapuram South Kattu Kottai, Attur, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 148, 149 and 150 Gandhinagar Attur Salem Dist.
(Document No. 504/82).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-I

MADRAS-600006 Madras-600006, the 19th November 1982

Ref. No. 132/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Sunny Woodlands situated at Chettiar Road, Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodaikanal (Document No. 106/82) in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facil'tating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sylvia Mrunal Bhagat, Meherina Apartment, Off., Napean Road, Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) M/s. Advani Octlikon Ltd., Ador House, 6 K Dubash Marg, Bombay-400 023.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as Sunny Woodlands Chettiar Road, Kodaikanal.
(Document No. 106/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Soner of Income-tax.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-11-1982

UNDER SECTION 269D(1) OF THE OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th November 1982

Ref. No. 12093.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 186-A, 186-B, Oootacamund village, situated at

Ooty. (Doc. No. 861/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras JSR-I, in March 1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M. V. Arunachalam, M. V. Murugappan, M. V. Subbiah, No. 1, Bishop Garden, Madras-28.

(Transferor)

 (2) Larsen & Toubro Educational & Welfare Trust,
 L & T House,
 Ballard Estate, Bombay-400 038.

(Transferee

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 gays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. S. No. 186-A, 186-B, Oooty Village). (Doc. No. 861/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 20-11-1982.

FORM I.T.N.S .--

(1) Sh. Devi Dyal, Dat Se/o Bakhta Ram

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Tarsem Chand S/o Kulwan S/o Walaiti Ram R/o Mansa.

(Trans.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th December 1982

Ref. No. A.P. 3790.- Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. As per Schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4937 of March 82 of the registering Authority,

J. L. GIRDHAR Competent Authorsty, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-12-82